@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 4 अगस्त 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 271 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर शेयर किया सुभाषित

लिखा- मनुष्य को धैर्य नहीं छोड़ना चाहिए

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सोमवार को सुभाषित शेयर किया है। पीएम मोदी ने 'एक्स' पोस्ट में श्लोक शेयर करते हुए लिखा, 'त्याज्यं न धैर्यं विधुरेऽपि दैवे धैर्यात्कदाचित्स्थितिमाप्नुयात्सः। याते समुद्रेऽपि च पोतभङ्गे सांयात्रिको वाञ्छति कर्म एव ।।' जिसका हिंदी अर्थ है कि भाग्य के प्रतिकूल होने पर भी मनुष्य को धैर्य नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि धैर्य के कारण वह कभी भी अपनी खोई हुई अनुकूल स्थिति को पुनः प्राप्त कर सकता है। जिस प्रकार समुद्र के बीच में जहाज टूट जाने पर भी एक कुशल नाविक केवल अपने कर्म, अर्थात जीवित

रहने और तैरने के प्रयास की ही इच्छा करता है और हिम्मत नहीं हारता।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 29 जुलाई को सुभाषित शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा था, 'गुरु पूर्णिमा की सभी देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई। गुरु ज्ञान के साथ ही अपने शिष्यों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर उन्हें सुविचार और सुसंस्कारों से सुशिक्षित करते हैं। आइए, उनके आदर्शों को अपने जीवन का संबल बनाएं। ' पीएम की ओर से सोशल मीडिया पर एक श्लोक, 'प्रेरकः सूचकश्चैव वाचको दर्शकस्तथा। शिक्षकः बोधकश्चैव षडेते गुरवः स्मृताः॥ भी साझा किया गया है। जिसका हिंदी अर्थ है कि जो जीवन में प्रेरणा का संचार करे, सही दिशा का संकेत दे, ज्ञान और सत्य का उपदेश करे, उचित मार्ग दिखाए, शिक्षा प्रदान करे तथा जीवन में सत्य का बोध कराकर आत्मविकास का मार्ग प्रशस्त करे, ये गुरु के छह स्वरूप बताए गए हैं।

28 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी की ओर से सुभाषित शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा गया था, 'प्रकृति के संरक्षण और सम्मान में ही मानवता का कल्याण निहित है। हमारी परंपरा भी हमें इसी धर्मसम्मत आचरण की प्रेरणा देती है।' उन्होंने संस्कृत श्लोक, 'लोकपालाश्च ते सर्वे वासवप्रमुखास्तथा। ऋतवः षट् च ते सर्वे मासाः संवत्सराः क्षपाः॥ दिनानि च मुहूर्ताश्च स्वस्ति कुर्वन्तु ते सदा। श्रुतिः स्मृतिश्च धर्मश्च पातु त्वां पुत्र सर्वतः॥ भी साझा किया था।

जिसका हिंदी अर्थ है कि प्रकृति और धर्म के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन ही सुख, सुरक्षा और मंगल का आधार है। अतः दिशाओं के रक्षक देवता, इंद्र आदि प्रमुख देवगण, छह ऋतुएं, सभी मास, वर्ष, रात्रियां, दिन और शुभ मुहूर्त सदैव कल्याणकारी हों। वेद, स्मृतियां और धर्म भी सभी प्रकार से सर्वत्र सबकी रक्षा करें।

बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी करेंगे बुलेटप्रूफ गाड़ी का इस्तेमाल

जैश-ए-मोहम्मद की धमकियों के बीच सुरक्षा बढ़ी

एजेंसी

कोलकाता । आतंकवादी संगठन 'जैश-ए-मोहम्मद' से जान को खतरा होने की हालिया जानकारी के बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी अब बुलेटप्रूफ गाड़ी का इस्तेमाल करेंगे। यह जानकारी पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) से जुड़े सूत्रों ने दो संदिग्धों की गिरफ्तारियों के बाद दी। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने हाल ही में जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े संदिग्ध हमीम मंडल और उसकी सहयोगी अर्पिता सरकार को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया है कि हमीम मंडल और उसकी सहयोगी अर्पिता सरकार दोनों के संबंध पाकिस्तान स्थित आतंकवादी-अपराधी समूह 'शहजाद भट्टी नेटवर्क' (एसबीएन) से भी हैं। मंडल को शुक्रवार सुबह पूर्वी बर्दवान जिले के बर्दवान शहर से गिरफ्तार किया गया था। एसटीएफ को उसके पास से मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के रोजाना के कार्यक्रमों और आवाजाही से जुड़े कई आपत्तिजनक दस्तावेज मिले। एसटीएफ से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने रविवार शाम से ही नई बुलेटप्रूफ गाड़ी का इस्तेमाल शुरू कर दिया था। रविवार रात उन्होंने पूर्वी मिदनापुर जिले के कांथी में स्थित अपने पैतृक घर से कोलकाता तक इसी गाड़ी में यात्रा की। राज्य पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस साल की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनावों के बाद जब सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बने, तभी से उनके काफिले में बुलेटप्रूफ गाड़ी शामिल कर ली गई थी।

महिला पहलवानों से यौन शोषण के आरोप के मामले में बृजभूषण शरण सिंह बरी

इस मामले में सह-आरोपी विनोद तोमर को भी बरी कर दिया गया है।

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न के आरोपों के मामले में भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को बरी कर दिया। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह सोमवार सुबह इस मामले में फैसले से पहले दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे। उन्होंने कहा, 'जो कहेगा कोर्ट कहेगा हम अभी कुछ नहीं कहेंगे।' कोर्ट की सुनवाई शुरू होने पर अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) अश्विनी पंवार ने बृजभूषण शरण सिंह को बरी करने का फैसला सुनाया। इस मामले में सह-आरोपी विनोद तोमर को भी बरी कर दिया गया है। दो जुलाई को अदालत ने इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख

लिया था। यह मामला छह महिला पहलवानों की ओर से पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों से जुड़ा है। जनवरी 2023 में जब नए संसद भवन का उद्घाटन हो रहा था, तो उससे कुछ किलोमीटर दूर ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया ने साथी पहलवान विनेश फोगाट के साथ मिलकर पूर्व भाजपा सांसद पर यौन उत्पीड़न और सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उनकी शिकायतों के आधार पर पुलिस ने सांसद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। दिल्ली पुलिस की एफआईआर में बृजभूषण सिंह के अलावा डब्ल्यूएफआई के पूर्व असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर का नाम शामिल किया गया। जून 2023 को पुलिस ने बृजभूषण के खिलाफ कई धाराओं के तहत आरोप-पत्र दाखिल किया था।

ट्रायल कोर्ट ने मई 2024 को 5 महिला पहलवानों के उत्पीड़न और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप तय किए थे।

एक नाबालिग पहलवान ने भी बृजभूषण पर आरोप लगाए थे। हालांकि, बाद में उसने अपनी शिकायत वापस ले ली और दिल्ली पुलिस ने 'बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम' (पोक्सो एक्ट) के तहत उस मामले में कैंसिलेशन रिपोर्ट दाखिल की। इसके बाद मामला बंद कर दिया गया था।

चार दिन का सत्र औपचारिकता न बने, जनहित के मुद्दों पर हो गंभीर चर्चा : मायावती

जैश-ए-मोहम्मद की धमकियों के बीच सुरक्षा बढ़ी

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानमंडल के सोमवार से शुरू हो रहे चार दिवसीय मानसून सत्र को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने उम्मीद जताई है कि सदन की कार्यवाही जनहित और जनकल्याण के मुद्दों पर केंद्रित रहेगी। उन्होंने कहा कि यह सत्र संकीर्ण दलगत राजनीति, आरोप-प्रत्यारोप और हंगामे की भेंट नहीं चढ़ना चाहिए, बल्कि प्रदेश की ज्वलंत समस्याओं पर गंभीर चर्चा का मंच बनना चाहिए। बसपा मुखिया मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उत्तर प्रदेश विधानमण्डल का मानसून सत्र आज दिनांक 3 अगस्त से शुरू हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक कुल मिलाकर चार कार्य दिवस वाले इस सत्र में अगले दिन दिनांक 4 अगस्त को सरकारी खर्चे सम्बंधी अनुपूरक बजट राज्य सरकार विधानसभा में पेश करेगी। उन्होंने कहा कि हालांकि यह सत्र अति-अल्पकालीन है, फिर भी लोगों की यही अपेक्षा है कि यूपी विधानमंडल का यह सत्र, संसद के

वर्तमान सत्र की तरह ही, देश व जनहित, जनकल्याण एवं जवलन्त जन समस्याओं के प्रति समर्पित होने के बजाय, संकीर्ण दलगत राजनीति, खींचतान, आरोप-प्रत्यारोप व हंगामा आदि की पूरी तरह से भेंट ना चढ़ जाए। मायावती ने कहा कि वैसे इस अल्पकालीन सत्र को लेकर लोगों की यह चिंता भी स्वाभाविक ही है कि अफसरशाही (ब्यूरोक्रेसी) को संविधान के शपथ के प्रति जवाबदेह एवं जनहित, जनकल्याण को लेकर उत्तरदायी बनाए रखने के लिए जरूरी है कि विधायिका का संवैधानिक प्रभाव किसी भी प्रकार से कम ना होने पाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए यूपी के विधानमंडल का लगातार घटते सत्र के साथ-साथ विधानसभा का इतना संक्षिप्त सत्र क्या अपना वास्तविक उद्देश्य हासिल कर पायेगा या फिर केवल औपचारिकता ही रह जायेगी? बसपा प्रमुख ने कहा कि देश के संविधान व यहां लोकतंत्र की मजबूती तथा अफसरशाही पर लगाम के लिए विधायिका की मजबूती अति-महत्वपूर्ण और इसके लिए सरकार व विपक्ष दोनों का गंभीर संसदीय आचरण जरूरी है।

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय दल के प्रदर्शन पर गर्व: प्रधानमंत्री मोदी इतिहास

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज प्रातः एक्स पोस्ट में ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय दल के प्रदर्शन पर गर्व और खुशी जताते हुए विजेताओं को बधाई दी। भारत ने इन खेलों में 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदकों के साथ कुल 39 पदक अपने नाम किए हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और कनाडा के बाद चौथा स्थान हासिल किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिखा, '' इस बात की खुशी है कि भारत ने 39 मेडल जीते हैं, जिनमें 13 स्वर्ण पदक शामिल हैं। पदक जीतने वालों को बधाई। पूरे गेम्स के दौरान हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने बेहतरीन कौशल, दृढ़ संकल्प और समर्पण दिखाया है। उनकी कड़ी मेहनत हमारे युवाओं को प्रेरित करती रहेगी। भविष्य की कोशिशों के लिए पूरे भारतीय दल को मेरी शुभकामनाएं। वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते रहें और देश का मान बढ़ाते रहें।'

पूर्व 'आप' विधायक नरेश बाल्यान को मकोका मामले में बड़ा झटका

हाईकोर्ट ने जमानत देने से किया इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दर्ज मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर दी। जस्टिस मनोज जैन ने यह आदेश पारित किया। यह मामला कथित गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू के संगठित अपराध सिंडिकेट से जुड़ा है। नरेश बाल्यान पर फरार गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू की ओर से कथित तौर पर चलाए जा रहे एक संगठित अपराध सिंडिकेट से जुड़े होने का आरोप है। यह आरोप मुख्य रूप से बाल्यान और सांगवान के बीच कथित मोबाइल बातचीत की एक ऑडियो क्लिप पर आधारित है। नरेश बाल्यान को इस मामले में दिसंबर 2024 में गिरफ्तार किया गया। बाद में दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने नरेश बाल्यान और कई अन्य लोगों के खिलाफ मामले में चार्जशीट दाखिल की थी।

इससे पहले, 31 जुलाई को कड़कड़डूमा कोर्ट ने 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान आईबी

अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड में आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत 5 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने 13 जुलाई को इस मामले में सुनवाई पूरी करने के बाद ताहिर हुसैन, नाजिम, कासिम, जावेद और अनस को हत्या और अन्य गंभीर धाराओं में दोषी करार दिया था। सजा पर सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने सभी दोषियों के लिए मौत की सजा की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

यह मामला फरवरी 2020 का है। उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के दौरान आईबी के सुरक्षा सहायक अंकित शर्मा की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। उनका शव चांदबाग इलाके में एक नाले से बरामद किया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि अंकित के शरीर पर 40 से ज्यादा घाव थे।

इस मामले में कुल 11 आरोपी ट्रायल का सामना कर रहे थे। कोर्ट ने इनमें से छह आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया। दोषी करार दिए गए पांच लोगों में आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन का नाम भी शामिल है। उनके अलावा नाजिम, जावेद, कासिम और अनस को भी दोषी माना गया।

विजेंद्र सिंह ने राष्ट्रमंडल खेल में भारत के प्रदर्शन पर राहुल गांधी की चुप्पी पर सवाल उठाया

एजेंसी

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंद्र सिंह ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के एथलीटों के प्रदर्शन पर बधाई देने वाले किसी भी सार्वजनिक संदेश के अभाव पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी से सवाल किया और कहा कि देश की खेल उपलब्धियों को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठना चाहिए।

विजेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी अक्सर देश के युवाओं की बात करते हैं, लेकिन राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के एथलीटों के शानदार प्रदर्शन के लिए आपकी ओर से अभी तक एक भी बधाई संदेश या ट्वीट नहीं आया है। जब भारत के युवा तिरंगा ऊंचा लहरा रहे हैं, तो राजनीति से ऊपर उठकर उनका मनोबल बढ़ाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।' भारत के लिए मुक्केबाजी में पहला ओलंपिक पदक जीतने वाले पूर्व मुक्केबाज ने यह पोस्ट ऐसे समय में साझा किया जब भारतीय एथलीट 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए प्रशंसा बटोर रहे थे। इससे पहले, विजेंदर ने खेलों में भारतीय मुक्केबाजी दल के ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई दी थी। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'जिम्मेदारी सफलतापूर्वक सौंप दी गई है। सीडब्ल्यूजी 2026 में भारतीय मुक्केबाजों ने 7 स्वर्ण और 3 रजत सहित कुल 10 पदक जीतकर इतिहास रच दिया। पूरी टीम को हार्दिक बधाई- आपकी मेहनत, जुनून और तिरंगे के प्रति सम्मान ने पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। ' राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुक्केबाजी दल ने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिसमें सात स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतकर खेल के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखना हमारी प्राथमिकता, जनता को न हो परेशानी: केशव प्रसाद मौर्य

उपमुख्यमंत्री ने कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मानसून सत्र-2026 से पहले राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की और वरिष्ठ अधिकारियों को पूरे राज्य में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी और चेतावनी दी कि नागरिकों के प्रति लापरवाही या उत्पीड़न को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लखनऊ के विधान भवन में आयोजित बैठक के दौरान केशव मौर्य ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन एक लोकतांत्रिक अधिकार है और उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे छात्र प्रदर्शनकारियों को अनावश्यक रूप से परेशान न करें। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग छात्र आंदोलनों का दुरुपयोग आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने या सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने के

लिए करते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की और संबंधित विभागों को श्रद्धालुओं के लिए सुचारू, सुरक्षित और सुविधाजनक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी निगरानी रखने का आह्वान किया और चेतावनी दी कि तीर्थयात्रा व्यवस्था के प्रबंधन में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह), पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा, अतिरिक्त महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) अमिताभ यश, एडीजी लॉजिस्टिक्स संजीव गुप्ता, एडीजी मानवाधिकार राज कुमार और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

असम में बाढ़ से पांच जिलों की 136203 आबादी प्रभावित, तीन और शव मिले

सरकार ने 39 राहत शिविर एवं 15 राहत वितरण केंद्र स्थापित किए हैं।

एजेंसी

गुवाहाटी। असम में बाढ़ से अभी भी पांच जिलों की 136203 आबादी प्रभावित है। इस बीच तीन और शव मिले हैं। इस बार विनाशकारी बाढ़ ने ऊपरी असम के मुख्य रूप से चार जिलों में कहर बरपाया है। शिवसागर जिले के बाढ़ प्रभावित लोगों के दिलों में अब भी इसकी टीस उभर रही है। राज्य सरकार प्रभावितों की हर संभव मदद के लिए विभिन्न प्रकार के अभियान चला रही है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा दो अगस्त को चार दिवसीय ऊपरी असम के दौरे पर

पहुंचे। ग्राउंड जीरो पर मुख्यमंत्री समस्याओं को समझने की कोशिश कर रहे हैं। असम सरकार के मंत्री भी बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव कार्यों की मानिटरिंग कर सरकारी मदद त्वरित गति से मुहैया कराने में जुटे हुए हैं। बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित ऊपरी असम के चार जिलों शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट और गोलाघाट हैं। उसमें भी सबसे बुरा हाल शिवसागर जिले का है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दो अगस्त के आंकड़ों के अनुसार धनसिरि नदी (नुमलीगढ़) इलाके में खतरे के निशान से अभी भी ऊपर बह रही है। शिवसागर जिले से तीन और लोगों के शव बरामद हुए। इस तरह बाढ़ से राज्य में मृतकों की कुल संख्या 85 पहुंच गई है। शिवसागर जिले में ही 2 लोगों के गायब होने की जानकारी आपदा विभाग ने दी है। बाढ़ से पांच जिलों के 21 राजस्व मंडलों के कुल 335 गांवों की कुल 136203 आबादी अभी भी प्रभावित हैं एवं 15422 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। प्रभावित जिलों में गोलाघाट, जोरहाट, शिवसागर, चराईदेव एवं धेमाजी शामिल हैं। सरकार ने 39 राहत शिविर एवं 15 राहत वितरण केंद्र स्थापित किए हैं। राहत शिविरों में 10844 लोग आश्रय लिए हुए हैं। बाढ़ से बड़े पैमाने पर सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

जम्मू से 1056 अमरनाथ यात्रियों का नया जत्था कड़ी सुरक्षा के बीच बालटाल रवाना

एजेंसी

जम्मू। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से सोमवार तड़के कड़ी सुरक्षा के बीच श्री अमरनाथ यात्रा के 1,056 यात्रियों का एक नया जत्था बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। संयुक्त पुलिस कंट्रोल रूम के अनुसार, 26वां जत्था तड़के 2:49 बजे रवाना हुआ। इसमें 832 पुरुष यात्री, 205 महिलाएं, दो बच्चे, 15 साधु और दो साध्वियां शामिल हैं। पहलगाम रूट के लिए आज भी कोई दल नहीं भेजा गया। बालटाल जाने वाले यात्रियों को 46 गाड़ियों से भेजा गया। यह

लोग 24 बसों, सात मीडियम मोटर वाहनों और 15 लाइट मोटर वाहनों से रवाना हुए। अधिकारियों ने बताया कि नए जत्थे के रवाना होने के साथ ही इस साल चल रही श्री अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू से जाने वाले यात्रियों की कुल संख्या 1,40,748 हो गई है। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाइवे से बालटाल बेस कैंप तक सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों ने यात्रियों को सुरक्षा प्रदान की।

इस मंदिर में शिवलिंग का रंग बदलता रहता है : मेघा श्यामलाल शास्त्री

एजेंसी

अमृतसर । श्रावण मास के पहले सोमवार के दिन 'श्री दुर्गियाना मंदिर' में भोलेनाथ का दिव्य श्रृंगार किया गया। इस मौके पर भक्तों की भारी संख्या में भीड़ देखने को मिली। मंदिर के मेघा श्याम लाल शास्त्री ने साथ बातचीत में कहा कि हर सोमवार भोलेनाथ का भव्य श्रृंगार किया जाता है। पुजारी मेघा श्याम लालशास्त्री ने कहा, 'श्री दुर्गियाना मंदिर बहुत ही प्राचीन है और सावन के पवित्र महीने में हर सोमवार को भगवान शिव का फूलों और अलग-अलग सजावटी चीजों से खास श्रृंगार किया जाता है। बड़ी संख्या में भक्त जलाभिषेक, रुद्राभिषेक करने और अपनी मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना करने के लिए मंदिर आते हैं।' उन्होंने बताया कि सावन माह के सोमवार को कई भक्त अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए व्रत रखते हैं और भगवान का रुद्राभिषेक करते हैं। यहां पर सावन के महीने में रोजाना रुद्राभिषेक किया जाता है। मंदिर में आए हुए श्रद्धालु भगवान के रुद्राभिषेक में शामिल होते हैं।

उन्होंने कहा, 'इस मंदिर के शिवलिंग का स्फटिक नीले रंग का होता है लेकिन खास बात ये है कि दिन में शिवलिंग का रंग बदल जाता है। कभी बर्फ, तो कभी नीले रंग और पारदर्शिता यानी कि शीशे के समान हो जाता है कि आप अपना चेहरा देख सकते हैं। ये भी महादेव की लीला है। यहां पर भगवान का भव्य श्रृंगार होता है और हर सोमवार भगवान का विशेष श्रृंगार होता है। '

उन्होंने बताया कि पहले के समय में अमरनाथ यात्रा की छड़ी यहीं से जाया करती थी। उन्होंने कहा, 'अब श्रीनगर से जाती है, उससे पहले जम्मू से जाया करती थी और उससे पहले यहां अमृतसर स्थित 'श्री दुर्गियाना मंदिर' से जाती थी। भोलेनाथ एकमात्र ऐसे भगवान हैं, जो बहुत आसानी से प्रसन्न हो जाते हैं, उन्हें तो जल भी अर्पित कर दो, तो वे उससे भी प्रसन्न हो जाते हैं।

दिल्ली के बाद अब झारखंड में जंतर-मंतर जैसी लामबंदी

छात्रों का अनिश्चितकालीन अनशन और मशाल जुलूस

रांची (एजेंसी)। दिल्ली में भले ही छात्र आंदोलन शांत हो गया हो, लेकिन झारखंड की राजधानी रांची में छात्रों का गुस्सा अब जंतर-मंतर जैसी लामबंदी का रूप ले चुका है। कचहरी चौक स्थित जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में भारी संख्या में छात्र-छात्राएं एकजुट हो रहे हैं। जेपीएससी और जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच के बैनर तले जारी इस आंदोलन को सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। सोनम वांगचुक के अनशन की तर्ज पर अब छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने अपनी मांगों के समर्थन में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है।

रविवार को दिनभर चले प्रदर्शन के बाद शाम को बड़ी संख्या में छात्रों ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक विशाल मशाल जुलूस निकाला। प्रदर्शनकारी छात्र हाथों में मशालें थामे और शरीर पर बैनर-पोस्टर चिपकाए हुए थे। पूरे रास्ते छात्रों ने परीक्षाओं में हो रही धांधली के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। छात्रों का सीधा आरोप है कि राज्य सरकार लंबे समय से पेपर लीक और परीक्षा घोटालों के संवेदनशील मुद्दों पर गंभीरता नहीं दिखा रही है। छात्रों की मुख्य मांग है कि जिन जेएसएससी परीक्षाओं पर अनियमितता और गड़बड़ी के आरोप लगे हैं, उन्हें तत्काल रद्द किया जाए। इसके अलावा टीडीपीएल कंपनी, अभय तिवारी और विवादित एजेंसियों से जुड़े परीक्षा मामलों की निष्पक्ष सीबीआई जांच कराई जाए। साथ ही 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कर पूरी चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। सत्याग्रह के नौवें दिन अनशन पर बैठे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि विवादित 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम जारी हुए एक महीना बीत चुका है, लेकिन सरकार की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इससे अभ्यर्थियों में निराशा और आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र हितों को लेकर राज्य सरकार की मंशा में खोट है। देवेंद्र ने स्पष्ट किया कि जब तक सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक यह सत्याग्रह और भूख हड़ताल जारी रहेगी।

हिंदू संगठन ने सांसद पप्पू यादव का पुतला फूंका, सदस्यता खत्म करने की मांग

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के पुतले फूंके गए। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। संगठन ने संसद परिसर में साधु-संतों और सनातन धर्म का अपमान करने का आरोप लगाते हुए उनकी सदस्यता खत्म करने और गिरफ्तारी की मांग की। इस मांग को लेकर डीएम के जरिए ज्ञापन सौंपा जाएगा। संगठन ने चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पप्पू यादव ने भगवान राम की तस्वीर और सनातन का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि संगठन डीएम को ज्ञापन देने के साथ जल्द ही थाने में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कराने की मांग करेगा।

जम्मू-कश्मीर में 10 दिनों में हुए दो आतंकी हमले

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में 10 दिनों के भीतर दो स्थानों पर हुए आतंकी हमलों में सुरक्षाबल के एक जवान और छत्तीसगढ़ के दो प्रवासी मजदूरों समेत तीन लोगों की जान चली गई। कुलगाम में ईंट भट्ठे पर काम करने वाले मजदूरों की हत्या के पीछे सुरक्षाबलों को एक ही बचे स्थानीय आतंकवादी मोहम्मद लतीफ भट का हाथ होने का संदेह है। सुरक्षा रिकॉर्ड के अनुसार, घाटी में अब लतीफ भट ही एकमात्र जीवित स्थानीय आतंकी बचा है, जो कुलगाम का ही रहने वाला है। इसके अलावा अमरनाथ यात्रा के दौरान 22 जुलाई को एक हेड कॉन्स्टेबल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सीआरपीएफ और पुलिस फाइलों में खूंखार आतंकी के रूप में दर्ज भट के अलावा घाटी में 40 से 50 पाकिस्तानी यानी विदेशी आतंकवादियों के छिपे होने की आशंका है। सुरक्षा एजेंसियों के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि घाटी में स्थानीय आतंकवाद अब समाप्ति के कगार पर है। पांच साल पहले जांच में 50 से 60 स्थानीय आतंकियों के होने का पता चला था, जो पिछले साल मई तक घटकर 17 रह गए थे। एनआईए और सुरक्षा एजेंसियों की लगातार सख्ती, नार्को टेररिज्म पर कार्रवाई और आतंकी फंडिंग की कमर तोड़े जाने से अब पाकिस्तानी आतंकी स्थानीय युवाओं को बरगलाने में नाकाम साबित हो रहे हैं, जिससे नई भर्तियों पर पूरी तरह रोक लग गई है। अधिकारियों के अनुसार, बीते 8 जुलाई को अनंतनाग में चलाए गए एक संयुक्त ऑपरेशन शेरोवाली के दौरान लश्कर आतंकी जाकिर अहमद गनेई मारा गया था, जबकि उसका साथी लतीफ भट भागने में सफल रहा। गनेई और भट दोनों कुलगाम के ही निवासी थे और अमरनाथ यात्रा को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। 22 जुलाई को हुई हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन की शहादत और प्रवासी मजदूरों की हत्या के तरीकों में गहरी समानताएं पाई गई हैं। दोनों घटनाओं में हमलावरों ने टोपी पहन रखी थी और उनके हाथों में गनी बैग देखा गया था। भट ने वर्ष 2025 में घर छोड़कर केआरए का दामन थामा था, जो लश्कर और द रेजिस्टेंस फ्रंट से जुड़ा संगठन है। फिलहाल सुरक्षाबल इस अंतिम स्थानीय आतंकी का सफाया करने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चला रहे हैं।

पुंछ में दो जंग लगे मोर्टार गोले बरामद, सेना ने सुरक्षित उड़ाया

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में दो गांवों से जंग लगे दो मोर्टार गोले बरामद हुए, जिन्हें सेना के बम निरोधक दस्ते ने सुरक्षित तरीके से नष्ट किया। अधिकारियों ने बताया कि पहला गोला मनकोट क्षेत्र में छज्जला पुल के पास खुले मैदान में ग्रामीणों को मिला। तुरंत पुलिस और सुरक्षा बलों को सूचित किया गया, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। इसके बाद सेना के बम निरोधक दस्ते ने सभी सुरक्षा नियमों का पालन कर नियंत्रित विस्फोट के जरिए नष्ट कर दिया। वहीं, दूसरा निष्क्रिय मोर्टार गोला मेंढर नाले के पास अधकी गांव के खेतों में मिला, जिसे विशेषज्ञों ने सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया। अधिकारियों का अनुमान है कि ये विस्फोटक संभवतः नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पहले हुई सीमा-पार गोलाबारी के दौरान फटे नहीं और निष्क्रिय पड़े रहे है।

असम में किशोरी से बर्बरता-रेप के बाद हत्या, इलाका स्तब्ध

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के हैलाकांडी जिले में 15 वर्षीय किशोरी की बर्बरतापूर्ण हत्या ने पूरे इलाके को स्तब्ध किया है। अलोईचारा इलाके में हुई यह दिल दहला देने वाली घटना तब हुई, जब बच्ची घर पर अकेली थी। परिजनों ने दावा किया है कि हमलावरों ने हत्या से पहले बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न किया और फिर उसकी बेरहमी से जान ले ली। इस खौफनाक वारदात ने लोगों के बीच गहरा आक्रोश पैदा कर दिया है। जब परिजन पास के रिश्तेदार के घर एक दावत से देर रात लौटे, तब उन्होंने अपने कमरे के फर्श पर अपनी बेटी का क्षत-विक्षत शव पड़ा देखा। बच्ची की हालत इतनी भयानक थी कि पहचानना भी मुश्किल हो रहा था। दरिंदों ने बच्ची का सिर और चेहरा किसी भारी वस्तु से पूरी तरह कुचल दिया था। इसके साथ ही, हैवानियत की सारी हदें पार करते हुए उसके प्राइवेट पार्ट में लोहे की रॉड डाल दी गई थी, जिससे परिवार और पूरा समाज सदमे में है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बच्ची शनिवार रात करीब 11 बजे अपने एक कजिन भाई से किसी बात पर बहस होने के बाद दावत छोड़कर अकेली अपने घर वापस आ गई थी। इसी बीच यह अमानवीय घटना घटित हुई। इस जघन्य अपराध के बाद पूरे हैलाकांडी जिले में तनाव का माहौल है। रविवार सुबह सैकड़ों की संख्या में आक्रोशित ग्रामीणों और प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाइवे (एनएच-6) पर सड़क जाम कर दिया। वे दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और उन्हें फांसी की सजा दिए जाने की मांग कर रहे थे, जिसके चलते पुलिस-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई।

कंगना रनौत का नया वीडियो : हां, मुझे संघी बनना है

-इंडस्ट्री की दोहरी सोच पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने हाल ही में वीडियो साझा कर अपने आलोचकों को जवाब दिया है। वीडियो में कंगना ने स्पष्ट कहा है कि हां, मुझे संघी बनना है और उन्हें बीजेपी व आरएसएस की विचारधारा से प्रेरित जागरूक हिंदू बनने की इच्छा है। अपनी पुरानी छवि पर उठते सवालों का जवाब देकर कंगना

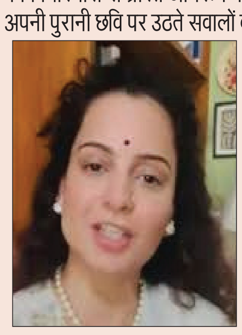

ने कहा कि वे कभी मॉडरेट हिंदू थीं, लेकिन अब जागरूक हिंदू बनना चाहती हैं। आलोचकों पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, मुझपर तंज किया जाता है कि तुम कब से संघी बन गई? हां, मुझे संघी बनना है।मुझे कन्वर्ट होना है। मैं क्यों नहीं कन्वर्ट हो सकती? उन्होंने पुराने वीडियो को लेकर हो रही आलोचनाओं पर भी जवाब दिया, यह कहते हुए कि उन्हें अपनी पहचान बदलने का पूरा हक है। वीडियो में कंगना ने फिल्म इंडस्ट्री की हिंदू अभिनेत्री पर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि कई हिंदू लड़कियां पहले राजनीति या धर्म को लेकर तटस्थ रहती हैं, लेकिन जैसे ही वे किसी इस्लामी के साथ रिश्ते में आती हैं, उनकी सोच कट्टरपंथी लेफ्टिस्ट बन जाती है। कंगना ने ऐसी सोच को दोगला बताकर सवाल किया कि जब संविधान सबको अपनी पसंद का धर्म या विचारधारा चुनने की आजादी देता है, तब हिंदू लड़कियों के चुनाव पर सवाल क्यों उठते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंगना ने यह तंज कथित तौर पर बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा पर कसा है, जिन्होंने बीते दिनों सीजेपी आंदोलन का समर्थन किया था। इससे पहले कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर बिना नाम लिए सोनाक्षी सिन्हा पर भी हमला बोला था।

दो साल बाद सार्वजनिक रूप से सामने आएंगी शेख हसीना

-5 अगस्त को वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस को करेंगी संबोधित

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना लगभग दो साल के लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर सार्वजनिक रूप से दुनिया के सामने आने जा रही हैं। वह 5 अगस्त 2026 को नई दिल्ली स्थित फॉरेन कॉरेस्पॉन्डेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया के सर मार्क टुली ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाली एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगी। यह कार्यक्रम शाम 6 बजे से 7-30 बजे तक चलेगा और इसे क्लब के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लाइव प्रसारित किया जाएगा। यह तारीख इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि ठीक दो साल पहले, 5 अगस्त 2024 को देशव्यापी हिंसक छात्र आंदोलन के बीच उन्हें बांग्लादेश छोड़कर भारत शरण लेनी पड़ी थी।

इस बहुप्रतीक्षित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शेख हसीना द्वारा अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन, अपनी सरकार के पतन और बांग्लादेश के मौजूदा राजनीतिक हालात पर खुलकर विचार व्यक्त करने की संभावना है। इसके साथ ही वह वर्तमान बांग्लादेश सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना कर सकती हैं। सूत्रों के अनुसार, शेख हसीना दिसंबर 2026 के आसपास अपनी स्वेच्छा से बांग्लादेश वापस लौटने की भावी योजनाओं का खुलासा कर सकती हैं, जहाँ वह अदालत के समक्ष प्रस्तुत होकर अपनी पार्टी अवामी लीग पर लगाए गए प्रतिबंधों को कानूनी रूप से चुनौती देने की रणनीति साझा करेंगी।

उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त 2024 को लाखों प्रदर्शनकारियों द्वारा प्रधानमंत्री आवास का घेराव करने के बाद सैन्य सलाह पर इस्तीफा देकर शेख हसीना अपनी बहन शेख रेहाना के साथ सैन्य विमान से गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पहुंची थीं और तब से वे भारत में कड़ी सुरक्षा के बीच रह रही हैं। इस बीच, बांग्लादेश के युद्ध अपराध न्यायाधिकरण ने नवंबर 2025 में छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के मामले में उनकी अनुपस्थिति में उन्हें मौत की सजा सुनाई थी, जिसे शेख हसीना ने पूरी तरह असंवैधानिक और राजनीति से प्रेरित करार देकर खारिज कर दिया है। बांग्लादेश सरकार द्वारा भारत से उनके प्रत्यर्पण की मांग भी की गई है, जिस पर भारतीय विदेश मंत्रालय द्विपक्षीय कानूनी संधियों के तहत समीक्षा कर रहा है। दो साल के मौन के बाद होने जा रही शेख हसीना की इस पहली सार्वजनिक उपस्थिति और प्रेस कॉन्फ्रेंस पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह देखने के लिए उत्सुक है कि वह बांग्लादेश के मौजूदा राजनीतिक संकट, अपनी स्वदेश वापसी और अपने भावी राजनीतिक कदमों को लेकर क्या नया संदेश देती हैं।

राजनीति नहीं, गांव की सेवा करना चाहते हैं अभिजीत दीपके

विधायक या सांसद बनने का नहीं है लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में हाल ही में हुए विशाल छात्र आंदोलन की अगुवाई करने वाले अभिजीत दीपके ने स्पष्ट किया है कि उनकी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं है और वे किसी मुख्यधारा की राजनीति में शामिल नहीं होना चाहते। हालांकि, वे अपने गृह गांव के विकास के लिए जमीनी स्तर पर काम करने के इच्छुक हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब देश के बड़े नेता और मंत्री उनसे लगातार मुलाकात करने पहुंच रहे हैं। अमेरिका में अपनी पढ़ाई के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की शुरुआत करने वाले दीपके का कहना है कि अगर उन्हें राजनीति करनी होती तो वे उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका नहीं जाते।

अभिजीत दीपके महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में स्थित अपने गांव सांतुक पिंपरी के सरपंच बनकर गांव की सूरत बदलना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि वे हर साल गर्मियों में दो-तीन महीने अपने गांव में बिताते हैं। अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद उन्होंने देखा कि उनके रिश्तेदारों के बच्चे आज भी टूटे-फूट स्कूलों में बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। इसी स्थिति को बदलने के लिए वे अपने गांव में बेहतर स्कूल, सड़कें, नालियां और एक आधुनिक अस्पताल बनवाना चाहते हैं। भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करते हुए सीजेपी के संस्थापक दीपके ने बताया कि वे और उनके वॉलंटियर्स का समूह मिलकर एक पॉलिटिकल प्रेशर ग्रुप (राजनीतिक दबाव समूह) की तरह काम करेगा। उनका मानना है कि लोकतंत्र में जितने ज्यादा दबाव समूह होंगे, जनता के मुद्दों को उतनी ही मजबूती मिलेगी। वे चाहते हैं कि समय के साथ नए युवा सामने आएं और जनहित के आंदोलनों को आगे बढ़ाएं।

इस बीच, दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में एक महीने तक चले आंदोलन के बाद संगठन अब अपनी अगली रणनीति तय करने में जुट गया है। आगामी 5 अगस्त को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित दीपके के आवास पर सीजेपी के प्रमुख सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। इस बैठक में देशभर के कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों से मिले सुझावों पर गहन मंथन किया जाएगा। बैठक के बाद आयोजित होने वाली प्रेसवार्ता में संगठन की भविष्य की कार्ययोजना और आगे की रणनीति की औपचारिक घोषणा की जाएगी।

तमिलनाडु सरकार ने कर्नाटक सीएम डीके शिवकुमार पर साधा निशाना

-कावेरी जल विवाद पर बातचीत टली

चेन्नई (एजेंसी)। कावेरी जल विवाद को लेकर तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच सीधी बातचीत के जरिए समाधान की कोशिश अब तीखी राजनीतिक बहसबाजी में बदल गई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय द्वारा कर्नाटक के साथ सीधे संवाद की पहल टलने के बाद, तमिलनाडु सरकार के वरिष्ठ मंत्री और प्रमुख प्रवक्ता आर निर्मल कुमार ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि डीके शिवकुमार अपनी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व की सुनने के बजाय तमिलनाडु के मुख्य विपक्षी दल डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन के इशारों पर काम कर रहे हैं।

पत्रकारों से बातचीत में निर्मल कुमार ने कहा कि अगर स्टालिन या उनका परिवार कुछ कहता है, तो कर्नाटक के मुख्यमंत्री उसे तुरंत मान लेते हैं, क्योंकि दोनों के बीच का रिश्ता बेहद मजबूत है। मंत्री का यह बयान सरकार का आधिकारिक रुख माना जा रहा है। इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि तमिलनाडु सरकार अब आपसी बातचीत को विकल्प नहीं मान रही है और कावेरी जल विवाद का निपटारा एक बार फिर अदालतों तथा ट्रिब्यूनल के फैसलों पर ही निर्भर रहेगा। दरअसल, पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री विजय ने कावेरी मुद्दे पर शिवकुमार से मुलाकात की पेशकश की थी। हालांकि, कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के आदेशों के खिलाफ कर्नाटक में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद यह प्रस्तावित बैठक स्थगित कर दी गई। टीवीके के रणनीतिकारों का मानना है कि बातचीत की इस पहल से सरकार को कोई राजनीतिक फायदा नहीं हुआ, इसलिए अब सॉफ्ट अप्रोच छोड़कर आक्रामक रुख अपनाने का फैसला किया गया है। निर्मल कुमार ने मुख्य विपक्षी दलों डीएमके और एआईएडीएमके की नीयत पर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि बीते 5 वर्षों में सत्ता में रहते हुए डीएमके ने कावेरी मुद्दे पर प्रभावी कानूनी कदम क्यों नहीं उठाए।

क्या है विवाद?

कावेरी नदी के जल बंटवारे की शर्तें दोनों राज्यों के बीच पहले से तय हैं, लेकिन कम बारिश के कारण उत्पन्न जल संकट की वजह से कर्नाटक तय हिस्से का पानी छोड़ने में असमर्थता जता रहा है। इसके अलावा, कर्नाटक सरकार मेकेदातू में बेंगलुरु के लिए पेयजल आपूर्ति हेतु विशाल बांध बनाना चाहती है। तमिलनाडु इस परियोजना का कड़ा विरोध कर रहा है, क्योंकि उसका मानना है कि बांध बनने से नदी के निचले हिस्से में पानी का प्रवाह कर्नाटक के नियंत्रण में आ जाएगा, जिससे तमिलनाडु के डेल्टा क्षेत्र के लाखों किसानों की आजीविका और खेती पूरी तरह तबाह हो जाएगी।

सपा का राम मंदिर चढ़ावा, नीट लीक और अन्य मुद्दों पर जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले सोमवार को मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायकों और विधान परिषद सदस्यों ने विधान भवन परिसर में जमकर हंगामा किया। सपा ने अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक सहित कई गंभीर मुद्दों पर योगी सरकार की घेराबंदी की।

विधानसभा में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के सामने बड़ी संख्या में सपा सदस्यों ने तख्तियां, बैनर और पोस्टर लेकर अपना विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान, सपा सदस्यों ने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, बीते दस वर्षों में 26 हजार से अधिक सरकारी विद्यालयों को बंद करने, नीट पेपर लीक, बिगड़ती कानून-व्यवस्था और विभिन्न जनसरोकारों से जुड़े मुद्दे उठाए। कुछ सदस्यों ने विरोध के प्रतीकात्मक रूप से अपने सिर पर 'चंदा पेटिका' लिखे दानपात्र भी रखे थे।

सपा विधायक रागिनी सोनकर ने आरोप लगाया कि बीजेपी की ''डबल इंजन'' सरकार ने प्रदेश में 26 हजार से अधिक सरकारी विद्यालय बंद किए हैं, जिससे 18 हजार बेटियों को अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी है। उन्होंने भाजपा पर केवल ''जुमलेबाजी'' करने और लोगों की आस्था से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। सपा विधायक अतुल प्रधान ने भाजपा पर राम मंदिर चढ़ावे की चोरी जैसा ''पाप'' करने का आरोप लगाकर कहा कि एसआईटी रिपोर्ट सौंपे जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सिर पर दानपात्र रखे प्रधान ने कहा, ''आज हम यहां चंदा चोरों के खिलाफ अभियान लेकर आए हैं।'' इस दौरान ''चंदा चोरों, गद्दी छोड़ो'' के नारे लगाए गए।

सपा सदस्य कमाल अख्तर ने बेरोजगारी, लगातार प्रश्नपत्र लीक होने, किसानों को खाद न मिलने, राज्य में बाढ़ के गंभीर हालात और बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं जैसे मुद्दों को उठाया। उन्होंने सरकार पर जनता और विपक्ष के सवालों से बचने के लिए सत्र की अवधि कम करने का आरोप लगाया। तीन से छह अगस्त तक चलने वाले इस सत्र को आगामी विधानसभा चुनावों से पहले संभवतः अंतिम सत्र माना जा रहा है, जिसमें सरकार चार अगस्त को पहला अनुपूरक बजट प्रस्तुत करेगी।

छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल की कार्रवाई पर स्पष्टीकरण दें अमित शाह

-'इंडिया' गठबंधन की बैठक के बाद खड़गे ने एक्स पर पोस्ट कर कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को संसद में आकर प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर स्पष्टीकरण देना चाहिए। खड़गे ने यह भी कहा कि पीएम मोदी को बताना चाहिए कि राम मंदिर में चढ़ावे की ''चोरी'' कैसे हुई। खड़गे ने संसद भवन स्थित अपने कक्ष में 'इंडिया' गठबंधन में शामिल दलों के नेताओं की बैठक के बाद एक्स पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार को 'इंडिया' को जवाब देना होगा। मीडिय रिपोर्ट के मुताबिक गृह मंत्री संसद में आएं और छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल की कार्रवाई पर स्पष्टीकरण दें। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी यह बताएं कि राम मंदिर को श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाया गया चंदा और चढ़ावा कैसे चोरी हो गया, जबकि ट्रस्ट प्रधानमंत्री की निगरानी में था। विपक्ष बीते 20 जुलाई को प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री से संसद में बयान देने की मांग कर रहा है। विपक्ष ने इस मुद्दे पर अमित शाह के इस्तीफे की भी मांग की है। विपक्षी दलों की बैठक में खड़गे के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश और के सी वेणुगोपाल, सपा सांसद धर्मेंद्र यादव, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और सागरिका घोष, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सुप्रिया सुले, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत और अरविंद सावंत, झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ माजी, माकपा के जॉन ब्रिटास और कई अन्य नेता शामिल हुए।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की सुरक्षा बढ़ी, अब बुलेटप्रूफ वाहन का करेंगे इस्तेमाल

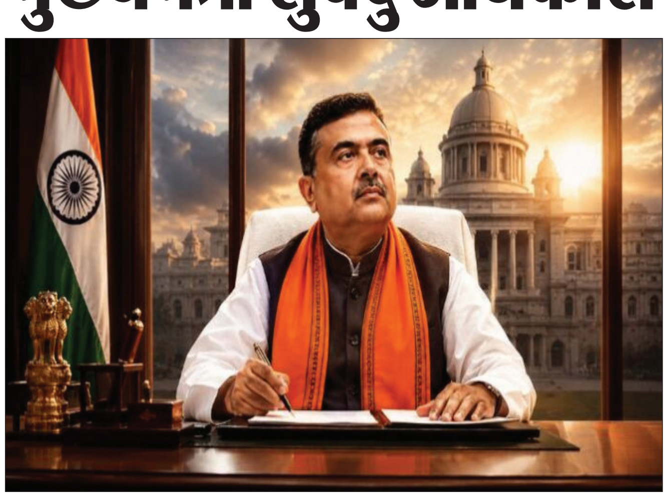

-जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो संदिग्धों की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

-मुख्यमंत्री की गतिविधियों से जुड़े दस्तावेज बरामद होने का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से कथित खतरे की सूचना और हाल ही में हुई गिरफ्तारियों के बाद मुख्यमंत्री ने बुलेटप्रूफ वाहन का नियमित रूप से उपयोग शुरू कर दिया है। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट में पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) से जुड़े सूत्रों के हवाले से सामने आई है।

एसटीएफ ने हाल ही में जैश-ए-मोहम्मद से कथित रूप से जुड़े संदिग्ध हमीम मंडल और उसकी सहयोगी अर्पिता सरकार को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, दोनों के पाकिस्तान स्थित कथित आतंकी-अपराधी नेटवर्क शहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) से भी संबंध होने की बात सामने आई है। हमीम मंडल को पूर्वी बर्दवान जिले के बर्दवान शहर से गिरफ्तार किया गया था। जांच के दौरान उसके पास से मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के दैनिक कार्यक्रम और आवाजाही से जुड़े कुछ दस्तावेज मिलने का दावा किया गया है, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां और अधिक सतर्क हो गई हैं।

सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री ने रविवार शाम से नई बुलेटप्रूफ गाड़ी का उपयोग शुरू कर दिया। उन्होंने पूर्वी मिदनापुर जिले के कांथी स्थित अपने पैतृक निवास से कोलकाता तक की यात्रा इसी वाहन से की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष की शुरुआत में मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद से ही उनके काफिले में एक बुलेटप्रूफ वाहन शामिल कर दिया गया था। हालांकि, मुख्यमंत्री आम लोगों से सहज संपर्क बनाए रखने के उद्देश्य से सामान्य वाहन में यात्रा करना अधिक पसंद करते थे। लेकिन मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों और संभावित खतरे को देखते हुए अधिकारियों ने उन्हें बुलेटप्रूफ वाहन का नियमित उपयोग करने की सलाह दी है।

गौरतलब है कि 6 मई को मुख्यमंत्री के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमलावरों ने उनकी कार को रोककर नजदीक से फायरिंग की थी, जिसमें उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अतिरिक्त एहतियाती कदम उठाने की सिफारिश की थी।

गंदगी और अव्यवस्थाओं पर भड़के कमिश्नर, ब्रजघाट में ईओ की जमकर लगाई क्लास

हापुड़। हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर में कांवड़ यात्रा की तैयारियों में बरती जा रही लापरवाही को लेकर मंगलवार को ब्रजघाट पहुंचे मंडलायुक्त भानु चंद्र गोस्वामी और डीआईजी कलानिधि नैथानी का सख्त रुख देखने को मिला। अधिकारियों ने पूरे मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था, पेयजल, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर गंदगी और अव्यवस्थाएं मिलने पर मंडलायुक्त ने कड़ी नाराजगी जताई। इस दौरान मंडलायुक्त ने कहा कि यह क्या तैयारी है, हम यहां ये अव्यवस्था देखने के लिए आए हैं? यहां, ये क्या तैयारी होती हैं, सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर लें। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी पवित्रा त्रिपाठी से तैयारियों को लेकर जवाब-तलब किया गया। ईओ ने अपनी ओर से स्थिति स्पष्ट करने का प्रयास किया, लेकिन मंडलायुक्त ने असंतोष व्यक्त करते हुए उन्हें फटकार लगाई और निर्देश दिए कि कांवड़ियों की सुविधा से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त कर ली जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी कार्य समयबद्ध ढंग से पूरे किए जाएं। निरीक्षण के दौरान हुई इस फटकार का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसकी क्षेत्र में व्यापक चर्चा है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका में कार्यों की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। लोगों का आरोप है कि विकास कार्यों में पारदर्शिता का अभाव है, जिसके कारण जरूरी व्यवस्थाएं समय पर पूरी नहीं हो पातीं। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को सभी कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए हैं, ताकि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

आढ़ती की मौत के मामले में चौकी प्रभारी और दरोगा निलंबित

कानपुर। आलू आढ़ती देवेश शुक्ला के मामले में लापरवाही बरतने वाले इंडस्ट्रियल चौकी प्रभारी विकास वर्मा और दरोगा शरद कुमार को निलंबित कर दिया गया है। डीसीपी वेस्ट ने प्रारंभिक जांच में दोनों की लापरवाही को उनकी गुमनाम मौत का जिम्मेदार माना है। इनमें चौकी प्रभारी के पास उनके घायल मिलने की सूचना आई थी। इसे उन्होंने किसी गंभीरता से न लेते हुए उच्चाधिकारियों को बताना उचित नहीं समझा। वहीं मौत की सूचना पर पोस्टमार्टम के लिए पंचनामा भरने वाले दरोगा शरद कुमार को शिनाख्त के प्रयास न करने का आरोपी माना गया है। वहीं लापरवाही बरतने पर सचेंडी और पनकी थानेदार की विभागीय जांच होगी। जूही निवासी मनोज कुमार शुक्ला की चकरपुर मंडी में देवेश कुमार योगेश कुमार एंड संस के नाम से आढ़त है। उनके भाई देवेश शुक्ला दो जुलाई को मंडी गए थे, तब से वापस नहीं लौटे। मनोज ने सचेंडी थाने में पांच जुलाई को मंडी व्यापारी संजू पाल, उसके मुनीम टिंकू यादव और ऑटो चालक प्रांशु के खिलाफ अपहरण आदि धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने संजू पाल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। शनिवार को मामले की सुनवाई में कचहरी से लौटते समय उनके भाई फील्ड यूनिट कार्यालय गए थे। जहां उन्हें उनके लापता भाई देवेश शुक्ला की सात जुलाई को मौत और 10 को पोस्टमार्टम व अंतिम संस्कार होने की जानकारी मिली। जांच में पता चला कि पनकी पुलिस को तीन जुलाई को अज्ञात व्यक्ति ने सूचना दी थी कि मैरिंग मंडी के पास कोई व्यक्ति घायल पड़ा है। उसके सिर और नाक से खून व मुंह से झाग निकल रहा था। इसके बाद उन्हें सीएचसी कल्याणपुर में भर्ती कराया गया था। फिर उन्हें उर्सला रेफर कर दिया गया, जहां उनकी मौत हो गई। परिजन का आरोप है कि पूरा मामला एसीपी पनकी की जानकारी में था। यदि पनकी पुलिस एसीपी को सूचना दे देती तो समय रहते शायद शिनाख्त हो जाती। परिजन का आरोप है कि पनकी पुलिस की लापरवाही से वह भाई का अंतिम संस्कार नहीं कर पाए। आरोपों की डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने जांच कराई तो घायल अवस्था की सूचना पनकी थाने की इंडस्ट्रियल चौकी प्रभारी विकास शर्मा के पास आने और उच्चाधिकारियों को न बताने का जिम्मेदार माना गया। वहीं पोस्टमार्टम के पंचनामे से पहले शिनाख्त के लिए जिले के थानों में गुमशुदगी जैसी जानकारी न जुटाने पर दरोगा शरद कुमार को निलंबित किया गया। देवेश के परिजन लूट के लिए हत्या किए जाने की बात कह रहे हैं। उनका दावा है कि लूटने के इरादे से ही सिर पर वार कर हत्या की गई है। वह अंगूठी और चेन पहनते थे। पुलिस ने जब शव का पंचनामा भरा था तो उसमें अंगूठी और चेन का जिक्र नहीं था। वह जब मंडी से निकलते थे तो उनके पास तगादे की रकम होती थी। उसका भी पता नहीं चल रहा है। रविवार दोपहर पीड़ित परिवार डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी से मिलने उनके कार्यालय पहुंचा। वहां उन लोगों ने पनकी पुलिस पर शिनाख्त कराने के मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। वहीं मामले में रविवार को पुलिस ने दो आरोपियों मुनीम टिंकू यादव और चालक प्रियांशु को हिरासत में लेकर पूछताछ की है।

तालाब में डूबने से सात वर्षीय बालक की मौत, खेलते समय हुआ हादसा

बांदा। अतर्रा कोतवाली क्षेत्र के गुमाई गांव में रविवार को मां के साथ धान की रोपाई कराने गए सात वर्षीय बालक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। परिजन और ग्रामीणों ने करीब आधे घंटे की तलाश के बाद बालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। गिरवां थाना क्षेत्र के पौडरा के फदाली पुरवा निवासी गुलाब कुशवाहा ने बताया कि उनका नाती अमित कुमार (7) रविवार दोपहर अपनी मां शोभा और बड़े भाई बड़ा भैया के साथ गुमाई गांव में धान की बेड़ लगाने गया था। मां खेत में काम करने लगी, जबकि दोनों भाई पास के तालाब किनारे खेलने लगे। इसी दौरान अमित का पैर फिसल गया और वह तालाब में जा गिरा। कुछ देर बाद बड़े भाई ने दौड़कर मां को घटना की जानकारी दी। सूचना पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। करीब 30 मिनट तक तलाश के बाद शाम चार बजे अमित को तालाब से बाहर निकाला गया। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। कोतवाली प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि तालाब में डूबने से बालक की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच की जा रही है। गुलाब कुशवाहा ने बताया कि उनकी भतीजी शोभा की शादी गिरवां थाना क्षेत्र के सहेवा गांव में हुई है। पिता जगन्नाथ की इकलौती संतान होने के कारण वह मायके पौडरा के फदाली पुरवा में रहकर उनकी देखभाल कर रही है। वह 17 जून को बच्चों के साथ मायके आई थी। अमित दो भाइयों में छोटा था और अनथुवा के एक निजी विद्यालय में कक्षा एक का छात्र था। उसके पिता सुनील दत्त गुजरात के सूरत में मजदूरी करते हैं।

हाईकोर्ट ने रिमांड आदेश किया रद्द, कहा- गिरफ्तारी का आधार न बताना असांविधानिक

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल के गुन्नौर थाना क्षेत्र से जुड़े एक मामले में याची राकेश की गिरफ्तारी को अवैध करार देते हुए 20 अप्रैल 2025 को जारी रिमांड आदेश रद्द कर दिया है। अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत गिरफ्तार व्यक्ति को गिरफ्तारी का विशिष्ट आधार बताना अनिवार्य है और यह केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि उसका मौलिक अधिकार है। गिरफ्तारी का आधान न बताना असांविधानिक है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने दिया है। मामले में शिकायतकर्ता ने 18 अप्रैल 2025 को एफआईआर दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि आरोपी ने उसकी पत्नी को बहला-फुसलाकर ले गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म और मानव तस्करी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार किया। याची ने गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि गिरफ्तारी मेमो में केवल 'गिरफ्तारी का कारण' दर्ज किया गया लेकिन गिरफ्तारी का ठोस और विशिष्ट आधार नहीं बताया गया। अदालत ने पाया कि जनरल डायरी की प्रविष्टि में भी केवल धाराओं का उल्लेख था और रिमांड मजिस्ट्रेट ने संविधानिक प्रावधानों के अनुपालन की जांच किए बिना यांत्रिक ढंग से रिमांड दे दी। अदालत ने राज्य सरकार की आपत्तियां खारिज करते हुए राकेश को निजी मुचलका भरने पर रिहा करने का आदेश दिया। साथ ही संभल के सत्र न्यायाधीश को अधीनस्थ मजिस्ट्रेटों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी करने को कहा है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 22(1) गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को गिरफ्तारी का कारण जानने का अधिकार और अपनी पसंद के वकील से सलाह लेने का अधिकार देता है।

NAME CHANGE
I, Jaya Vats, W/O Arvind Vats, R/O H NO. 178 Village Dhaisara Janti Kalan, Sonipat- 131028, Haryana have changed my name to Jaya Kaushik for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Rajesh Agarwal S/O Kesho Ram Agarwal, R/O D-115 Top Floor, Ashok Vihar Phase 1, Delhi-110052 have changed my name to Rajesh Aggarwal for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Sumit Kumar Sharma, S/O Satish Sharma, R/O C7/21, Ground Floor, Keshav Puram, Delhi- 110035, have changed my name to Sumit Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE
I Gaikwad Prathmesh Mukund S/O Manisha R/O Flat No. 402, T-14, Fourth Floor, Parsvnath La Tropicana Khyber Pass, Civil Lines, near Bd Estate, VTC: Civil Lines Po: Civil Lines, DELHI-110054, I have changed my name to Prathamesh Mukund Gaikwad

NAME CHANGE
I Km jyoti D/O Dinesh Kumar R/O Bir chhuchhakwas(118),jhajjar, Haryana - 124106, I have changed my name to jyoti

NAME CHANGE
I, hitherto known as Deepa alias Deepa Papnai D/O Purshotam W/O Ramesh Chandra R/O H.N.Y-405, OXY HOMES APARTMENT LONI ROAD, Y BLOCK, P.S.-LONI BORDER, Tahshil-LONI, Dist-Ghaziabad, 201102, have changed my name and shall hereafter be known as Deepa

NAME CHANGE
I, hitherto known as NAZISH W/O MOHAMMAD FAIZAN R/o H NO-1816. GALI MOHAMMADIN ELACHI WALI, TURKMAN GATE, DELHI G.P.O. NORTH DELHI, DELHI-110006 have changed my name and shall hereafter be known as NAZISH ARIF. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SHAHZAIB S/o Mohammad Faisal R/o 3622, 5th Floor, Netaji Subhash Marg, Daryaganj, Delhi-110002, have changed my name to MOHD SHAHZAIB KHAN permanently.

सार्वजनिक सूचना
यह आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री राहुल तिवारी उपरोक्त संपत्ति, अर्थात निर्मित संपत्ति संख्या RZ F-700/2, राज नगर-II, खसरा नं. 46/13/1 का हिस्सा, पालम कॉलोनी, ग्राम पालम, नई दिल्ली-110077, को श्रीमती संतोष से क्रय करने का प्रस्ताव रखते हैं, उक्त संपत्ति श्रीमती संतोष द्वारा दिनांक 08.01.1986 के नोटरीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयतनामा, जो श्री रतन सिंह द्वारा निष्पादित किए गए थे, के आधार पर अर्जित की गई थी, विक्रेता के कथनानुसार उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के बंधक, प्रभार, ग्रहणाधिकार, ऋणभार, दावा, वाद-विवाद अथवा किसी अन्य तृतीय पक्ष के अधिकार/हित से मुक्त है। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति पर ऋण प्रदान किए जाने का प्रस्ताव Bajaj Housing Finance Ltd., शाखा-Ghaziabad, Uttar Pradesh. यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक अथवा अन्य किसी पक्ष का उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का स्वामित्व, अधिकार, हित, दावा, बंधक, प्रभार, न्यायालयीन वाद या अन्य कोई आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर समस्त दस्तावेजी प्रमाणों सहित अधोहस्ताक्षरी/वित्तीय संस्था के समक्ष अपना दावा प्रस्तुत करें। अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति पर कोई आपत्ति या दावा नहीं है तथा बाद में प्राप्त किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarwfiwvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि (i) मो. आलम (पिता श्री नूर मोहम्मद) और (ii) मो. हसम (पिता श्री बुंडू अहमद), प्लॉट नंबर 36, 37 और 38 (खसरा नंबर 1233/2, कुल प्लॉट एरिया 151 वर्ग गज यानी 126.25 वर्ग मीटर) पर बने ग्राउंड फ्लोर के रुास हिस्से (बिना छत के अधिकार के, एरिया 75 वर्ग गज) के मालिक हैं। यह प्रॉपर्टी श्री राम विहार (लोक प्रिया विहार), पुलिस थाने के पास, हदबस्त गांव: मकानपुर, परगना: लोनी, तहसील और जिला: गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है। वे इसके मालिक (i) श्री सुरेश कुमार शुक्ला (पिता श्री मुरलीधर शुक्ला), (ii) श्री शिव नंदन (पिता श्री जानकी प्रसाद) और (iii) श्री बजरंग प्रसाद शुक्ला (पिता श्री सुरेश प्रसाद) द्वारा निष्पादित नोटरीकृत [illegible] (दिनांक 04.09.2025), [illegible] और वसीयत के आधार पर बने हैं। उक्त प्रॉपर्टी श्री जाहिद (पिता श्री राशिद) को बेची जा रही है और इसके लिए रोहा हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त प्रॉपर्टी पर कोई अधिकार/हित/टाइटल है या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।.
Rahul Raj Pathak Advocate,
B-01, Plot no. 20,
Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: legal.rahulraj@gmail.com.
Ph: 8130309204

NAME CHANGE
I, NO-15426803K, Rank-HAV, Name-TELANG SHIVANAND SAMBHAJIRAO residing at VPO-GAUL, TEHSIL-KANDHAR, DIST-NANDED, MAHARASHTRA-431714 have changed my father's name from SAMBHAJIRAO to SAMBHAJI VITTHAL TELANG for all future purposes vide Affidavit dated 03/08/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-15426803K, Rank-HAV, Name-TELANG SHIVANAND SAMBHAJIRAO residing at VPO-GAUL, TEHSIL-KANDHAR, DIST-NANDED, MAHARASHTRA-431714 have changed my mother's name from TELANG PRAYAG BAI to PARYGABAI SAMBHAJI TELANG for all future purposes vide Affidavit dated 03/08/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I SHAISTA W/o MOHD FURQAN R/o 2219, GALI DAKOTAN, TURAKMAN GATE, Delhi-110006 have changed the name of my minor daughter from TAHURA to TAHOORA.

PUBLIC NOTICE
Mrs. Roohi Katoch and Mr. Raadha Whig Singh Owner of the Residential Dwelling Unit bearing no. 517, 2nd floor, Arun Vihar , Sector-29 , Noida, , District Gautam Budh Nagar, U.P. Mrs. Roohi Katoch and Mr. Raadha Whig Singh have lost Original Allotment and possession letter executed by Army Welfare Housing Organization (AWHO) in favour of Mr. Narindar Whig of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage
RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की में निर्मला शर्मा उम्र 41 वर्ष निवासी C-1436 , V.P. सिंह कैम्प, रेलवे कॉलोनी , तुगलकाबाद, बदरपुर न्यू दिल्ली -110044 ने अपने पुत्र शिवम् उर्फ सुभम आयु लगभग 25 वर्ष जोकि मेरे साथ निवास नहीं करता कही और अपना निवास रखता है को अपनी चल और अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है आज से मेरा और हमारे परिवार का शिवम् से किसी भी प्रकार का लेंन देंन नहीं रहा है अगर कोई भी उनसे किसी भी प्रकार का लेन देन करेगा वह स्वंम जिम्मेदार होगा।

NAME CHANGE
I Pawan Kumar S/o Sham Lal, R/o House No. 1054, Sector 7 Extension, Gurgaon have changed my name to Pawan pahuja for all future purposes.

NAME CHANGE
I JADHAV VIJAYA SUGRIV legally mother of Army no - 2811081Y, Rank - SEP Name - JADHAV GANESH SUGRIV, Presently Residing At - UJANI MA, Post- PIMPALNER, Teh - MADHA, Dist - SOLAPUR State- MAHARASHTRA Pin - 413210 have changed my name from JADHAV VIJAYA SUGRIV to VIJAYA SUGRIV JADHAV for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 19/07/1960 instead of my correct date of birth as 05/08/1956 vide Affidavit dated 03/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Ajay Kumar Sharma S/O Shadi Lal Sharma, R/O 61 C,Una Enclave ,Mayur Vihar,Phase-I,Delhi-110091 have changed my name to Ajay Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SATISH S/O NANAK CHAND R/O 00, Gali No. 11, Behind Mansarowar Mandir, Jalalpur Road, Ganga Vihar Colony, Muradnagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201206 have changed the name of my name daughter NAINA SAGAR aged 13 years and she shall hereafter be known as BANI.

NAME CHANGE
I JADHAV SUGRIV SOPAN legally father of Army no - 2811081Y, Rank - SEP Name - JADHAV GANESH SUGRIV, Presently Residing At - UJANI MA, Post- PIMPALNER, Teh - MADHA, Dist - SOLAPUR State- MAHARASHTRA Pin - 413210 have changed my name from JADHAV SUGRIV SOPAN to SURGIV SOPAN JADHAV for all future purposes, vide Affidavit dated 03/08/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Puneet Soni S/o Mr. Dinesh Kumar is the owner of Freehold Residential Property No. RZ-C-102, area measuring 60 Sq. Yds., out of Khasra No. 585, situated in the area of Village Bindapur, Delhi, Estate Delhi, Colony Known as New Janki Puri, in Block C, Uttam Nagar, New Delhi 110059. by virtue of Notarized GPA, Notarized ATS & Will dated 09.02.2026 now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Tirathraj Chourasiya and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi.
If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, No-14664597H, Rank-HAV, Name- MANISH KUMAR is legal father of VIRAT residing at VPO-KARNAWAL, TEHSIL-SARDHANA, DIST-MEERUT, UTTAR PRADESH-250344, have changed my minor son's name from VIRAT to VIRAT SEHRAWAT for all future purposes vide Affidavit dated 03/08/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14664597H, Rank-HAV, Name- MANISH KUMAR is legal father of VEERANSH residing at VPO-KARNAWAL, TEHSIL-SARDHANA, DIST-MEERUT, UTTAR PRADESH-250344, have changed my minor son's name from VEERANSH to VEERANSH SEHRAWAT for all future purposes vide Affidavit dated 03/08/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I RANIYA W/0 AHMAD R/0 VPO.BIWAN TEHSIL FEROZPUR JHIRKA MEWAT NUH HARYANA CHANGED MY NAME TO ANJUMAN

NAME CHANGE
I PRAMOD KUMAR S/0 PRBHUDAYAL R/0 BANAIL POST PAHASU DEHAT BULANDSHAHR UTTAR PRADESH 202396 CHANGED MY NAME TO PRAMOD

NAME CHANGE
I MUKESH KUMAR AGGARWAL S/0 RAM NIWAS R/0 576 VILLAGE MANESAR MAIN BUS STAND GURGAON HARYANA CHANGED MY NAME TO MUKESH

NAME CHANGE
I, JC-390460Y Rank-SUB Name-RENJITH P CHANDRAN residing at PUTHIYEDATH HOUSE, VILL-KUNNUKARA, PO- KUNNUKARA, DIST-ERNAKULAM, KERALA-683578 have changed my mother's name from SUSEELA to SUSEELA A S for all future purposes vide Affidavit dated 03/08/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I MUKESH KUMAR AGARWAL S/0 RAM NIWAS R/0 576 VILLAGE MANESAR MAIN BUS STAND GURGAON HARYANA CHANGED MY NAME TO MUKESH

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुशीला (प्रस्तावित क्रेता) प्लॉट संख्या A-1/323, क्षेत्रफल 150 वर्ग गज, जो मुस्तातिल संख्या 69, किला संख्या 22/2, ग्राम हस्तसाल, कॉलोनी उत्तम नगर, नई दिल्ली में स्थित है, पर निर्मित तृतीय तल सहित छत के अधिकार को श्री सूरज झा एवं श्री दीपक झा से क्रय करने का प्रस्ताव रखती हैं, उक्त विक्रेता श्री सूरज झा एवं श्री दीपक झा, अपने स्वर्गीय पिता श्री राम दयाल मिश्रा, जिनका निधन दिनांक 11.03.2015 को हुआ था, के विधिक उत्तराधिकारी एवं दिनांक 26.07.2014 की पंजीकृत वसीयत के आधार पर उक्त संपत्ति के स्वामी हैं। स्वर्गीय श्री राम दयाल मिश्रा ने उक्त संपत्ति का स्वामित्व श्री खैराती लाल द्वारा निष्पादित दिनांक 03.08.1984 की नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत, दस्तावेज संख्या 289, के आधार पर प्राप्त किया था, उक्त संपत्ति के संबंध में यह बताया गया है कि यह सभी प्रकार के बंधक, प्रभार, ग्रहणाधिकार, ऋणभार, दावे, वाद-विवाद तथा किसी भी प्रकार के तृतीय पक्ष के अधिकारों से मुक्त है। वर्तमान में उक्त संपत्ति का वास्तविक एवं भौतिक कब्जा श्री सूरज झा एवं श्री दीपक झा के पास है, उक्त संपत्ति का वित्तपोषण आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा किया जाना प्रस्तावित है, यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा अन्य किसी पक्ष का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, दावा, आपत्ति, बंधक, भार या हित हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर अपने समस्त प्रमाण-पत्रों सहित अपना दावा/आपत्ति लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत करें। अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार अथवा दावा नहीं है तथा उसके पश्चात प्राप्त होने वाले किसी भी दावे/आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarwfiwvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD UMAR S/O ASGAR ALI Residing at HOUSE NO B-33 B-BLOCK NEAR JAMA MASJID NEW SEELAMPUR, North East Delhi 110053 have changed my name to MOHD UMAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I MOHD USHAMA S/O MUSABBIR HUSSAIN R/O R-81 GALI NO-21 NEAR USMANIYA MASJID BRAHAMPURI SEELAMPUR DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD USAMA

NAME CHANGE
I SHABNAM ARA W/O MOHD USAMA R/O R-81 GALI NO-21 NEAR USMANIYA MASJID BRAHAMPURI SEELAMPUR DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME TO SHABANAM AARA

NAME CHANGE
I, RAMKRAT PRASAD S/o Langatu Pd. Kushwaha R/O H.No.61A, Vill Kharihaniya, PO.Bhandar, Dist East Champaran, Bihar, have changed my name to RAMPREET permanently.

NAME CHANGE
I, ARVIND S/O BIJENDER SINGH R/O 150, J-BLOCK NEW ROSHAN PURA NAJAFGARH DELHI 110043, CHANGED MY NAME TO ARVIND KUMAR.

NAME CHANGE
I, BAOLIYA POOJA ANAND W/O JITENDAR KUMAR R/O H.NO-258A GALI NO 14 STATION BLOCK PREM NAGAR 1 NORTH WEST DELHI 110086, CHANGED MY NAME TO POOJA.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD YAMEEN S/O SIRAJUDDIN residing at H NO B-408,GALI NO-4,INDIRA VIHAR CHAMNA PARK DELHI-110094, have changed my name to MOHD YAMEEN

NAME CHANGE
I, Manju D/o Surender Sharma R/o 352/4, Bagh Vali Gali, Tilpat Amarnagar, Faridabad, Haryana-121003 have changed my name to Manju Sharma for all purposes.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Neelam Jain W/o Mr. Manoj Kumar is the owner and in possession of a Freehold Residential House on Plot No. 107-A, area measuring 75 Sq. Yds., i.e., 62.70 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 821/2/1, Situated at "Gulab Vatika" in the Village Behta Hajipur Pargana & Tehsil Loni Distt. Ghaziabad U.P. Our client acquired the said property by virtue of a Gift Deed dated 31.03.2021, duly regd. in the office of SR-Loni, Ghaziabad, Vide Doc. No. 5108, in book No. 1, Vol. No. 2499, on Pages No. 1-24, on dated 31.03.2021. In the chain of documents, (1) Original Agreement to Sell & Will dated 23.10.1989 executed by Mr. Bhikari Singh S/o Mr. Kundan Singh in favour of Mrs. Sheela Devi W/o Mr. Nand Kishore (2) Original Will dated 23.01.2001 executed by Mrs. Sheela Devi W/o Mr. Nand Kishore in favour of (a) Mrs. Jai Mala Jain W/o Mr. Sukhmal Jain (b) Mrs. Kanti Devi W/o Mr. Bhopal Jain & (3) Original ATS & Will dated 02.03.2020 executed by (a) Mrs. Kanti Jain W/o Mr. Bhopal Jain (b) Mrs. Jaimala W/o Mr. Sukhmal Chand in favour of Mr. Mayank Jain S/o Mr. Manoj Kumar Jain are not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property sold too be Mr. Mukul and the said property is presently financed / mortgaged with Tata Capital Housing Finance Ltd., Branch: Greater Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, MOHD NAZIM MALIK S/O MOHAMMAD MANZOOR R/O HOUSE NO. 3098, 1ST FLOOR, KUCHA TARA CHAND, DARYA GANJ, NEW DELHI- 110002, HAVE CHANGED MY NAME FROM MOHAMMAD NAZIM MALIK TO MOHD NAZIM KHAN FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I, Pooja Singhal, W/O Sachin, R/O 2367, D Bawana Road Anaj Mandi Extn, Narela, Delhi- 110040 have changed my name to Pooja for all future purposes.

NAME CHANGE
I SHAKIL AHMED S/O ABDUL RAHIM R/O 9752 GALI NEEM WALI NAWAB GANJ AZAD MARKET DELHI-110006 have changed my name to SHAKEEL AHMAD

NAME CHANGE
I ZABUNISA /ZAIBUN NISA W/O SHAKEEL AHMAD R/O 9752 GALI NEEM WALI NAWAB GANJ AZAD MARKET DELHI-110006 have changed my name to ZEBUN NISSA

NAME CHANGE
I, Service No. JC-388781X, Rank - Sub, Name - Kamlesh Kumar Pandey, Son of Govind Ballabh Pandey, resident of Vill - Kahalqueera, P.O. - Bhowali, District - Nainital, State - Uttarakhand, PIN 263132 have changed My father's DOB from 01-07-1957 to 15-02-1958 for all future correspondence vide affidavit on 01 Aug 2026 before the Ld. Notary Public at New Delhi.

NAME CHANGE
I, Service No. JC-388781X, Rank - Sub, Name - Kamlesh Kumar Pandey, Son of Govind Ballabh Pandey Pandey, resident of Vill - Kahalqueera, P.O. - Bhowali, District - Nainital, State - Uttarakhand, PIN 263132 have changed My mother's DOB from 01-07-1963 to 16-03-1965 for all future correspondence vide affidavit on 01 Aug 2026 before the Ld. Notary Public at New Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण जनता को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री दिलप्रीत सिंह ओबेरॉय ग्राम चक्करपुर, तहसील वज़ीराबाद एवं जिला गुरुग्राम, हरियाणा स्थित आवासीय कॉलोनी डी.एल.एफ. सिटी फेज-I में स्थित रोड नं. A-30 पर स्थित आवासीय फ्रीहोल्ड प्लॉट नं. 05, क्षेत्रफल 420 वर्ग मीटर (502.32 वर्ग गज), को श्री तोशांक शिंगरा, श्रीमती भावना दुग्गल एवं श्रीमती रमन मलिक से क्रय करने का प्रस्ताव रखते हैं, उक्त संपत्ति की मूल स्वामिनी श्रीमती निर्मल कांता मल्होत्रा थीं, जिन्होंने उक्त संपत्ति दिनांक 26.09.1986 की विक्रय विलेख के माध्यम से M/s DLF Universal Ltd. से अर्जित की थी, इसके पश्चात्, श्रीमती निर्मल कांता मल्होत्रा ने दिनांक 16.11.1990 की विक्रय विलेख द्वारा उक्त संपत्ति श्रीमती पिम्मी ग्रोवर के पक्ष में हस्तांतरित की, जो दस्तावेज संख्या 650, दिनांक 16.11.1990, उप-पंजीयक, गुरुग्राम के कार्यालय में पंजीकृत है, तत्पश्चात्, श्रीमती पिम्मी ग्रोवर ने दिनांक 22.11.2021 के ट्रांसफर डीड द्वारा उक्त संपत्ति श्री विनीत ग्रोवर के पक्ष में हस्तांतरित की, जो दस्तावेज संख्या 12060, दिनांक 22.11.2021, उप-पंजीयक, वज़ीराबाद के कार्यालय में पंजीकृत है, इसके उपरांत, श्री विनीत ग्रोवर ने दिनांक 09.06.2025 की विक्रय विलेख द्वारा उक्त संपत्ति श्री तोशांक शिंगरा, श्रीमती भावना दुग्गल एवं श्रीमती रमन मलिक के पक्ष में हस्तांतरित की, जो दस्तावेज संख्या 5679, दिनांक 09.06.2025, उप-पंजीयक, वज़ीराबाद के कार्यालय में पंजीकृत है, उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों के परीक्षण एवं प्राप्त जानकारी के आधार पर उक्त विक्रेताओं ने संपत्ति पर वैध एवं स्पष्ट स्वामित्व प्राप्त कर लिया है तथा वर्तमान में संपत्ति के शांतिपूर्ण भौतिक कब्जे में हैं। उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के बंधक, ऋणभार, ग्रहणाधिकार, कुर्की, अधिग्रहण, न्यायालयीन वाद, तृतीय पक्ष के दावे अथवा अन्य किसी प्रकार के भार एवं विवाद से मुक्त प्रतीत होती है, मेरे मुवक्किल श्री दिलप्रीत सिंह ओबेरॉय उपर्युक्त संपत्ति को श्री तोशांक शिंगरा, श्रीमती भावना दुग्गल एवं श्रीमती रमन मलिक से क्रय करने का प्रस्ताव रखते हैं तथा उक्त संपत्ति का क्रय RBL Bank Limited, Gurgaon द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है, अत: यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, वित्तीय संस्थान अथवा अन्य किसी पक्ष का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, दावा, हित, बंधक, ऋणभार, न्यायालयीन वाद, आपत्ति अथवा अन्य कोई दावा हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 (सात) दिनों के भीतर अपने दावे के समर्थन में मूल दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत करे। अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति पर कोई दावा या आपत्ति नहीं है और उसके पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा, जिसके लिए कोई भी व्यक्ति स्वयं उत्तरदायी
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarwfiwvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, HIRABHAI mother of No-15150821M, Rank-BHM (DMT), Name-KOLHATKAR TUKARAM APPASAHEB residing at ANANDWADI, AJNUJ AHMADNAGAR, MAHARASHTRA-414701 have changed my name from HIRABHAI to HIRABAI APPASAHEB KOLHATKAR for all future purposes vide Affidavit dated 03/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I,Sanjay Kumar S/O Bawriya R/O-T-31/12 Baljeet Nagar Patel Delhi 110008 have changed my name to Sanjay Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, SHAH RUKH S/O SHEHZAD AHMED R/O AHMED APARTMENTS 1E/7 II ND FLOOR 1ST LANE JOHRI FARM NOOR NAGAR EXTN JAMIA NAGAR NEW FRIENDS COLONY DELHI-110025 have changed my name to SHAHRUKH AHMED for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD ADIL S/O AFTAB ALAM R/O F-153/1 BLOCK -F SHAHEEN BAGH ABUL FAZAL ENCLAVE PART-2 OKHLA JAMIA NAGAR DELHI-110025 have changed my name to MOHD ADIL for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MAHENDER SINGH S/o SUJAN SINGH R/O 65, VTC: DIGOLI, PO: DEWAL BICHRAL, DISTRICT: BAGESHWAR,STATE: UTTARAKHAND, PIN CODE: 263631 have changed my name to MOHINDER SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE
I MOHD AAFTAB S/O MOHD ALTAF R/O X-47 ,48 WELCOME SEELAMPUR DELHI -110053 have changed my name to MOHD AFTAB Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I SHAHZAD S/O AMIRUDDIN R/O A- 97 JJ COLONY NANGLOI DELHI 110041 have changed my name to MOHD SHAHZAD Permanently for all future purposes

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती नन्ही बेगम, पत्नी श्री साहिद खान, संपत्ति संख्या बी-92 (भाग), क्षेत्रफल 50 वर्ग गज (अर्थात् 41.80 वर्ग मीटर), जो खसरा संख्या 711/684/442 मिन., स्थित आबादी, गली नं. 8, कांती नगर एक्सटेंशन, ग्राम उल्दनपुर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110051 में स्थित है, की स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति उन्होंने दिनांक 19.11.2024 की पंजीकृत विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से श्रीमती फराह, पत्नी श्री राजू एवं कु. रहनुमा बानो, पुत्री श्री जमील अली से क्रय की, जो दस्तावेज संख्या 2024/18/l/10748, पुस्तक संख्या-I, वॉल्यूम संख्या 4990, पृष्ठ संख्या 107 से 126, दिनांक 19.11.2024, उप-पंजीयक कार्यालय, विवेक विहार, दिल्ली में पंजीकृत है, प्रारंभिक स्वामिनी श्रीमती गीता रानी जिंदल, पत्नी श्री राम निवास जिंदल, के पक्ष में दिनांक 22.11.1977 की नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी थी, तत्पश्चात, श्रीमती गीता रानी जिंदल ने दिनांक 06.04.2010 को श्री राकेश जिंदल, पुत्र श्री राम निवास जिंदल, के पक्ष में पंजीकृत वसीयत निष्पादित की, जो दस्तावेज संख्या 1578, पुस्तक संख्या-III के रूप में पंजीकृत है, श्रीमती गीता रानी जिंदल का दिनांक 06.01.2020 को निधन हो गया, तत्पश्चात श्री राकेश जिंदल ने दिनांक 01.12.2022 को श्री एन.पी. गुप्ता, पुत्र श्री भानी राम एवं श्री महेश गुप्ता, पुत्र श्री नारायण प्रसाद गुप्ता के पक्ष में पंजीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत निष्पादित की, जो दस्तावेज संख्या 1533 के रूप में पंजीकृत है, इसके पश्चात दिनांक 29.09.2023 की पंजीकृत विक्रय विलेख द्वारा श्री एन.पी. गुप्ता एवं श्री महेश गुप्ता ने उक्त संपत्ति श्रीमती फराह एवं कु. रहनुमा बानो के पक्ष में हस्तांतरित की, जो दस्तावेज संख्या 9837, पुस्तक संख्या-ढु के रूप में पंजीकृत है, अंततः दिनांक 19.11.2024 की पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती नन्ही बेगम, पत्नी श्री साहिद खान के पक्ष में हस्तांतरित हुई, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति के संबंध में पिछले तीन वर्षों के निरंतर कब्जे के प्रमाण तथा SMC × पंजीकृत वसीयत दिनांक 06.04.2010 के संबंध में सक्षम न्यायालय से प्रोबेट आदेश अभिलेख ग्राहक के पास उपलब्ध नहीं हैं, उक्त संपत्ति वर्तमान में श्रीमती नन्ही बेगम, पत्नी श्री साहिद खान के वास्तविक एवं भौतिक कब्जे में है तथा उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार यह संपत्ति किसी भी प्रकार के बंधक, प्रभार, ग्रहणाधिकार, भार अथवा किसी तृतीय पक्ष के दावे से मुक्त है, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति को डीसीबी बैंक लिमिटेड, गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है, यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा प्राधिकरण का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, दावा, हित, बंधक, भार, आपत्ति या अन्य कोई दावा हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर समस्त दस्तावेजी साक्ष्यों सहित अधोहस्ताक्षरी/बैंक के समक्ष अपना दावा प्रस्तुत करे। अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई दावा या आपत्ति नहीं है तथा भविष्य में प्राप्त किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarwfiwvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, NEELAM DEVI W/o Rajeev Giri, R/o Faridpur Gusai, PO: Simbhaoli, Distt. Hapur, Uttar Pradesh-245207, have changed the name of my minor daughter ANSHIKA aged 15 years and she shall hereafter be known as VANSHIKA, for all future purposes.

NAME CHANGE
I,Saurabh Dugal S/O Sanjay R/O-T-31/12 Baljeet Nagar Patel Delhi 110008 have changed my name to Saurav Dugal Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, DAMBAR SINGH S/O RAJPAL SINGH R/O 16K, Sonda Habibpur, Saudahavipur, Bulandshahr, Uttar Pradesh-203132 have changed the name of my minor son LAKCH aged 15 years and he shall hereafter be known as LAKSHYA SOLANKI.

NAME CHANGE
I, Saima W/O Mohd Arif R/O H.no-487, Sector-37, Faridabad, Amarnagar Faridabad, Haryana-121003 Have changed my name to Saima Hussain for all future purposes.

NAME CHANGE
I, AFTAB S/o Abdul Wahab R/o E-72, 4th Floor, Street No.4, Shastri Park, Delhi110053, have changed my name to MOHD AFTAB permanently

NAME CHANGE
I, MOHD AAFTAB S/o Abdul Wahab R/o E-72, 4th Floor, Street No.4, Shastri Park, Delhi110053, have changed my name to MOHD AFTAB permanently.

NAME CHANGE
I, RESHMA BANO W/o MOHD AFTAB R/o E-72, 4th Floor, Street No.4, Shastri Park, Delhi110053, have changed my name to RESHMA permanently.

NAME CHANGE
I DILSHAD BEGUM W/o JALALUDDIN R/O HOUSE NO-1026, GALI MADARSA WALI, MATIA MAHAL JAMA MASJID, DELHI 110006 HAVE CHANGED MY NAME TO DILSHAD BEE

NAME CHANGE
I NEHA ASHOK KUMAR D/O ASHOK KUMAR R/O H.NO- 6072, GALI SATYANARAYAN, NABI KARIM, PAHARGANJ, CENTERAL DELHI HAVE CHANGED TO MY NAME NEHA

NAME CHANGE
I, GURASSES SINGH ANAND S/O. GAGANDEEP SINGH ANAND R/O. H.NO-11/26, 2ND FLOOR, NEAR GURDWARA SINGH SABHA, TILAK NAGAR, DELHI-110018 have changed my name to GURASEES SINGH ANAND for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि श्री सुभाष गुप्ता (प्रस्तावित ऋणग्राही) निम्नलिखित संपत्ति क्रय करने का प्रस्ताव रखते हैं, निर्मित संपत्ति संख्या A-25-A, जो प्लॉट संख्या 15 पर निर्मित है, क्षेत्रफल 33 वर्ग गज, खसरा संख्या 4/1/24 का भाग, स्थित ग्राम करावल नगर, आबादी गली नं. 04, ब्लॉक-A, फेज-10, मेन नाला रोड, शिव विहार, करावल नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110094। उक्त संपत्ति श्री राजेश कुमार जैन से क्रय की जा रही है, जिन्होंने उक्त संपत्ति का स्वामित्व दिनांक 01.07.2024 के नोटरीकृत सामान्य मुख्तारनामा, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयतनामा के आधार पर, जो श्री गजेन्द्र शर्मा द्वारा निष्पादित किए गए थे, प्राप्त किया है, विक्रेता के अनुसार उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के बंधक, भार, ग्रहणाधिकार, प्रभार, दावा, न्यायालयीन विवाद अथवा किसी अन्य तृतीय पक्ष के अधिकार/हित से मुक्त है। वर्तमान में उक्त संपत्ति का भौतिक कब्जा श्री राजेश कुमार जैन के पास है, उक्त संपत्ति का वित्तपोषण आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा किया जाना प्रस्तावित है, यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, वित्तीय संस्था अथवा किसी अन्य पक्ष का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का स्वामित्व, अधिकार, हित, दावा, बंधक, ऋण, प्रभार, न्यायालयीन वाद अथवा अन्य कोई आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर संबंधित दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी/वित्तीय संस्था के समक्ष अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत करे। अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति पर कोई दावा या आपत्ति नहीं है तथा उसके बाद प्राप्त होने वाले किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarwfiwvashwani@gmail.com

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

News box

हमने उम्मीद नहीं छोड़ी, पहलवान कोर्ट में लड़ाई जारी रखेंगे, बृजभूषण सिंह के बरी होने के बाद बोलीं विनेश फोगाट

हरियाणा.(एजेंसी)

हरियाणा से इस वक्त की खेल से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां महिला पहलवाओं और भारतीय कुश्ती महासंघ के बीच के मामले ने एक बार फिर से तूल पकड़ लिया है। बता दें कि 3 अगस्त 2026 को दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने बृजभूषण सिंह को बरी कर दिया था। इस मामले पर महिला पहलवान विनेश फोगाट ने प्रतिक्रिया दी थी और साजिश करने की बात बोली थी। पहलवानों के आंदोलन का अहम हिस्सा रहीं विनेश फोगाट ने भी प्रतिक्रिया देते हुए इस लड़ाई को जारी रखने और फैसले के खिलाफ अपील करने की बात कही है।महिला पहलवान विनेश फोगाट ने कोर्ट के फैसले के बाद अपने एक्स हैंडल पर एक नोट शेयर किया है।

इसमें उन्होंने कहा कि हमें सड़क पर उतरने और सत्ताधारी पार्टी के एक बाहुबली नेता के खिलाफ स्न्ङ्क्र दर्ज करवाने के लिए बहुत हिम्मत जुटानी पड़ी थी। सत्ता और अपने बाहुबल के दम पर बृजभूषण ने कई लड़कियों को डराकर उनके नाम वापस करवाए हैं। पर कई महिला पहलवान खड़ी रहीं और कोर्ट में बृजभूषण के ख़िलाफ़ लड़ाई लड़ती रहीं।हमें इस बात का बहुत दुख है कि अदालत ने बृज भूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन हिंसा के आरोपों में दोषी नहीं माना।

शुरू दिन से ही सारा तंत्र, सरकार और ये सिस्टम बृजभूषण को बचाने के लिए लगा हुआ है। महिला पहलवानों ने अपने वकीलों को इस फैसले के खिलाफ अपील करने का निर्देश दे दिया है, और यह जल्द से जल्द की जाएगी। हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है और पहलवान अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।वहीं इस मामले को लेकर कांग्रेस नेता बृजेंद्र सिंह ने भी ट्वीट कर कहा कि... महिला पहलवानों के यौन शोषण के मामले में अदालत के फैसले से दिल भारी बेशक है, परन्तु मेरा मानना है कि न्याय की यह लड़ाई में यह एक पड़ाव भर है। हमारी महिला पहलवानों के संघर्ष और देश के लिए उनके योगदान का गवाह पूरा देश है। देश की आम जनता आपके साथ मजबूती से खड़ी है। उम्मीद करते हैं कि उपरी अदालत से आपको न्याय मिलेगा।

रोहतक: कबड्डी खिलाड़ी शीलू बल्हारा सहित 3 लोग गिरफ़्तार, पत्नी मुस्कान की मौत मामले में पुलिस जांच तेज

रोहतक.(एजेंसी)

पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी शीलू बल्हारा की पत्नी मुस्कान की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत मामले की जांच तेज़ कर दी है। पुलिस ने शिलू बल्हारा, उसके पिता समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि परिवार के बयानों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फोरेंसिक सबूतों और अन्य तकनीकी पहलुओं के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने परिवार की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रविवार को दोनों पक्षों की हुई पंचायत भी किसी नतीजे पर नहीं पहुँच सकी। मुस्कान के पिता और शीलू के बीच लगभग 10 मिनट तक तीखी बहस हुई, जिसके बाद पंचायत ने समझौते या फ़ैसले के लिए 10 दिन का समय मांगा और मामले को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने की कोशिशें जारी रखने को कहा। वहीं, मुस्कान के मायके वालों ने ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि शादी के बाद से ही मुस्कान को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। इस मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर मुस्कान ने यह कदम उठाया। जबकि ससुराल वालों ने सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया।

बता दें कि मुस्कान की शादी 3 साल पहले अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी शीलू बल्हारा से हुई थी और मायके वालों का कहना है कि शादी के महज एक महीने बाद ही उसे परेशान किया जाने लगा था। उन्होंने खुलासा किया कि मौत से 20 दिन पहले भी मुस्कान के साथ उसके सास, ससुर और देवर ने जमकर मारपीट की थी।मुस्कान के पिता सुखबीर के मुताबिक, मुस्कान ने खुद फोन कर उन्हें इस मारपीट के बारे में बताया था, लेकिन बातचीत के दौरान ही फोन कट गया और दोबारा संपर्क नहीं हो पाया। वहीं मुस्कान के पिता ने शीलू बल्हारा और उसके भाई मनीष पर गंभीर आरोप लगाते हुए अवैध संबंधों की बात भी कही है, जिसके सबूत अपने फोन में होने का दावा उन्होंने किया है।

सावन के पहले सोमवार शिवालयों में लगी भक्तों की भीड़, नूंह के लिए रवाना हुई बृजमंडल शोभा यात्रा

गुड़गांव.(एजेंसी)

सावन की शुरुआत होते पूरा गुड़गांव शिवमय हो गया है। सावन के पहले सोमवार को जहां शिवभक्तों का शिवालयों में हुजूम उमड़ा हुआ है वहीं, आज होने वाले बृज मंडल शोभा यात्रा भी शिवालयों से नूंह के लिए रवाना हो गई। हालांकि बृजमंडल शोभा यात्रा को लेकर पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हुए हैं। वहीं, शिवालयों में जलाभिषेक के बाद यह यात्रा नूंह के लिए रवाना हो गई।

सावन के पहले सोमवार को सुबह से ही मंदिरों में शिवभक्तों की भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही शिवभक्त अपने आराध्य का जलाभिषेक करने के लिए मंदिर पहुंच गए। किसी ने गंगाजल से अभिषेक किया तो कोई पंचामृत लेकर यहां पहुंचा। फूल, बेलपत्र चढ़ाकर शिव पूजन किया। सुबह से ही शिवालयों में हर-हर महादेव के जयकारे गूंजने लगे। शहर के प्रमुख शिव मंदिर राजीव नगर, सेक्टर-10 सहित भूतेश्वर महादेव मंदिर, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ नजर आई।

उधर, आज होने वाली बृज मंडल शोभायात्रा की शुरूआत भी हो गई। सुबह सेक्टर-12 शिव मंदिर, सेक्टर-10 राधाकृष्ण मंदिर, मानेसर सहित पटोदी व अन्य मंदिरों से सैकड़ों शिवभक्त बृजमंडल शोभा यात्रा करने के लिए निकले। यह यात्रा गुड़गांव से शुरू हुई और हरिद्वार से लेकर कावड़ नूंह के नलहड़ महादेव मंदिर पहुंचे। यहां नलहड़ महादेव का जलाभिषेक करने के बाद यह यात्रा फिरोजपुर झिरका के झिर महादेव मंदिर पहुंचेगी और महादेव का जलाभिषेक करने के उपरांत श्रृंगार गांव में सम्पन्न होगी। बृजमंडल शोभा यात्रा को लेकर नूंह में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। भारी पुलिसबल तैनात किए जाने के साथ ही ड्रोन की मदद से पूरी यात्रा पर निगरानी की जा रही है। इसके अलावा स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। यह यात्रा देर शाम को गांव श्रृंगार में सम्पन्न हो जाएगी।

सोसाइटी की 8वीं मंजिल से गिरा प्लास्टर का बड़ा हिस्सा

गुड़गांव.(एजेंसी)

सोहना के सेक्टर-33 स्थित ब्रीज ग्लोबल हाइट सोसाइटी में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां सोसाइटी की आठवीं मंजिल की बालकनी में प्लास्टर का एक बड़ा हिस्सा गिर गया जिसके कारण सोसाइटी निवासियों में दहशत है। जोरदार आवाज सुनकर लोग बाहर आए और यह घटनाक्रम देखकर मेंटीनेंस एजेंसी और आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों को सूचित किया गया। सोसाइटी निवासियों का कहना है कि सोसाइटी निर्माण के महज छह साल में ही इस तरह की घटना ने सोसाइटी निर्माण में प्रयोग की गई सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठा दिए हैं।

सोसाइटी निवासियों ने बताया कि यह हादसा आज सुबह टावर 10 में हुआ। यहां फ्लैट नंबर 803 की बालकनी में प्लास्टर का एक बड़ा हिस्सा गिर गया। गनीमत यह रही कि जिस वक्त यह हादसा हुआ उस वक्त बालकनी में कोई नहीं था। प्लास्टर बालकनी में और सोसाइटी में जमीन पर जा गिरा। जोरदार आवाज सुनकर फ्लैट मालिक और सोसाइटी के अन्य लोग बाहर आ गए। सोसाइटी निवासियों का कहना है कि यहां रहने वाले 1600 परिवारों की जान आफत में है। उनका कहना है कि इससे इस अफ़ोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट के निर्माण की गुणवत्ता और लंबे समय तक इसकी मज़बूती (स्ट्रक्चरल इंटीग्रिटी) पर गंभीर सवाल उठते हैं। निवासियों का कहना है कि अगर गिरते प्लास्टर के नीचे कोई खड़ा होता, तो नतीजा बहुत बुरा हो सकता था।

निवासियों का आरोप है कि यह घटना निर्माण के मानकों को लेकर गहरी चिंताओं को दिखाती है। उन्होंने कॉम्प्लेक्स में रहने वाले 1,600 से ज़्यादा परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी 21 रेजिडेंशियल टावरों का तुरंत और स्वतंत्र स्ट्रक्चरल ऑडिट कराने की मांग की है। सोसाइटी निवासियों ने टाउन उंड कंट्री प्लानिंग विभाग के साथ-साथ जिला प्रशासन, हरियाणा रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथोरिटी सो भी मांग की है कि वह जल्द ही सोसाइटी का स्ट्रक्चर ऑडिट कराएं। सभी असुरक्षित छतों, बीम, बालकनियों एवं स्ट्रक्चरल हिस्सों की पहचान कर उनकी तुरंत मरम्मत कराई जाए। निर्माण में कमियों के लिए ज़िम्मेदारी तय की जाए और जहां लागू हो, वहां मुआवज़ा सुनिश्चित किया जाए। सभी निवासियों की भलाई के लिए जन-सुरक्षा एडवाइज़री और निरीक्षण रिपोर्ट जारी की जाए।

निवासियों ने यह भी कहा कि यह ताज़ा घटना पानी की आपूर्ति, सीवेज मैनेजमेंट, रखरखाव और निर्माण की गुणवत्ता जैसी उन कई पुरानी नागरिक और इंफ्रास्ट्रक्चर संबंधी चिंताओं में एक और चिंता जोड़ती है, जिन्हें वे पिछले कई सालों से उठाते रहे हैं। रेज़िडेंट वेलफ़ेयर एसोसिएशन और चिंतित मकान मालिकों ने सभी निवासियों से अपील की है कि वे अपने फ़्लैट में साफ़ दिखने वाली दरारें, फूला हुआ प्लास्टर, सीपेज, नमी या छत और दीवारों से खोखली आवाज़ आने जैसी चीज़ों की जांच करें और ऐसी कोई भी बात नज़र आने पर तुरंत इसकी सूचना दें।

निवासियों ने ज़िला प्रशासन से अपील की है कि वे इस मामले को जन-सुरक्षा से जुड़ा संभावित मुद्दा मानते हुए, किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान से पहले इसकी तत्काल जांच शुरू करें।

अनुबंध कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा कानून के दायरे में लाने के लिए कमेटी का गठन, पोर्टल पर विभिन्न चरणों की समय-सीमा भी बढ़ाई

चंडीगढ़.(एजेंसी)

हरियाणा सरकार ने हरियाणा अनुबंध कर्मचारी (सेवा सुरक्षा) अधिनियम, 2024 एवं नियम, 2025 के तहत विभिन्न संगठनों को सेवा सुरक्षा पोर्टल के दायरे में शामिल करने के लिए वित्त एवं योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है।

साथ ही, विभिन्न श्रेणियों के अनुबंध कर्मचारियों के लिए सेवा सुरक्षा वेब पोर्टल पर पंजीकरण एवं सत्यापन की समय-सीमा भी बढ़ाई गई है।मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी आदेशों के अनुसार संबंधित संगठन के प्रशासनिक सचिव तथा मानव संसाधन विभाग के विशेष सचिव इस कमेटी के सदस्य होंगे। इसके अलावा, हरियाणा के महाधिवक्ता के प्रतिनिधि (अतिरिक्त महाधिवक्ता से कम रैंक का नहीं) को विधिक सलाहकार के रूप में शामिल किया गया है। यह कमेटी अधिनियम में परिभाषित प्राधिकरण की श्रेणी में आने वाली संस्थाओं के संबंध में प्राप्त प्रस्तावों की जांच कर पात्र संस्थाओं की प्रमाणित सूची तैयार करेगी। इसके अलावा, विभिन्न संगठनों द्वारा उनके संबंधित प्रशासनिक सचिवों के माध्यम से एजेंडा नोट सहित भेजे जाने वाले प्रस्तावों का परीक्षण करेगी। कमेटी हरियाणा अनुबंध कर्मचारी (सेवा सुरक्षा) अधिनियम, 2024 की धारा 2(एफ) में वर्णित प्राधिकरण की परिभाषा के अनुरूप संस्थाओं को शामिल किए जाने के लिए विशिष्ट एवं वस्तुनिष्ठ मानदंड भी निर्धारित करेगीइसी क्रम में राज्य सरकार ने

www.securedemployees.csharyana.gov.in पोर्टल पर विभिन्न चरणों की समय-सीमा बढ़ाने का भी निर्णय लिया है। यह विस्तार चार श्रेणियों के अनुबंध कर्मचारियों-स्कूल शिक्षा विभाग के कंप्यूटर फैकल्टी, कंप्यूटर लैब अटेंडेंट, डी.आई.टी.एस. (हरट्रॉन को छोड़कर) के माध्यम से नियुक्त अनुबंध कर्मचारियों तथा हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अनुबंध कर्मचारियों के लिए लागू होगा।

सावन के पहले सोमवार को चोरों का तांडव ; करनाल के शिव मंदिर में चांदी के मुकुट, छत्र और शेषनाग पर किया हाथ साफ...श्रद्धालुओं की आस्था को गहरा आघात

करनाल .(एजेंसी)

श्रावण मास के पावन अवसर पर करनाल के सेक्टर-9 स्थित सनातन धर्म शिव मंदिर में हुई बड़ी चोरी ने श्रद्धालुओं की आस्था को गहरा आघात पहुंचाया है। बेखौफ चोरों ने देर रात मंदिर को निशाना बनाते हुए भगवान की मूर्तियों से करीब सात से आठ चांदी के मुकुट, चांदी का छत्र और शेषनाग सहित अन्य कीमती धार्मिक आभूषण चोरी कर लिए।प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक चोरी गए सामान की कीमत करीब पांच लाख रुपये बताई जा रही है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुट गई।

चोरी से पहले चौकीदार को किया कैद

वारदात को अंजाम देने से पहले चोरों ने पूरी तैयारी के साथ मंदिर के चौकीदार रामविलास को उसके कमरे में बाहर से कुंडी लगाकर बंद कर दिया, ताकि वह किसी को सूचना न दे सके। चौकीदार के अनुसार रात करीब 12 से 1 बजे तक वह जाग रहा था। सिर में दर्द होने के कारण वह ऊपर कमरे में जाकर लेट गया। करीब तीन बजे जब उसकी आंख खुली तो दरवाजा बाहर से बंद मिला। काफी देर तक शोर मचाने के बावजूद कोई नहीं पहुंचा। सुबह करीब चार बजे मंदिर में

पूजा करने आई एक महिला श्रद्धालु ने दरवाजा खोला, तब तक चोर अपना काम पूरा कर मौके से फरार हो चुके थे।

सिर्फ चोरी नहीं, सबूत भी मिटा गए बदमाश

चोर केवल कीमती सामान लेकर ही नहीं गए, बल्कि पुलिस को चुनौती देते हुए अपने पीछे कोई सबूत भी नहीं छोड़ा। मंदिर परिसर में लगे CCTV कैमरे और उनका DVR भी उखाड़कर अपने साथ ले गए, ताकि उनकी पहचान से जुड़ी कोई फुटेज पुलिस के हाथ न लग सके। इससे साफ है कि वारदात को पूरी योजना और सतर्कता के साथ अंजाम दिया गया।

पुलिस चौकी के पास वारदात, लोगों में जबरदस्त नाराजगी

घटना के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा खुलकर सामने आया। पवन शर्मा सहित अन्य लोगों ने पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए।

लोगों का कहना है कि सेक्टर-9 पुलिस चौकी मंदिर से महज कुछ कदम की दूरी पर स्थित है, इसके बावजूद चोर बिना किसी डर के इतनी बड़ी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। लोगों ने कहा कि यदि धार्मिक स्थल भी सुरक्षित नहीं हैं तो आम नागरिक खुद को कैसे सुरक्षित महसूस करें।

657 करोड़ बैंक घोटाला: हरियाणा के एक और वरिष्ठ IAS अधिकारी पर CBI का शिकंजा कसने की तैयारी

चंडीगढ़.(एजेंसी)

हरियाणा के बहुचर्चित 657 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले की जांच लगातार नए मोड़ ले रही है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने अब हरियाणा के एक और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी की भूमिका की जांच तेज कर दी है। जांच एजेंसी के अनुसार संबंधित अधिकारी की कथित भूमिका पंचायत एवं विकास विभाग का खाता सेक्टर-32 स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, चंडीगढ़ में खुलवाने से जुड़ी बताई जा रही है। जांच एजेंसियों के अनुसार, जिस समय कथित घोटाला हुआ, उस दौरान संबंधित अधिकारी मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव (Additional Principal Secretary) के साथ-साथ विकास एवं पंचायत विभाग का भी दायित्व संभाल रहे थे। इसी कारण उनकी भूमिका की विस्तार से जांच की जा रही है।

आठ ढ्ढस्-अधिकारियों तक पहुंची जांच

सीबीआई की जांच में अब तक कुल आठ आईएएस अधिकारियों के नाम जांच के दायरे में बताए जा रहे हैं। इनमें से एक अधिकारी 30 जून को सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इससे पहले आईएएस अधिकारी पंकज अग्रवाल, राम कुमार सिंह तथा सेवानिवृत्त आईएएस प्रदीप कुमार न्यायिक हिरासत में भेजे जा चुके हैं। इसके अलावा मणीराम शर्मा, डी.के. बेहरा, मोहम्मद शायिन और विनीत गर्ग की भूमिका भी जांच एजेंसियों के रडार पर है। सीबीआई ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के बाद इन अधिकारियों के विरुद्ध जांच आगे बढ़ाई है।

दस सरकारी विभागों के खातों से हुई कथित हेराफेरी जांच एजेंसियों के अनुसार, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के कुछ अधिकारियों की कथित मिलीभगत से हरियाणा सरकार के आठ विभागों तथा चंडीगढ़ प्रशासन के दो विभागों के खातों से करीब 657 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई। इस पूरे मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ED) भी मनी लॉन्ड्रिंग के पहलुओं को लेकर कर रहा है।

सांसद वरुण चौधरी ने लोकसभा में उठाया स्कूलों में मिड-डे मील की खाद्य सुरक्षा का मुद्दा, सरकार ने नहीं बताई समय-सीमा

चंडीगढ़.(एजेंसी)

लोकसभा में कांग्रेस सांसद वरुण चौधरी ने प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम-पोषण) योजना के तहत सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में परोसे जा रहे मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा का अहम मुद्दा उठाया।

उन्होंने सरकार से पूछा कि देश में कितने स्कूलों में पीएम-पोषण योजना के तहत भोजन तैयार कर परोसा जा रहा है, इनमें से कितने स्कूल भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) के तहत पंजीकृत हैं और सभी स्कूलों का एफएसएसएआई पंजीकरण कब तक पूरा होगा।

सांसद वरुण चौधरी ने कहा कि FSSAI अधिनियम की धारा-31 के अनुसार खाद्य व्यवसाय संचालकों के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में स्कूलों ने अभी तक पंजीकरण के लिए आवेदन तक नहीं किया है। उनका कहना था कि सरकार का जवाब स्पष्ट नहीं है, जबकि देश के करोड़ों बच्चों को स्वच्छ, सुरक्षित और मानकों के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने मांग की कि सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों का एफएसएसएआई पंजीकरण जल्द से जल्द सुनिश्चित किया जाए।

सरकार ने राज्यों की जिम्मेदारी बताई

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री जयन्त चौधरी ने अपने लिखित उत्तर में कहा कि शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची का विषय है और अधिकांश सरकारी स्कूलों का संचालन राज्य सरकारों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन द्वारा किया जाता है। पीएम-पोषण योजना भी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहयोग से लागू की जा रही है।

उन्होंने बताया कि बाल वाटिका (कक्षा एक से पूर्व) तथा कक्षा एक से आठ तक के सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को गर्म और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की समग्र जिम्मेदारी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों की है।

गुणवत्ता और स्वच्छता के लिए जारी हैं दिशा-निर्देश

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने योजना के अंतर्गत बेहतर गुणवत्ता, खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ये दिशा-निर्देश पीएम-पोषण योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा राज्यों द्वारा होटल प्रबंधन संस्थानों, खाद्य शिल्प संस्थानों, एफएसएसएआई तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के सहयोग से भोजन बनाने वाले रसोइयों एवं सहायकों को प्रशिक्षण भी दिया जाता है।हालांकि सरकार ने यह स्पष्ट नहीं किया कि देशभर में कितने स्कूल एफएसएसएआई के तहत पंजीकृत हैं और शेष स्कूलों का पंजीकरण कब तक पूरा होगा।

देशभर में 11 लाख से अधिक स्कूलों में चल रही है पीएम-पोषण योजना

सरकार द्वारा लोकसभा में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार देशभर के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त 11 लाख से अधिक स्कूलों में पीएम-पोषण योजना के तहत मध्याह्न भोजन परोसा जा रहा है। सबसे अधिक स्कूल उत्तर प्रदेश में हैं, जहां 1,41,703 विद्यालय इस योजना से जुड़े हैं। इसके बाद मध्य प्रदेश (87,492), महाराष्ट्र (85,206), पश्चिम बंगाल (81,012), बिहार (68,899) और राजस्थान (68,239) का स्थान है।

हरियाणा में 14,210 तथा पंजाब में 19,557 सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पीएम-पोषण योजना संचालित की जा रही है।

बच्चों की सेहत से जुड़ा अहम सवाल

सांसद वरुण चौधरी ने कहा कि मिड-डे मील केवल पोषण का कार्यक्रम नहीं बल्कि करोड़ों बच्चों के स्वास्थ्य और भविष्य से जुड़ा विषय है। यदि भोजन तैयार करने और परोसने वाले संस्थानों का स्नस्स्ड्ढ के तहत पंजीकरण नहीं होगा तो खाद्य सुरक्षा के मानकों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करना कठिन होगा। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की ताकि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जा सके।

ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला, एसबीआई को 1.64 लाख लौटाने का आदेश

चंडीगढ।

पंजाब के एक उपभोक्ता आयोग ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को एक ग्राहक के खाते से हुए अनधिकृत ऑनलाइन लेनदेन के 1.64 लाख रुपये वापस करने का आदेश दिया है। ग्राहक ने तुरंत धोखाधड़ी की जानकारी बैंक शाखा, एसबीआई हेल्पलाइन, नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल और पुलिस को दी थी, लेकिन बैंक ने राशि वापस नहीं की। मामला उपभोक्ता आयोग पहुंचने पर, कमीशन ने बार-बार अनुरोध के बावजूद मामले को हल न करने को सेवा में कमी माना। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि उसने कभी अपनी कोई गोपनीय जानकारी साझा नहीं की। बैंक ने ग्राहक की लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि लेनदेन उसके यूजरनेम, पासवर्ड और ओटीपी के बिना संभव नहीं था। मगर, आयोग ने पाया कि एसबीआई ग्राहक की लापरवाही साबित करने के लिए कोई ठोस तकनीकी साक्ष्य (जैसे सर्वर लॉग या फोरेंसिक रिपोर्ट) पेश नहीं कर सका। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों का हवाला देते हुए, आयोग ने स्पष्ट किया कि यदि ग्राहक अनधिकृत लेनदेन की समय पर सूचना देता है, तो ग्राहक की लापरवाही साबित करने की जिम्मेदारी बैंक की होती है।

वन मोबिक्विक सिस्टम्स ने पहली तिमाही में दर्ज किया 7.6 करोड़ का लाभ

नई दिल्ली ।

वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 7.6 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी को 419.2 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में परिचालन आय 3.7 प्रतिशत बढ़कर 281.48 करोड़ रुपये हो गई जो एक वर्ष पहले की समान अवधि में 271.36 करोड़ रुपये थी। तिमाही आधार पर कंपनी का लाभ 73.7 प्रतिशत बढ़ा जबकि राजस्व 2.5 प्रतिशत घटा। मोबिक्विक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे इस बात की पुष्टि करते हैं कि लाभप्रदता हमारे कारोबारी मॉडल का अभिन्न हिस्सा है। लगातार तीन तिमाहियों

सेबी के प्रतिबंध से जी एंटरटेनमेंट के शेयर 13 फीसदी लुढ़के

मानद चेयरमैन सुभाष चंद्रा व एमडी पुनीत गोयनका एक साल के लिए प्रतिबंधित

नई दिल्ली ।

जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) के शेयरों में सोमवार को 13 प्रतिशत तक की भारी गिरावट दर्ज की गई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा कंपनी और उसके शीर्ष अधिकारियों पर प्रतिभूति बाजार में प्रतिबंध लगाने के बाद यह गिरावट आई। सेबी ने हैदराबाद स्थित कंपनी की जमीन को एस्सेल समूह के ऋणों के लिए अनधिकृत रूप से गिरवी रखने के मामले में यह कार्रवाई की है। नियामक ने जेडईईएल पर दो महीने, जबकि मानद चेयरमैन सुभाष चंद्रा और प्रबंध निदेशक व सीईओ पुनीत गोयनका पर एक साल के लिए प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया है। इस प्रतिबंध की खबर के बाद सोमवार को बीएसई में कंपनी का शेयर 13 प्रतिशत टूटकर 100.40 रुपये पर आ गया, वहीं एनएसई पर भी इसमें 12.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.37 रुपये पर कारोबार हुआ। सेबी ने अपने 150 पृष्ठ के अंतिम आदेश में यह भी कहा कि इन पर कुल 1.48 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। यह कार्रवाई कंपनी के भीतर कॉर्पोरेट गवर्नेंस में कथित अनियमितताओं को लेकर हुई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 544, निफ्टी 390 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी बढ़ने से आई है। इसके अलावा पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 544.39 अंक बढ़कर 78,639.03 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 390.70 अंक की तेजी के साथ ही 24,774.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में सबसे ज्यादा उछाल इंडिगो, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयरों में रहा। वहीं व्यापक बाज़ार में, निफ्ट मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर भी तेजी के साथ बंद हुए। क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी आईटी, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई, जबकि निफ्टी मीडिया के शेयर गिरे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ईरान के साथ

बातचीत सोमवार को शुरू होगी। इससे भी कच्चे तेल की कीमतें गिरीं है जिससे भी बाजार में उत्साह का माहौल है। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 586.57 अंकों की बढ़त के साथ 78,681.21 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी भी 161.40 अंक फीसदी चढ़कर 24,545.00 पर कारोबार कर रहा था।

रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.28 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह पहले कारोबारी` दिन शुरुआती कारोबार में 31 पैसे की मजबूती के साथ 95.12 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमले टालने के फैसले के बाद डॉलर के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश, देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के समर्थन से भी स्थानीय मुद्रा को मजबूती मिली। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 95.15 पर खुला। बाद में 95.12 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 31 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में बढ़त में रहा और सात पैसे मजबूत होकर 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत टूटकर 99.74 पर रहा।

वेदांत का 20,000 करोड़ कर्ज घटाने और 10 अरब डॉलर एबिटा का लक्ष्य

जून तिमाही के रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद शीर्ष नेतृत्व का बढ़ा आत्मविश्वास

नई दिल्ली।

धातु और खनन क्षेत्र की दिग्गज वेदांत समूह ने वित्त वर्ष 2026-27 तक 10 अरब डॉलर एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई) हासिल करने और चालू वित्त वर्ष में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक कर्ज घटाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। कंपनी के शीर्ष नेतृत्व ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया कि जून तिमाही के रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद यह अनुमान निरंतर वृद्धि के प्रति उसके बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाता है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार ऋण घटाने की प्रक्रिया तेज हुई है; जून तिमाही में वेदांत रिसोर्सेज लिमिटेड (वीआरएल) ने 1.1 अरब डॉलर का ऋण कम किया। उधारी के पुनर्वित्तपोषण से फंडिंग लागत में 280 आधार अंकों की कमी आई, जिससे सालाना ब्याज पर 1,000 करोड़ रुपए से अधिक की बचत होगी। यह प्रदर्शन उच्च उत्पादन, कम परिचालन लागत और मजबूत ब्रेंट क्रूड व एलएमई कीमतों जैसी अनुकूल व्यापक आर्थिक परिस्थितियों का परिणाम है।

एचडीएफसी बैंक ने महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए लॉन्च किए दो नए सेविंग्स अकाउंट

मैक्स फॉर हर और मैक्स फॉर सीनियर्स में साइबर कवर, हेल्थ बेनिफिट्स और प्रीमियम बैंकिंग सुविधाएं

मुंबई।

एचडीएफसी बैंक ने महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए दो नए सेविंग्स अकाउंट वेरिएंट मैक्स फॉर हर और मैक्स फॉर सीनियर्स लॉन्च किए हैं। बैंक ने इन्हें अपने सेविंग्स मैक्स अकाउंट पोर्टफोलियो के तहत पेश किया है। दोनों अकाउंट्स में साइबर सुरक्षा, बीमा, हेल्थ और लाइफस्टाइल से जुड़े विशेष लाभ दिए गए हैं।

मैक्स फॉर सीनियर्स में 25 हजार रुपये तक का साइबर इंश्योरेंस, एफडी पर 0.5 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज, ऑटो स्वीप सुविधा, डोरस्टेप बैंकिंग, एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस, हेल्थ चेकअप, लाइफस्टाइल वाउचर और डेबिट कार्ड पर 3.19 करोड़ रुपये तक का व्यक्तिगत दुर्घटना मृत्यु कवर मिलेगा। वहीं मैक्स फॉर हर में ऑटो स्वीप सुविधा, एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस, 10 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा, लॉकर शुल्क में 50 प्रतिशत तक की छूट तथा डेबिट कार्ड पर 3.19 करोड़ रुपये तक का व्यक्तिगत दुर्घटना मृत्यु कवर शामिल है।

बैंक के ग्रुप हेड आशीष पार्थसारथी ने कहा कि बदलती जीवनशैली और ग्राहकों की जरूरतों को देखते हुए बैंक विशेष ग्राहक वर्गों के लिए अनुकूलित बैंकिंग समाधान विकसित कर रहा है। नए उत्पाद सुरक्षा, सुविधा और दीर्घकालिक वित्तीय संरक्षण को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

पीआईबी के अनुसार, वर्ष 2036 तक देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या 23 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं कुल बैंक खातों में करीब 39.2 प्रतिशत महिलाओं के नाम हैं और जमा राशि में उनकी हिस्सेदारी 39.7 प्रतिशत है। इन्हीं बदलते रुझानों को देखते हुए बैंक ने दोनों नए अकाउंट पेश किए हैं।

कॉफी मशीन्स ने सेडना होरेका से जुटाए 50 करोड़, विस्तार की तैयारी

- उत्पाद पोर्टफोलियो, विनिर्माण और सेवा ढांचे के विस्तार पर होगा खर्च

नई दिल्ली।

कॉफी उपकरण और सेवा प्रदाता कंपनी कॉपी मशीन्स ने अपने इक्विटी दौर में बिजनेस-टु-बिजनेस होरेका (होटल, रेस्तरां और कैफे/कैटरिंग) समाधान प्रदाता सेडना होरेका से 50 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है। यह कॉपी मशीन्स के लिए बाहरी निवेशकों से जुटाई गई पहली फंडिंग है, जो अब तक प्रवर्तकों के निवेश पर निर्भर थी।

कंपनी इस रकम का उपयोग अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने, विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने और अपनी प्रौद्योगिकी, वेयरहाउसिंग तथा सेवा के ढांचे में सुधार करने की योजना बना रही है। कॉपी मशीन्स के ग्राहकों में बड़ी कैफे श्रृंखलाएं, होटल, खुदरा विक्रेता और कॉफी वेंडिंग कारोबार शामिल हैं। उसके कुछ प्रमुख ग्राहकों में स्टारबक्स, ब्लू टोकाई, मैकडॉनल्ड्स, अराकु, बर्गर किंग और बूजी के साथ-साथ आईटीसी होटल्स तथा ओबेरॉय जैसे अतिथि-सत्कार क्षेत्र के बड़े ब्रांड शामिल हैं। कापी मशीन्स के एक अे धिकारी ने बताया कि, 'हमने ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय कॉफी उपकरणों के आयातक के रूप में शुरुआत की थी, जब भारतीय कॉफी एक व्यापारिक फसल से उपभोक्ता उत्पाद में बदल रही थी और कैफे संस्कृति उभर रही थी।

हमने वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनियों के साथ साझेदारी की ताकि भारत में उच्च गुणवत्ता वाले कॉफी उपकरण ला सकें, उन्हें स्थापित कर सकें और बिक्री बाद उत्कृष्ट सेवा प्रदान कर सकें। यह निवेश कंपनी को भारतीय कॉफी बाजार में अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करने में मदद करेगा।

पर्सिस्टेंट सिस्टम्स का पहली तिमाही में मुनाफा 13.7 प्रतिशत बढ़कर 483 करोड़

नई दिल्ली ।

पुणे स्थित आईटी सेवा प्रदाता पर्सिस्टेंट सिस्टम्स ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में शानदार वित्तीय नतीजे पेश किए हैं। कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 13.67 प्रतिशत बढ़कर 483.04 करोड़ रुपये हो गया, जबकि परिचालन आय में 29 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जो 4,303.22 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। यह वृद्धि मुख्य रूप से 1.15 अरब डॉलर के रिकॉर्ड तिमाही कुल अनुबंध मूल्य (टीसीवी) और बड़े ग्राहकों के साथ रणनीतिक साझेदारियों से समर्थित थी। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 424.93 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ और 3,333.58 करोड़ रुपये की परिचालन आय दर्ज की थी। हालांकि, तिमाही-दर-तिमाही आधार पर, विदेशी मुद्रा विनिमय नुकसान के कारण शुद्ध लाभ 8.7 प्रतिशत घटा, जबकि राजस्व में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई। कंपनी ने कहा कि इस प्रदर्शन को 1.15 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड तिमाही टीसीवी से बल मिला, जिसमें एक अग्रणी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी के साथ 65 करोड़ डॉलर से अधिक का साढ़े छह वर्ष का रणनीतिक सेवा समझौता भी शामिल है। सॉफ्टवेयर, हाई-टेक और उभरते उद्योग क्षेत्र 40.7 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े राजस्व योगदानकर्ता बने रहे, जिसमें सालाना 15.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र की हिस्सेदारी 34 प्रतिशत रही और इसमें 16.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 30 जून 2026 तक कंपनी में कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 28,640 हो गई।

घरेलू ईवी ट्रक उद्योग सशक्त बनाने की तैयारी, आयात शुल्क 40 फीसदी करने का प्रस्ताव

सियाम ने विदेशी इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर्स के बढ़ते आयात पर जताई चिंता

नई दिल्ली ।

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और विदेशी उत्पादों की डंपिंग रोकने के उद्देश्य से, भारी उद्योग मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय से ट्रक-ट्रैक्टरों पर आयात शुल्क को मौजूदा 10 प्रतिशत से चार गुना बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने का अनुरोध किया है।

सोसाइटी ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) ने विशेष रूप से इलेक्ट्रिक ट्रक-ट्रैक्टरों के बढ़ते आयात पर गहरी चिंता व्यक्त की है, जिसे विदेशी ब्रांडों द्वारा बाजार में कम शुल्क का दुरुपयोग बताया जा रहा है।

`सियाम ने पिछले साल 28 नवंबर को भारी उद्योग मंत्रालय को भेजे पत्र में बताया था कि वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में चीन से 400 और यूरोप से 100 इलेक्ट्रिक ट्रक का आयात किया गया।` सियाम का कहना है कि मौजूदा 10 फीसदी आयात शुल्क विदेशी इलेक्ट्रिक ट्रक निर्माताओं को उनके भारतीय प्रतिस्पर्धियों पर 40-50 फीसदी का मूल्य लाभ दे रहा है।

उद्योग निकाय ने चेतावनी दी है कि यदि यह शुल्क जारी रहता है, तो 2027 तक आयातित इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर्स की संख्या 1,000-3,000 इकाई तक बढ़ सकती है, जो भारतीय बाजार का 20-25 फीसदी हिस्सा हो सकता है।

भारत सरकार प्रधानमंत्री इलेक्ट्रिक ड्राइव रेवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना के तहत घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन दे रही है। ब्लू एनर्जी मोटर्स, मोंट्रा इलेक्ट्रिक, टाटा मोटर्स और अशोक लीलैंड जैसे प्रमुख खिलाड़ियों ने इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर्स के विकास और विनिर्माण में भारी निवेश किया है। सायम ने भारतीय निर्माताओं के इस निवेश की सुरक्षा के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों और शुल्क वृद्धि की आवश्यकता पर बल दिया है ताकि विदेशी ब्रांड बिना किसी ठोस परिचालन के सस्ते आयातित इकाइयों से भारतीय बाजार में प्रवेश न कर सकें।

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट

ब्रेंट 4 फीसदी से ज्यादा और डब्ल्यूटीआई 5 फीसदी से ज्यादा

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सोमवार को वैश्विक कच्चे तेल बाजार को बड़ी राहत मिली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर प्रस्तावित बड़े सैन्य हमले को टालने और बातचीत का रास्ता चुनने के फैसले के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। इस कदम से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और तेल आपूर्ति पर मंडरा रहा खतरा टलने की उम्मीद जगी, जिसके चलते ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई क्रूड दोनों में 4 से 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। सोमवार को बाजार खुलने के साथ ही ब्रेंट क्रूड 4 फीसदी से ज्यादा गिरकर 84 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 5 फीसदी से ज्यादा टूटकर 81 डॉलर प्रति बैरल के नीचे कारोबार करने लगा। ट्रंप ने कहा कि सऊदी अरब सहित कई सहयोगी देशों ने सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत को प्राथमिकता देने की अपील की थी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने पर जल्द प्रगति होती है, तो कूटनीतिक प्रयास जारी रहेंगे। इस खबर ने बाजार में यह उम्मीद जगाई कि पश्चिम एशिया में तनाव कम हो सकता है और वैश्विक तेल आपूर्ति पर खतरा भी टलेगा, जिसके परिणामस्वरूप कीमतों में तेज गिरावट आई। हालांकि, बाजार में अभी भी उतार-चढ़ाव बना हुआ है। जुलाई में ब्रेंट क्रूड में करीब 25 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई थी, जो बड़े मासिक उतार-चढ़ाव का संकेत है। तेल की कीमतों में शुरुआती गिरावट के बाद कुछ रिकवरी भी दिखी, जिसकी वजह ओमान के तट के पास हुए एक तेल टैंकर विस्फोट की खबर रही। यह घटना बताती है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास सुरक्षा चिंताएं अभी भी बरकरार हैं, जो दुनिया की लगभग 20 फीसदी कच्चे तेल और एलएनजी आपूर्ति का महत्वपूर्ण मार्ग है। इस बीच ओपेक के प्रमुख देशों ने उत्पादन बढ़ाने की अपनी योजना को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी है, जिससे भविष्य में वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति बढ़ सकती है। वहीं इराक और तुर्की ने भी अपनी तेल पाइपलाइन समझौते को एक साल के लिए बढ़ाया है, जिससे प्रतिदिन करीब 7.5 लाख बैरल तेल का निर्यात संभव होगा। ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े नए शिपिंग रूट पर बातचीत भी अंतिम चरण में है, जो क्षेत्र में तनाव कम करने के कूटनीतिक प्रयासों को बल दे रही है।

एमएंडएम वित्त वर्ष 27 तक बढ़ाएगी मासिक ईवी उत्पादन क्षमता

चाकण और नागपुर में नए प्लांट, ब्रोकरेज ने दिया बाय का कॉल

नई दिल्ली।

महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) इलेक्ट्रिक वाहनों के बाजार में एक मजबूत पकड़ बनाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी कर रही है। कंपनी सिर्फ नई गाड़ियां लॉन्च करने तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता, प्लांट और तकनीकी प्लेटफॉर्म पर भारी निवेश कर रही है। यह रणनीति ब्रोकरेज हाउसेस को भी पसंद आ रही है, जो एमएंडएम के ईवी कारोबार को कंपनी की अगली बड़ी ग्रोथ ड्राइवर मान रहे हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा इलेक्ट्रिक गाड़ियों के बाजार में लंबी रेस का घोड़ा बनने को तैयार है। कंपनी का फोकस केवल नए इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल लॉन्च करने पर ही नहीं है, बल्कि वह अपनी फैक्ट्री की क्षमता बढ़ाने, नए प्लांट तैयार करने और आने वाले सालों की मांग को ध्यान में रखकर भारी निवेश कर रही है। यही वजह है कि ब्रोकरेज फर्म्स मान रहे हैं कि एमएंडएम ्का इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कारोबार आने वाले समय में कंपनी की कमाई और समग्र ग्रोथ दोनों को नई रफ्तार दे सकता है। एमएंडएम का कहना है कि उसे अपने इलेक्ट्रिक वाहनों, विशेषकर एक्सईवी 9एस के लिए बाजार से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। जून तिमाही में एमएंडएम की इलेक्ट्रिक एसयूवी की बाजार हिस्सेदारी 12 फीसदी रही, जो पूरे उद्योग के औसत 9 फीसदी से कहीं बेहतर प्रदर्शन है। इसी भरोसे के दम पर कंपनी अब अपने ईवी पोर्टफोलियो को और मजबूत करने में जुटी है। वर्तमान में एमएंडएम हर महीने लगभग 64,500 एसयूवी बना सकती है, जिसमें 8,000 इलेक्ट्रिक एसयूवी शामिल हैं।

कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 के आखिर तक कुल क्षमता बढ़ाकर 82,000 यूनिट प्रति महीना करना है। इसमें इलेक्ट्रिक एसयूवी की क्षमता बढ़कर 12,000 यूनिट प्रति महीना हो जाएगी। इसके बाद `` वित्त वर्ष 28 में चाकण प्लांट में हर महीने 10,000 यूनिट की अतिरिक्त क्षमता जोड़ी जाएगी। भविष्य में, नागपुर में एक नया ग्रीनफील्ड प्लांट भी` वित्त वर्ष 30 और 31 में दो चरणों में बड़ी क्षमता जोड़ेगा, जिससे नए इलेक्ट्रिक मॉडल का उत्पादन बढ़ाना आसान होगा।

कंपनी ने बताया है कि उसके आगामी नए मॉडल एनयू-आईक्यू प्लेटफॉर्म पर आधारित होंगे, जिसके जरिए एमएंडएम उन सेगमेंट में भी प्रवेश करेगी जहां अभी उसकी मौजूदगी कम है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने एमएंडएम के शेयर पर बाय रेटिंग बरकरार रखते हुए 4,100 रुपए का टारगेट दिया है।

ब्रोकरेज का मानना है कि मजबूत एसयूवी मांग और बढ़ती उत्पादन क्षमता आगे ग्रोथ को सहारा देगी, हालांकि कच्चे माल की बढ़ती कीमतें और ईवी अपनाने की धीमी रफ्तार कुछ चुनौतियां पेश कर सकती हैं।

यूपीआई सुरक्षा घेरा हुआ मजबूत, संदिग्ध पेमेंट पर आएगा हां/नहीं अलर्ट

बढ़ते ऑनलाइन फ्रॉड के बीच बैंकों ने आरबीआई और एनपीसीआई को सुझाया नया सुरक्षा तंत्र

नई दिल्ली ।

भारत में तेजी से बढ़ते यूपीआई साइबर फ्रॉड पर लगाम कसने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। बैंकों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के सामने यूपीआई पेमेंट के लिए एक नया सुरक्षा मॉडल प्रस्तावित किया है। इस मॉडल के तहत, संदिग्ध या हाई-रिस्क ट्रांजैक्शन पर यूजर्स को हां या नहीं का कंफर्मेशन अलर्ट मिलेगा, जिससे अनजाने में होने वाले धोखे को रोका जा सकेगा। वर्तमान में, करोड़ों लोग हर दिन यूपीआई के जरिए डिजिटल पेमेंट कर रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही ऑनलाइन ठगी, फर्जी कस्टमर केयर कॉल और नकली रिफंड स्कैम जैसे साइबर फ्रॉड के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए बैंकों ने एक नया सुरक्षा मॉडल सुझाया है। प्रस्तावित सिस्टम के अनुसार, यदि कोई यूपीआई ट्रांजैक्शन संदिग्ध पाया जाता है, तो पेमेंट पूरा होने से पहले ग्राहक की स्क्रीन पर हां/नहीं का अलर्ट दिखाई देगा। हाँ चुनने पर पेमेंट आगे बढ़ेगा, जबकि नहीं दबाने पर ट्रांजैक्शन रद्द हो जाएगा। यदि यूजर कोई प्रतिक्रिया नहीं देता है, तो पेमेंट तुरंत क्रेडिट होने के बजाय कुछ समय बाद पूरा हो सकता है। यह नया नियम हर पेमेंट पर लागू नहीं होगा, बल्कि केवल उन्हीं ट्रांजैक्शन पर दिखेगा जिनमें असामान्य गतिविधि, जैसे देर रात बड़ा पेमेंट, पहली बार किसी नए व्यक्ति को पैसा भेजना या हाल ही में खुले खाते में ट्रांसफर करना, शामिल हो। बैंकों ने कुछ ट्रांजैक्शन में एक घंटे की देरी वाले आरबीआई के सुझाव पर भी अपनी चिंता जताई है, उनका मानना है कि इससे डिजिटल पेमेंट की गति धीमी हो सकती है। हालांकि, 10,000 रुपये से अधिक के हर लेनदेन पर अलर्ट दिखाने के बजाय, बैंक केवल संदिग्ध मामलों पर ही इसे लागू करने के पक्ष में हैं।

दो टूक- हॉकी की जर्सी पर सियासत, मैदान में प्रदर्शन की चुनौती

योगेश कुमार गोयल

वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि नीली हो या केसरिया बल्कि यह है कि क्या भारतीय हॉकी विश्व विजेता बनने की तैयारी कर रही है? क्या हमारे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, फिटनेस सुविधाएं, खेल विज्ञान, मनोवैज्ञानिक सहयोग, आधुनिक विश्लेषण तकनीक और मजबूत घरेलू प्रतियोगिताएं उपलब्ध हैं? क्या जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं? यदि इन प्रश्नों के उत्तर सकारात्मक नहीं हैं तो केवल जर्सी बदल देने से भारतीय हॉकी का भविष्य नहीं बदल सकता।

जर्सी का रंग बदलने से बदलेगी भारतीय हॉकी की तस्वीर?

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की पारंपरिक नीली जर्सी को बदलकर 15 अगस्त से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में केसरिया रंग की मुख्य जर्सी पहनाने के निर्णय ने देशभर में नई बहस छेड़ दी है। यह बहस केवल खेल तक सीमित नहीं रही है बल्कि राजनीति, संस्कृति, राष्ट्रीय पहचान और खेल परंपरा तक पहुंच गई है। एक पक्ष इसे खिलाड़ियों की सुविधा और तकनीकी आवश्यकता से जुड़ा निर्णय बता रहा है तो दूसरा पक्ष इसे भारतीय खेलों के कथित ह्यभगवाकरणह्न के रूप में देख रहा है। सवाल यह है कि क्या वास्तव में जर्सी का रंग बदलना इतना बड़ा मुद्दा है या यह विवाद मूल प्रश्नों से ध्यान भटका रहा है? सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हॉकी इंडिया ने जर्सी का रंग बदलने का निर्णय किन आधारों पर लिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी रहे दिलीप तिर्की के अनुसार, आज अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मुकाबले नीले सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ पर खेले जाते हैं। ऐसे में नीली जर्सी कई बार मैदान की पृष्ठभूमि में घुल-मिल जाती है, जिससे तेज गति वाले खेल में खिलाड़ियों को अपने साथी खिलाड़ियों की पहचान करने में कठिनाई होती है। आधुनिक हॉकी में खेल की गति अत्यंत तेज हो चुकी है, जहां एक सैकेंड का निर्णय मैच का परिणाम बदल सकता है। पासिंग, पोजिशनिंग और त्वरित निर्णय के लिए खिलाड़ियों की स्पष्ट दृश्यता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी कारण खिलाड़ियों, कप्तानों, कोचों और सहयोगी स्टाफ से विचार-विमर्श के बाद अधिक स्पष्ट दिखाई देने वाले रंग के रूप में केसरिया को चुना गया।

यदि यही वास्तविक कारण है तो इसे केवल तकनीकी दृष्टि से देखने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्व खेलों में जर्सी के रंग समय-समय पर बदले जाते रहे हैं। फुटबॉल, रग्बी, क्रिकेट, बास्केटबॉल और हॉकी जैसी लगभग सभी खेल प्रतियोगिताओं में टीमें प्रतियोगिता, दृश्यता, प्रायोजकों, प्रसारण गुणवत्ता और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार अपनी जर्सियों में परिवर्तन करती रहती हैं। भारतीय हॉकी टीम इससे पहले 2014 विश्व कप में पीली तथा 2018 में हल्के नीले रंग की जर्सी पहन चुकी है। इसलिए रंग परिवर्तन स्वयं में कोई असाधारण घटना नहीं है। विवाद इसलिए बढ़ा है क्योंकि भारतीय हॉकी की पहचान पिछले कई दशकों से नीली जर्सी के साथ जुड़ चुकी है। जैसे ब्राजील की फुटबॉल टीम पीली जर्सी, अर्जेंटीना आसमानी-सफेद धारियों, न्यूजीलैंड ह्यऑल ब्लैक्सह्न और ऑस्ट्रेलिया हरे-पीले रंग से पहचाने जाते हैं, उसी प्रकार भारतीय हॉकी की पहचान भी नीली जर्सी रही है। ओलंपिक स्वर्णिम इतिहास, विश्व कप की उपलब्धियां और अनेक ऐतिहासिक मुकाबलों की स्मृतियां इसी नीली जर्सी से जुड़ी रही हैं। यही कारण है कि पूर्व कप्तान धनराज पिल्लै, परगट सिंह और वीरेन रासकिन्हा जैसे खिलाड़ियों ने चिंता व्यक्त की कि कहीं यह परिवर्तन भारतीय हॉकी की स्थापित पहचान को कमजोर न कर दे।

पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ियों की चिंता को भी खारिज नहीं किया जा सकता। खेल केवल तकनीक नहीं, भावनाओं और विरासत का भी विषय होता है। जर्सी केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि करोड़ों प्रशंसकों की स्मृतियों, खिलाड़ियों के गौरव और राष्ट्रीय खेल संस्कृति का प्रतीक होती है। इसलिए ऐसे किसी भी बड़े परिवर्तन से पहले व्यापक संवाद और पारदर्शिता अपेक्षित थी। यदि हॉकी इंडिया खिलाड़ियों और विशेषज्ञों के साथ-साथ पूर्व खिलाड़ियों तथा खेल समुदाय को भी इस निर्णय प्रक्रिया से जोड़ती तो शायद विवाद की तीव्रता कम होती। दूसरी ओर इस पूरे विवाद का राजनीतिक स्वरूप भी कम चिंताजनक नहीं है। विपक्षी दलों ने इसे ह्यखेलों का भगवाकरणह्न करार दिया है जबकि कई समर्थकों ने इसे राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक बताया। वस्तुतः दोनों अतिवादी दृष्टिकोण खेल भावना के अनुकूल नहीं हैं। किसी भी रंग का अपना कोई धर्म नहीं होता। रंग प्रतीकों का अर्थ समय, संस्कृति और संदर्भ के अनुसार बदलता रहता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में केसरिया रंग त्याग, साहस और समर्पण का प्रतीक है। भारतीय सेना, राष्ट्रीय ध्वज, अनेक विश्वविद्यालयों, सांस्कृतिक परंपराओं तथा आध्यात्मिक जीवन में भी केसरिया का सम्मानजनक स्थान है। वहीं इस्लामी परंपराओं, सूफी परंपरा और अनेक एशियाई संस्कृतियों में भी यह रंग विभिन्न रूपों में प्रयुक्त होता रहा है। इसलिए किसी रंग को किसी एक धर्म या विचारधारा का स्थायी प्रतीक मान लेना ऐतिहासिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि वर्तमान राजनीतिक वातावरण में रंगों के प्रतीकात्मक अर्थ अत्यधिक संवेदनशील हो चुके हैं। इसलिए जब किसी राष्ट्रीय टीम की दशकों पुरानी पहचान बदली जाती है तो राजनीतिक प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठते हैं। ऐसी परिस्थितियों में खेल संस्थाओं का दायित्व और बढ़ जाता है कि वे अपने निर्णयों के पीछे के सभी तथ्य, वैज्ञानिक अध्ययन और खिलाड़ियों की राय सार्वजनिक करें ताकि अनावश्यक विवाद की गुंजाइश कम हो। इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि क्या वास्तव में नीली जर्सी खिलाड़ियों के प्रदर्शन में बाधा बन रही थी? कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने इस तकनीकी तर्क पर प्रश्न उठाए हैं। उनका कहना है कि कई वर्षों से नीले एस्ट्रो टर्फ पर प्रतियोगिताएं हो रही हैं और कभी ऐसी गंभीर समस्या सामने नहीं आई। यदि वास्तव में दृश्यता का प्रश्न था तो क्या इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ का कोई वैज्ञानिक अध्ययन उपलब्ध है? यदि हॉकी इंडिया इस विषय में विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट सार्वजनिक करे तो बहस अधिक तथ्यपरक हो सकती है।

हालांकि आधुनिक खेल विज्ञान यह स्वीकार करता है कि रंगों का खिलाड़ियों की दृश्य पहचान, प्रतिक्रिया समय और निर्णय क्षमता पर प्रभाव पड़ सकता है। कई खेलों में उच्च कंट्रास्ट वाले रंगों का चयन इसी कारण किया जाता है। प्रसारण तकनीक, कैमरा एंगल और दर्शकों की दृश्य सुविधा भी अब जर्सी डिजाइन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। इसलिए तकनीकी आधार को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। पूरे विवाद का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष यह है कि चर्चा खिलाड़ियों की तैयारी, रणनीति और पदक की संभावनाओं से हटकर जर्सी के रंग तक सीमित हो गई है। भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमें पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार कर चुकी हैं। टोक्यो ओलंपिक में पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीतकर चार दशक का सूखा समाप्त किया जबकि महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन कर विश्व का ध्यान आकर्षित किया। अब जब विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूनार्मेंट सामने हैं, तब खिलाड़ियों का ध्यान केवल अपने प्रदर्शन पर केंद्रित रहना चाहिए, किसी भी प्रकार का राजनीतिक या वैचारिक विवाद खिलाड़ियों पर अनावश्यक मानसिक दबाव डाल सकता है।

बहरहाल, वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि नीली हो या केसरिया बल्कि यह है कि क्या भारतीय हॉकी विश्व विजेता बनने की तैयारी कर रही है? क्या हमारे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, फिटनेस सुविधाएं, खेल विज्ञान, मनोवैज्ञानिक सहयोग, आधुनिक विश्लेषण तकनीक और मजबूत घरेलू प्रतियोगिताएं उपलब्ध हैं? क्या जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं? यदि इन प्रश्नों के उत्तर सकारात्मक नहीं हैं तो केवल जर्सी बदल देने से भारतीय हॉकी का भविष्य नहीं बदल सकता। इतिहास बताता है कि महान टीमें अपने रंग से नहीं, अपने खेल से अमर होती हैं। खेल में पहचान रंग से नहीं, उपलब्धियों से बनती है। यदि भारतीय टीम केसरिया जर्सी पहनकर विश्व कप जीतती है तो यही जर्सी नई गौरवगाथा का प्रतीक बन जाएगी। और यदि प्रदर्शन निराशाजनक रहा तो रंग चाहे कोई भी हो, आलोचना फिर भी होगी। खेल का सबसे बड़ा धर्म राष्ट्र का सम्मान है। मैदान पर खिलाड़ी न किसी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं और न किसी दल का; वे केवल भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए जर्सी का रंग चाहे नीला हो, केसरिया हो या कोई और, देश की अपेक्षा केवल यही है कि भारतीय तिरंगा विश्व हॉकी के सर्वोच्च मंच पर सबसे ऊंचा लहराना चाहिए। वही किसी भी रंग की सबसे बड़ी सार्थकता होगी।

संपादकीय

कंगना के विवाद अर्जित हैं

कंगना रनोत के बयानों से जो भूकंप आते हैं, उनसे निकली स्याह चिंयिां हिमाचल के वक्तव्यों का परिप्रेक्ष्य बदल देती हैं। अब जंतर मंतर आंदोलन की राख से हमारी सांसद मोहतरमा ने ऐसा बखेड़ा चुन लिया कि लोग ह्यगटरह्न में हमारे जनप्रतिनिधियों की भाषा की सड़ांध महसूस करने लगे हैं। एक पीढ़ी को ह्यजनरेशन गटरह्न का खिताब देने से पहले इस महिला की असंतुलित मानसिकता का अग्रि प्रेक्षपण बहस का विषय बन गया, तो सोचना यह होगा कि हम हिमाचली आखिर चुन कौन सा कबाड़ रहे हैं। मानसिक कबाड़ की हद में हमारी सांसद के किस्से आखिर सारे देश में किस पक्ष की गवाही देते हैं। मंडी की सांसद एक बेहतर अदाकारा होने के कारण कभी करोड़ों प्रशंसकों के दिलों में राज करती थीं, लेकिन अब नफरती टिप्पणियों के कारण मोहतरमा हाशिए पर दिखाई देती हैं। आखिर ऐसे सांसदों से हासिल क्या है। कम से कम यह मंडी की भाषा नहीं और न ही वोटर की भाषा है। संसदीय स्क्रीन पर कंगना की बादशाहत गलत कारणों से सामने आ रही है और जहां कई वर्गों के खिलाफ यह सांसद जैसे कोई स्वांग कर रही हो। बयानों की लंबी फेहरिस्त में बयान नहीं विवाद अर्जित हैं और मुकदमा यह नहीं कि भाजपा उन्हें सम्मानित कर रही हो। जो चंद नेता भटके हुए हैं, वहां आग बबूला कंगना का किरदार हमेशा कोई न कोई विवाद चुन लेता है। टिप्पणियां, इंटरव्यू और जनप्रतिनिधि होने के नाते उनके फर्ज की अदायगी का आलम यह कि इन्हें स्वयं सिद्धि की अमर्यादित भाषा रास आती है। बेशक राजनीतिक तौर पर एक पक्ष कंगना के साथ रहता है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि वह दूसरे पक्ष पर नफरत का प्रहार करके प्रशंसनीय हो रही हैं। बयानों की एक ऐसी श्रृंखला मोहतरमा के गले से बंधी है जो लोकतांत्रिक छवि को गहरी चोट पहुंचा रही है।

चिंतन-मनन

इस तरह रामचरित मानस बना धर्म शास्त्र

करीब पांच सौ साल पहले तक कोई धर्म ग्रंथ हिंदी में नहीं था। सभी धर्म ग्रंथ संस्कृत में थे और चूंकि मध्य काल में शिक्षा दीक्षा का चलन काफी कम हो गया था, भक्ति भावना या धर्म श्रद्धा के लिए लोग संस्कृत विद्वानों की ओर ही ताकते थे। ऐसा कोई शास्त्र नहीं था, जो लोगों की अपनी भाषा में हो। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस लिख कर एक समाधान दिया था, लोकिन कठिनाई यह थी कि विद्वानों और धमार्चार्यों ने इसे मान्यता नहीं दी। इसलिए धर्म भावना से भरे लोगों के मन में यह फांस अटकी रहती थी कि वे राम कथा से तो प्रेरणा ले रहे हैं लेकिन उनकी जानकारी का जो स्त्रोत है, वह धर्म शास्त्र नहीं है। क्योंकि धर्मशास्त्र तो संस्कृत में ही हो सकता है। पुरानी मान्यता है कि कोई शास्त्र अथवा ग्रंथ लोकप्रिय होने से स्वीकार्य नहीं हो जाता। स्वीकार्य वह रचना होती है जिसे विद्वतजनों ने मान्यता दी हो। तुलसीदास के मन में मानस की शुरूआत करते ही यह बात आई थी। उन्होंने हिंदी में ही रामकथा की रचना शुरू की। दो वर्ष सात महीने और छब्बीस दिन में सन- 1576 में यह रचना पूरी हुई। कहते हैं कि रचना लेकर गोस्वामी जी काशी चले गए। वहां विश्वनाथ मंदिर में पहली बार इसका पाठ किया। वहां पंडितों ने रचना को सराहा तो सही लेकिन संस्कृत में नहीं होने की वजह से इसे काव्य की मान्यता नहीं दी। गोस्वामीजी इससे क्षुब्ध हो गए। मानस के संबंध में प्रचलित किवदंतियों के अनुसार काशी विश्वनाथ मंदिर में रखे जाने के बाद ग्रंथ पर सत्यम, शिवम सुंदरम के साथ भगवान शिव का नाम लिखा मिला। अनुश्रुति के अनुसार यह काशी विश्वनाथ की स्वीकृति थी। लेकिन इस कहानी को मनगढंत माना गया है। रामचरितमानस के संबंध में इस तरह की कितनी ही कहानियां प्रचलित है जो उसकी महिमा को व्यक्त करती है। जैसे एक तो यही कि रामचरित मानस को चुराने के लिए चोर गए, वहां तुलसी की कुटिया में राम और लक्ष्मण पहरा देते हुए दिखाई दिए। इस तरह की तमाम किवदंतियों के बावजूद मानस को शास्त्र की मान्यता नहीं मिली थी। उस समय के प्रसिद्ध रामभक्त संत नाभादास ने मानस के महत्व को समझा और इस ग्रंथ को लेकर विद्वानों के पास गए। स्वामी ज्ञानानंद, हरीराम तर्कवागीश, गदाधर भट्टाचार्य, विश्वेश्वर सरस्वती, माधव सरस्वती, नारायण तीर्थ आदि विद्वानों ने रामचरित मानस को देखा पढ़ा और सराहा, किंतु उसे शास्त्र की मान्यता देने में असमर्थता जताई। असमर्थता इसलिए कि इनमें से कोई भी विद्वान रामचरितमानस पर टिप्पणी करता तो यह उसकी अपनी राय होती। हरीराम तर्कवागीश ने राय दी कि प्रयाग पुंभ के समय सभी संतजन और विद्वान एकत्रित होंगे। ग्रंथ को उनके सामने रखा जाए, सभी संत और धमार्चार्य विचार करें फिर इस संबंध में सर्वसम्मति से इस विषय में कोई निर्णय लिया जाए।

विश्व स्तनपान सप्ताह : हर माँ को मिले सहयोग, हर शिशु को मिले पोषण

सुनील कुमार महला

शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के क्रम में प्रतिवर्ष 1झ्7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य सभी माताओं, परिवारों, स्वास्थ्यकर्मियों और नीति-निमार्ताओं को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा प्रत्येक शिशु को जीवन की सर्वोत्तम शुरूआत दिलाना है। इस अभियान को विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ के साथ ही साथ वर्ल्ड अलायंस फोर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन का व्यापक समर्थन प्राप्त है। हाल फिलहाल, यहां यदि हम इस दिवस के इतिहास की बात करें तो पाठकों को बताता चलूं कि इस सप्ताह को मनाने की शुरूआत 1992 में वर्ल्ड अलायंस फॉर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन (डब्ल्यूएबीए) ने विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के साथ मिलकर की थी। उल्लेखनीय है कि अगस्त 1990 में दुनिया भर के नीति निमार्ताओं द्वारा हस्ताक्षरित इन्नोसेंटी घोषणा पत्र की याद में ही हर साल अगस्त के पहले सप्ताह को चुना गया था।

इस साल(वर्ष 2026 में) इस दिवस की थीम-जीवन की सतत एवं स्वस्थ शुरूआत के लिए स्तनपानः जो प्रभावी है, उसे और सशक्त बनाएं। रखी गई है। वास्तव में, इस थीम का संदेश है कि माताओं को हर स्तर पर सहयोग मिले, ताकि वे अपने बच्चों को आसानी और सुरक्षित रूप से स्तनपान करा सकें। मतलब यह है कि सरकार, अस्पताल, कार्यस्थल, परिवार और समाज मिलकर एक ऐसा माहौल बनाएँ, जिससे हर माँ बिना किसी कठिनाई के अपने शिशु को सुरक्षित और सफलतापूर्वक स्तनपान करा सके। जन्म के छह माह तक हर शिशु को केवल मां के दूध की आवश्यकता होती है। मां का दूध शिशु के लिए वरदान है। मां का दूध शिशु को पोषण व अच्छा स्वास्थ्य देता है तथा शिशु मृत्यु दर और कुपोषण को कम करता है, इसलिए प्रत्येक शिशु के लिए मां का दूध बहुत ही जरूरी और महत्वपूर्ण है। जन्म के तुरंत बाद आने वाला गाढ़ा पीला दूध लिक्विड गोल्ड कहलाता है। इसमें इतने ज्यादा इम्यून सेल्स होते हैं कि इसे बच्चे का पहला प्राकृतिक टीका (फर्स्ट वैक्सीन) माना जाता है। सच तो यह है कि स्तनपान से मां और बच्चे का डीएनए संवाद संभव हो पाता है।

मां के दूध में प्राकृतिक रूप से एंडोर्फिन और अन्य ऐसे तत्व होते हैं जो बच्चे को दर्द और तनाव से राहत दिलाते हैं। दुनिया भर में चिकित्सक जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करने की सलाह देते हैं तो इसके पीछे विशेष कारण हैं। कहना गलत नहीं होगा कि पहले 6 महीने तक केवल माँ का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार माना जाता है।स्तनपान से शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा संक्रमण का खतरा कम होता है। इतना ही नहीं, स्वयं माँ के लिए भी स्तनपान लाभकारी है; यह प्रसवोत्तर स्वास्थ्य सुधार और कुछ रोगों के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकता है। इतना ही नहीं, यह परिवार की आर्थिक बचत और पर्यावरणीय स्थिरता में भी योगदान देता है। दरअसल,माँ का दूध प्राकृतिक रूप से उपलब्ध होता है, इसलिए शिशु आहार खरीदने की आवश्यकता कम या नहीं पड़ती।और तो और बोतल, निप्पल, स्टेरिलाइजर और अन्य सामान पर होने वाला खर्च बचता है। सच तो यह है कि स्तनपान करने वाले शिशु अपेक्षाकृत कम बीमार पड़ते हैं, जिससे दवाइयों और अस्पताल के खर्च में भी कमी आ सकती है।माँ का दूध बनाने के लिए किसी कारखाने, पैकेजिंग या लंबी दूरी के परिवहन की आवश्यकता नहीं होती। यह प्राकृतिक है।इससे प्लास्टिक, टिन और पैकेजिंग कचरा कम उत्पन्न होता है। साथ ही साथ, ऊर्जा, पानी और ईंधन की खपत कम होती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन भी घटता है।इसलिए स्तनपान एक प्राकृतिक, पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ (सस्टेनेबल) विकल्प माना जाता है।

अंत में यही कहूंगा कि स्तनपान की सफलता एक मां के अकेले की यात्रा नहीं है; यह पूरे परिवार, कार्यस्थल और समाज के संयुक्त सहयोग का परिणाम है। यदि समाज सही जानकारी, सम्मान और सुविधाएं प्रदान करे, तो हम एक स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त आने वाली पीढ़ी का निर्माण कर सकते हैं।

पश्चिम एशिया में फिर युद्ध का खतरा; क्या दुनिया एक और महाविनाश की ओर बढ़ रही है?

सौरभ वार्ष्णेय

पश्चिम एशिया एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है, जहां एक छोटी-सी चिंगारी पूरे क्षेत्र को भीषण युद्ध की आग में झोंक सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार बढ़ता तनाव केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक शांति, ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विश्व अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। यदि दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष शुरू होता है तो इसका प्रभाव केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया इसकी कीमत चुकाएगी।

हाल के दिनों में अमेरिका की ओर से दिए गए कड़े संकेत और ईरान की आक्रामक चेतावनियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख से पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि यदि आवश्यक हुआ तो अमेरिका ईरान के ऊर्जा प्रतिष्ठानों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर कार्रवाई कर सकता है। वहीं ईरान ने भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि उसके रणनीतिक ठिकानों पर हमला हुआ तो उसकी प्रतिक्रिया केवल अपने भूभाग तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों और इजरायल को भी इसका सामना करना पड़ सकता है।

युद्ध की भाषा हमेशा विनाश की प्रस्तावना होती है। इतिहास बताता है कि जब राष्ट्र संवाद की बजाय सैन्य शक्ति पर भरोसा करने लगते हैं तो परिणाम केवल तबाही होता है। अमेरिका और ईरान के बीच वर्षों से सबसे बड़ा विवाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर रहा है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जबकि ईरान लगातार यह कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम केवल शांतिपूर्ण और ऊर्जा उत्पादन के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।परमाणु कार्यक्रम पर अविश्वास ने दोनों देशों के संबंधों को लगातार खराब किया है। आर्थिक प्रतिबंध, तेल निर्यात पर रोक, वित्तीय प्रतिबंध और सैन्य दबाव ने स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है। अब यदि यह विवाद खुले युद्ध में बदलता है तो उसके परिणाम केवल सैन्य नहीं बल्कि राजनीतिक, आर्थिक और मानवीय भी होंगे।

आधुनिक युद्धों में केवल सैनिकों पर हमला नहीं किया जाता बल्कि विरोधी देश की आर्थिक रीढ़ को कमजोर करने का प्रयास किया जाता है। ऊर्जा प्रतिष्ठान किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आधार होते हैं। तेल रिफाइनरी, गैस संयंत्र, बिजलीघर और पाइपलाइन किसी राष्ट्र की जीवनरेखा हैं। यदि इन पर हमला होता है तो केवल ऊर्जा उत्पादन ही प्रभावित नहीं होता बल्कि उद्योग, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाएं, संचार व्यवस्था और आम नागरिकों का जीवन भी संकट में पड़ जाता है।ईरान दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादक देशों में शामिल है। ऐसे में उसके ऊर्जा ढांचे पर किसी भी प्रकार का हमला वैश्विक तेल बाजार को तुरंत प्रभावित कर सकता है।

दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा का सबसे संवेदनशील बिंदु होर्मुज जलडमरूमध्य माना जाता है। विश्व के समुद्री मार्ग से होने वाले तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है।यदि युद्ध की स्थिति में यह मार्ग बाधित होता है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है। इसका सीधा असर भारत जैसे देशों पर पड़ेगा, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करते हैं।पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, विमान ईंधन और बिजली उत्पादन की लागत बढ? से महंगाई तेज होगी। परिवहन से लेकर खाद्य पदार्थों तक हर क्षेत्र प्रभावित होगा। भारत के पश्चिम एशिया के लगभग सभी देशों के साथ अच्छे संबंध हैं। लाखों भारतीय नागरिक खाड़ी देशों में कार्यरत हैं और भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है।

भारत पहले भी पश्चिम एशिया के संकटों के दौरान अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए बड़े अभियान चला चुका है। इसलिए किसी भी नए संघर्ष की स्थिति में भारत को कूटनीतिक और मानवीय दोनों स्तरों पर तैयार रहना होगा। ईरान ने संकेत दिए हैं कि यदि उस पर हमला होता है तो वह केवल अपने क्षेत्र की रक्षा तक सीमित नहीं रहेगा। पश्चिम एशिया में अमेरिका के अनेक सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। कतर, बहरीन, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, जॉर्डन और अन्य क्षेत्रों में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति लंबे समय से बनी हुई है। यदि इन ठिकानों पर हमले होते हैं तो संघर्ष केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कई देश अनचाहे रूप से इसमें शामिल हो सकते हैं। यही किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष को वैश्विक संकट में बदलने का सबसे बड़ा कारण बनता है।

इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से गहरा तनाव रहा है। दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष और परोक्ष टकराव समय-समय पर सामने आते रहे हैं। यदि अमेरिका किसी सैन्य कार्रवाई में शामिल होता है तो इजरायल की सुरक्षा स्वतः एक बड़ा मुद्दा बन जाएगी। दूसरी ओर ईरान पहले भी संकेत देता रहा है कि वह इजरायल को अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखता है। ऐसी स्थिति में पूरा पश्चिम एशिया कई मोर्चों वाले युद्ध का मैदान बन सकता है।तनाव के बीच यह चर्चा भी तेज है कि रूस ईरान को विभिन्न प्रकार की तकनीकी या खुफिया सहायता उपलब्ध करा सकता है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित पक्षों की आधिकारिक प्रतिक्रियाएं भी सीमित रही हैं। फिर भी यदि बड़ी शक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी संघर्ष में शामिल होती हैं तो क्षेत्रीय युद्ध का दायरा और व्यापक हो सकता है।

आज की दुनिया पहले जैसी नहीं रही। किसी भी क्षेत्रीय युद्ध का प्रभाव वैश्विक राजनीति, व्यापार और सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ता है। युद्ध कभी अचानक नहीं होता। उसके पहले वर्षों तक अविश्वास, आरोप-प्रत्यारोप, आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य तैयारियां और असफल वाताएं चलती रहती हैं।दुर्भाग्य यह है कि आज वैश्विक कूटनीति पहले की तुलना में अधिक कमजोर दिखाई देती है। संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं लगातार अपील तो करती हैं, लेकिन महाशक्तियों के सामने उनकी प्रभावशीलता सीमित नजर आती है। यदि संवाद की प्रक्रिया मजबूत नहीं होगी तो सैन्य विकल्प हमेशा अधिक आकर्षक प्रतीत होने लगेंगे। युद्ध का निर्णय नेता लेते हैं लेकिन उसकी कीमत आम नागरिक चुकाते हैं।बम सैनिक अड्डों पर ही नहीं गिरते, वे अस्पतालों, स्कूलों, घरों और बाजारों को भी प्रभावित करते हैं। लाखों लोग विस्थापित होते हैं, बच्चों की शिक्षा रुक जाती है, स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा जाती हैं और वर्षों तक समाज अस्थिर रहता है।इराक, सीरिया, यमन और अफगानिस्तान इसके बड़े उदाहरण हैं, जहां युद्ध समाप्त होने के बाद भी सामान्य जीवन लौटने में वर्षों लग गए। इतिहास का सबसे बड़ा सबक यही है कि सैन्य जीत हमेशा राजनीतिक समाधान नहीं बनती। अफगानिस्तान, इराक, लीबिया और सीरिया के उदाहरण बताते हैं कि युद्ध शुरू करना अपेक्षाकृत आसान होता है लेकिन शांति स्थापित करना बेहद कठिन।यदि उद्देश्य केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन रह जाए और राजनीतिक समाधान पीछे छूट जाए तो संघर्ष वर्षों तक चलता रहता है।भारत परंपरागत रूप से रणनीतिक स्वायत्तता और संतुलित विदेश नीति का समर्थक रहा है।भारत के अमेरिका से भी मजबूत संबंध हैं और ईरान के साथ भी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा ऊर्जा संबंध महत्वपूर्ण रहे हैं।

ऐसी स्थिति में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए शांति, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के पक्ष में प्रभावी भूमिका निभाए।संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही इसलिए हुई थी कि विश्व युद्ध जैसी त्रासदियां दोबारा न हों। आज आवश्यकता है कि संयुक्त राष्ट्र, सुरक्षा परिषद, यूरोपीय संघ, अरब लीग और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंच सक्रिय होकर दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने की दिशा में ठोस पहल करें। यदि कूटनीति विफल होती रही तो दुनिया बार-बार युद्ध के मुहाने पर खड़ी दिखाई देगी।

अमेरिका और ईरान दोनों शक्तिशाली राष्ट्र हैं। दोनों के पास सैन्य क्षमता है, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण उनकी राजनीतिक जिम्मेदारी है। विश्व नेतृत्व का अर्थ केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं बल्कि संयम भी होता है।यदि दोनों देश वार्ता की मेज पर लौटते हैं तो न केवल पश्चिम एशिया बल्कि पूरी दुनिया राहत की सांस लेगी।पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल दो देशों का विवाद नहीं है; यह पूरी मानवता की चिंता का विषय है। ऊर्जा संकट, वैश्विक व्यापार, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और करोड़ों लोगों का भविष्य इस संघर्ष से प्रभावित हो सकता है। किसी भी सैन्य कार्रवाई से पहले यह याद रखना होगा कि युद्ध का अंत चाहे जिस रूप में हो, उसकी शुरूआत हमेशा मानवता की हार से होती है। दुनिया पहले ही अनेक संकटों से जूझ रही है। ऐसे समय में एक और व्यापक युद्ध किसी के हित में नहीं होगा। आज आवश्यकता शक्ति प्रदर्शन की नहीं, बल्कि धैर्य, संवाद, विश्वास और कूटनीतिक समाधान की है। यदि विश्व समुदाय समय रहते सक्रिय नहीं हुआ तो पश्चिम एशिया की यह आग सीमाओं को पार कर वैश्विक संकट का रूप ले सकती है। इतिहास गवाह है कि युद्ध जीतने वाले भी अंततः शांति की तलाश में ही लौटते हैं। इसलिए बुद्धिमानी इसी में है कि शांति का रास्ता युद्ध शुरू होने से पहले ही खोज लिया जाए।

संक्षिप्त समाचार

जापान में मूल आबादी पहली बार 12 करोड़ से नीचे, घटती जन्मदर चुनौती

टोक्यो, एजेंसी। जापान में रहने वाले मूल जापानी नागरिकों की संख्या 42 वर्षों में पहली बार 12 करोड़ से नीचे आ गई है। देश लगातार घटती जन्मदर, तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी और श्रमिकों की कमी जैसी गंभीर जनसांख्यिकीय चुनौतियों का सामना कर रहा है। वहीं, विदेशी नागरिकों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है, जो अर्थव्यवस्था की श्रम जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। जापान टाइम्स के अनुसार, जापान के आंतरिक मामलों और संचार मंत्रालय के ताजा आंकड़ों में बताया गया है कि एक जनवरी 2026 तक देश में रहने वाले मूल जापानी नागरिकों की आबादी घटकर 11.974 करोड़ रह गई। यह पिछले वर्ष की तुलना में 0.76 प्रतिशत कम है और 1984 के बाद पहली बार यह संख्या 12 करोड़ से नीचे पहुंची है। वर्ष 2009 में आबादी के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद से जापानी नागरिकों की संख्या लगातार 17 वर्षों से घट रही है।

श्रीलंका जेल संघर्ष : एक कैदी की मौत, सात घायल

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की महारा जेल में कैदियों के बीच संघर्ष हुआ। पुलिस ने बताया कि इसमें एक कैदी की मौत हो गई और सात घायल हो गए। सुरक्षा बढ़ा दी गई और विशेष पुलिस बल तैनात किया गया। जुलाई की शुरुआत में नेगोंबो जेल में भी ऐसा ही संघर्ष हुआ था, जिसमें 33 लोग मारे गए थे।

कोलंबिया में पुलिस अड्डे पर हमला : ईएलएन पर आरोप, 11 अधिकारी घायल

बोगोटा, एजेंसी। एक अगस्त को एक पुलिस अड्डे के बाहर हुए विस्फोट में 11 अधिकारी घायल हुए और एक पुलिस कुत्ता मारा गया। सरकार ने इस हमले के लिए नेशनल लिबरेशन आर्मी (ईएलएन) को दोषी ठहराया। यह हमला कुकुटा में हुआ, जो कोलंबिया-वेनेजुएला सीमा पर है। जनरल विलियम रिंकोन ने इसे 'घिनौना आतंकवादी हमला' बताया। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने जानकारी देने वाले को 60,000 अमेरिकी डॉलर का इनाम देने की पेशकश की। नए राष्ट्रपति एबेलार्डो दे ला एस्प्रीला शांति वार्ता रद्द करने का वादा कर चुके हैं। ईएलएन दशकों से कोलंबिया सरकार से लड़ रहा है।

ट्रेडर्स अब पैसे देकर पहले देख सकेंगे ट्रम्प के पोस्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सोशल मीडिया कंपनी ट्रुथ सोशल ने वॉल स्ट्रीट के हाई-फ्रीक्वेंसी ट्रेडर्स के लिए ट्रुथ एपीआई नाम की पेड सर्विस शुरू की है। इसके तहत कस्टमर मंथली फीस देकर ट्रम्प और दूसरे अकाउंट्स के पोस्ट तक तेज तकनीकी पहुंच हासिल कर सकेंगे, ताकि वे बाजार में तेजी से ट्रेड कर सकें। आलोचकों का कहना है कि ट्रम्प के टैरिफ, युद्ध, ब्याज दर और दूसरे नीतिगत फैसलों से शेयर, बॉन्ड और मुद्रा बाजार प्रभावित होते हैं, ऐसे में यह व्यवस्था इनसाइडर ट्रेडिंग और सार्वजनिक पद के निजी लाभ के लिए इस्तेमाल जैसे गंभीर सवाल खड़े करती है। वहीं ट्रम्प मीडिया का कहना है कि पोस्ट सभी के लिए एक ही समय पर जारी किए जाएंगे और सर्विस में कोई अनुचित लाभ नहीं है।

ट्रम्प बोले– ईरान पर हमला फिलहाल टाला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला फिलहाल टाल दिया गया है। उनके मुताबिक, ईरान और कुछ मिडिल ईस्ट देशों की ओर से समझौते का प्रस्ताव आने के बाद यह फैसला लिया गया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि अमेरिका ईरान पर बड़े सैन्य हमले के लिए पूरी तरह तैयार था। उन्होंने दावा किया कि समझौते की रूपरेखा पर सहमति बनी है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि इजराइल भी इस फैसले में अमेरिका के साथ है। इससे पहले एक्सियोस की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रम्प से फोन पर बात कर ईरान पर संभावित बड़े हमले को टालने और संयम बरतने की अपील की थी। ईरान पर हमला टालने के ट्रम्प के फैसले के बावजूद संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो रॉस हैरिसन का मानना है कि अगले कुछ दिन तय करेंगे कि तनाव कम होगा या फिर जंग दोबारा भड़क सकती है।

मॉस्को रेस्टोरेंट में होममेड बम से भीषण धमाका, तीन लोगों की मौत और 21 घायल, जांच जारी

मॉस्को, एजेंसी। रूस की राजधानी मॉस्को में शनिवार शाम को एक बहुत ही भयंकर और खौफनाक हादसा सामने आया है। कुद्रिंस्काया स्क्वायर स्थित एक बहुमंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बने मशहूर इटैलियन रेस्टोरेंट बाल्जी रोसी में भीषण धमाका हुआ। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि 21 अन्य लोग बहुत बुरी तरह से घायल हुए हैं। रूस की सरकारी मीडिया और स्थानीय मॉस्को पुलिस ने इस बड़े और भयंकर हादसे की पूरी तरह से आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

शुरुआती रिपोर्टों में प्रशासन द्वारा यह आशंका जताई जा रही थी कि यह भयंकर धमाका गैस सिलेंडर फटने की वजह से हुआ है। लेकिन जांच के बाद यह बड़ा खुलासा हुआ कि एक महिला होममेड बम लेकर इस रेस्टोरेंट में पहुंची थी, जिसके फटने से यह भीषण विस्फोट हुआ। घटना में घायल हुए सभी 21 लोगों का नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक इन घायलों में से कई लोगों की हालत इस समय बेहद नाजुक और बहुत गंभीर बनी हुई है।

रिमोट से किया गया था धमाका : रूसी समाचार पत्र 'कोमर्सेंट' ने अपने विशेष सूत्रों के हवाले से बताया कि यह बम रेस्टोरेंट की समर टेरेस पर मौजूद मेहमानों को निशाना बनाने के लिए था। ऐसी गंभीर आशंका जताई जा रही है कि इस खतरनाक बम को किसी दूसरे व्यक्ति ने रिमोट कंट्रोल की मदद से बहुत दूर से उड़ाया था। ऐसा मुमकिन है कि बम ले जा रही उस महिला को यह जानकारी ही न हो कि उसके पास कोई खतरनाक विस्फोटक चीज मौजूद है। पुलिस अब इस खौफनाक आतंकी साजिश के सभी पहलुओं की बहुत ही गहनता और बारीकी से जांच-पड़ताल कर रही है।

प्राइवेट इवेंट के कारण बची जान : रेस्टोरेंट की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक शनिवार को एक प्राइवेट इवेंट होने की वजह से इसे आम ग्राहकों के लिए पूरी तरह से बंद रखा गया था। अधिकारियों का साफ मानना है कि अगर यह रेस्टोरेंट आम लोगों के लिए खुला होता, तो मौतों की यह संख्या बहुत ज्यादा बड़ी हो सकती थी। धमाका स्थानीय समयानुसार रात करीब आठ बजे से ठीक पहले हुआ, जिसमें बम ले जा रही महिला और रेस्टोरेंट के सिक्योरिटी गार्ड की जान चली गई। इसके अलावा वहां मौजूद एक अन्य निर्दोष ग्राहक ने भी इस भयंकर धमाके की चपेट में आकर मौके पर ही दम तोड़ दिया।

इलाके को किया गया पूरी तरह सील : मॉस्को जांच समिति के मुताबिक तमाम जांच अधिकारी, फोरेंसिक विशेषज्ञ और इमरजेंसी सर्विसेज की विशेष टीमें मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। सरकारी समाचार एजेंसी ने एक वीडियो जारी करके दिखाया है कि पूरे इलाके की घेराबंदी करके भारी संख्या में सशस्त्र पुलिस बल तैनात किया गया है।

सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन ने आम जनता के लिए उस पूरे प्रभावित इलाके को फिलहाल पूरी तरह से बंद कर दिया है। पुलिस लगातार सबूत जुटा रही है ताकि इस खौफनाक बम धमाके के असली कारणों का पता लगाया जा सके।

अज्ञात महिला ने की थी रेस्टोरेंट में घुसने की कोशिश : सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए ने बताया कि रूस की आतंकवाद-रोधी समिति के अनुसार, एक अज्ञात महिला ने रेस्टोरेंट में घुसने की कोशिश की लेकिन एक सुरक्षा गार्ड ने उसे रोक दिया। एजेंसी ने कहा कि इसके बाद हुए धमाके में वह महिला, सुरक्षा गार्ड और बाल्जी रोसी इटैलियन रेस्टोरेंट का एक ग्राहक मारा गया। पुलिस ने बताया कि घायलों को अलग-अलग गंभीरता की चोटें आईं। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए ने घटनास्थल पर भारी हथियारों से लैस सुरक्षा अधिकारियों का वीडियो जारी किया। उस इलाके को आम जनता के लिए बंद कर दिया गया था।

मारे गए और घायल लोगों की पहचान नहीं की गई उजागर : अधिकारियों ने मारे गए या घायल हुए लोगों के नाम नहीं बताए और न ही यह बताया कि उनके खिलाफ से इसके लिए कौन जिम्मेदार हो सकता है। यूक्रेन के साथ चार साल से ज्यादा समय से चल रही पूरी लड़ाई के बाद रूस की एफएसबी सिक्योरिटी सर्विस ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि कीव पर कई हत्याओं और हत्या की कोशिशों के आरोप लगने के बाद अधिकारी बड़े मिलिट्री अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ाएगी। कोमर्सेंट डेली अखबार ने अपने ही सोर्स का हवाला देते हुए कहा कि बम का मकसद रेस्टोरेंट के समर टेरेस के बाहर मजे कर रहे मेहमानों को घायल करना और मारना था। इससे पता चलता है कि बम किसी और ने दूर से ही फोड़दिया था और उसे ले जा रही महिला को शायद यह नहीं पता था कि यह एक एक्सप्लोसिव डिवाइस है।

अमेरिका: इडाहो के रेस्तरां में अंधाधुंध गोलीबारी, हमलावर समेत तीन लोगों की मौत; दो घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इडाहो राज्य के ट्विन फॉल्स शहर से गोलीबारी की घटना सामने आई है, जहां एक एक फास्ट-फूड रेस्तरां में एक बंदूकधारी ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस घटना में हमलावर समेत कम से कम तीन लोगों की मारे जाने की खबर है, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्विन फॉल्स शहर के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। हमलावर ने यहां के फेमस 'इन-एन-आउट बर्गर' रेस्तरां में गोलीबारी शुरू कर दी। हालांकि, अधिकारी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस घटना में मारे गए तीन लोगों में हमलावर शामिल था या नहीं।

गोलीबारी के बाद अफरा-तफरी का माहौल : दरअसल, पश्चिमी अमेरिकी राज्य इडाहो ट्विन फॉल्स शहर स्थित रेस्तरां में जब गोलीबारी हुई तो, वहां अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान कई लोगों को गोली लगी। घटना की सूचना मिलते ही ट्विन फॉल्स पुलिस विभाग ने तुरंत कार्रवाई की। इस गोलीबारी में कम से कम लोगों की मौत की खबर है। हालांकि, पुलिस अभी पीड़ितों और मृतकों की सटीक संख्या का पता लगाने में जुटी हुई है।

कम से कम 3 लोगों की मौत : ट्विन फॉल्स शहर के अधिकारी जोश पामर के अनुसार, इस घटना में तीन लोग मारे गए और दो घायल हुए, लेकिन यह स्पष्ट नहीं था कि हमलावर को भी मृतकों में गिना गया था या नहीं। स्थानीय मीडिया द्वारा वायरल हो रहे वीडियो फुटेज में इन-एन-आउट बर्गर के बाहर एक युवक को लंबी बंदूक के साथ देखा गया। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक अन्य वीडियो में एक दर्जन से अधिक लोगों को रेस्तरां से बाहर भागते हुए दिखाया गया।

पुलिस ने किया ढेर : इस अचानक हुई भयंकर वारदात की खबर मिलते ही भारी पुलिस बल ने तुरंत पहुंचकर पूरे इलाके की बहुत ही कड़ी घेराबंदी कर ली। पुलिस अधिकारियों ने उस हथियारबंद हमलावर को बहुत ही शांति से सरेंडर करने के लिए बार-बार कहा, लेकिन उसने लगातार अपनी फायरिंग जारी रखी। इसके बाद लोगों के बचाव में पुलिस द्वारा की गई कड़ी जवाबी कार्रवाई में वह सिरफिरा हमलावर गोली लगने से मौके पर ही मारा गया। सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो में वह शख्स रेस्तरां के सामने अत्याधुनिक क्रस्टाइल की राइफल लहराता दिख रहा है। एक अन्य वीडियो में वही शख्स पार्किंग लॉट में निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाता हुआ बहुत ही साफ तौर पर नजर आ रहा है। गोलीबारी शुरू होते ही शॉपिंग सेंटर के पूरे इलाके में भगदड़ मच गई और डरे हुए लोग अपनी जान बचाने के लिए बुरी तरह से इधर-उधर भागने लगे। भयंकर गोलीबारी की सूचना मिलते ही ट्विन फॉल्स के मुस्तैद पुलिस विभाग ने बहुत ही तेजी के साथ अपनी इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

नेपाल हिंसा : धनुषा से हटी निषेधाज्ञा, जनजीवन हो रहा सामान्य

काठमांडू। नेपाल में बीते हफ्ते भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बाद अब धीरे-धीरे शांति लौट रही है। इसी कड़ी में, धनुषा जिले के जनकपुरधाम और आसपास के इलाकों में लागू निषेधाज्ञा सोमवार सुबह 5 बजे से हटा दी गई है। जिला प्रशासन ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य होने और विभिन्न प्रदर्शनकारी समूहों द्वारा अपना सभी विरोध प्रदर्शनों को वापस लेने के बाद यह महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। धनुषा के मुख्य जिला अधिकारी की ओर से जारी सूचना के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई, इसके बाद जिला सुरक्षा समिति की बैठक में निषेधाज्ञा हटाने का निर्णय हुआ। गौरतलब है कि लोकल प्रशासन ने 1 अगस्त को क्षेत्र में संभावित तनाव और बिगड़ते हालात को देखकर यह निषेधाज्ञा लागू की थी। अब जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है और लोगों की दैनिक गतिविधियां पहले की तरह शुरू हो गई हैं। प्रशासन ने आम नागरिकों से शांति, सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की है। हालांकि, सांप्रदायिक हिंसा की जांच के दौरान कुछ चौंकाने वाले तथ्य भी सामने आए हैं। नेपाल प्रेस काउंसिल ने पाया कि कुछ मीडिया संस्थानों और सोशल मीडिया ने भ्रामक व सांप्रदायिक सामग्री प्रसारित कर हिंसा और तनाव को बढ़ावा दिया। सुनसरी जिले के देवानगंज ग्रामीण नगरपालिका-3 के कप्तानगंज में पत्रकारिता आचार संहिता के उल्लंघन के 90 ऐसे मामलों की पहचान की गई। यह भी पता चला कि कुछ सोशल मीडिया हैंडल ने कमाई के लालच में विवादित सामग्री हटाने से इंकार किया था, जिससे धार्मिक और सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचा। यह पूरा विवाद 26 जुलाई की रात सुनसरी के कप्तानगंज में दो समुदायों के बीच मामूली झड़प के बाद शुरू हुआ था। इस दौरान पुलिस की गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए। बाद में एक और घायल व्यक्ति की जान चली गई। तनाव सुनसरी से निकलकर सिराहा और जनकपुर तक फैल गया, जिसमें सिराहा में भी हिंसा के दौरान एक व्यक्ति की मौत हुई। कुल मिलाकर तीन लोगों की जान गई। प्रशासन अब ऐसी भड़काऊ गतिविधियों से दूर रहने की अपील कर रहा है।

पीओके में कत्लेआम की रिपोर्टिंग पर पाबंदी: पाकिस्तान ने विदेशी मीडिया पर लगाई रोक

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जारी भीषण विरोध प्रदर्शनों और हिंसा की रिपोर्टिंग के बाद, शहबाज शरीफ सरकार ने कथित तौर पर विदेशी मीडिया सहित कई प्रमुख डिजिटल समाचार वेबसाइटों पर रोक लगा दी है। यह कदम तब उठाया गया है जब आसिम मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना पर पीओके में कत्लेआम मचाने के आरोप लग रहे हैं। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने इस संबंध में अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पीओके में प्रदर्शनों, सुरक्षा बलों की कार्रवाई और बिगड़ते हालात की कवरेज के बाद इन अंतरराष्ट्रीय और डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को पाकिस्तान में एक्सेस नहीं किया जा रहा है। इस शाहबाज सरकार द्वारा अपने नैरेटिव पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। यह सेंसरशिप

कोई नई बात नहीं है। इससे पहले, विदेशी मीडिया ने ही रिपोर्ट किया था कि इस्लामाबाद की एक अदालत में पाकिस्तान की नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनसीसीआईए) ने कई यूट्यूब चैनलों को ब्लॉक करने की मांग की थी। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, विपक्षी नेताओं और सरकार की आलोचना करने वाले पत्रकारों से जुड़े चैनल शामिल बताए गए थे। यूट्यूब ने तब 27 कंटेंट क्रिएटर्स को अदालत के निर्देशों का पालन न करने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी। इसी बीच, पीओके में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसीके जोरदार प्रदर्शन जारी हैं। समिति ने कुछ वीडियो जारी कर दावा किया है कि मुजफ्फराबाद में सुरक्षा बलों ने एक निहत्थे व्यक्ति के साथ मारपीट की और सादे कपड़ों में मौजूद एक व्यक्ति ने प्रदर्शनकारियों की ओर गोली चलाई। जेएएसी ने इन आरोपों की स्वतंत्र जांच की मांग कर संयुक्त राष्ट्र, मानवाधिकार संगठनों जैसे ओएचसीएचआर, एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच, आईसीआरसी और अंतरराष्ट्रीय मीडिया से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है। मानवाधिकार परिषद पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू और कश्मीर के हवाले से दावा किया गया है कि मौजूदा अशांति के दौरान अब तक लगभग 80 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 76 नागरिक और चार पुलिसकर्मी शामिल बताए गए हैं। हालांकि, इन दावों की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पीओजेके में दूसरे चरण के चुनाव के दौरान भी बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन, सड़क जाम और प्रशासनिक अव्यवस्था की खबरें सामने आई थीं, जिसने चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

समुद्र में 1600 फीट की 'दीवार' बनाएगा स्पेन, मोरक्को से अवैध घुसपैठ के बाद अलर्ट

मैड्रिड, एजेंसी। मोरक्को से घुस आए अवैध प्रवासियों के चलते स्पेन में काफी समस्या हुई है। अब स्पेन ने इससे निपटने के लिए नया तरीका इस्तेमाल करने का फैसला किया है। स्पेन ने घोषणा की है कि वह अपने उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्र स्यूटा और पड़ोसी मोरक्को के बीच समुद्री सीमा पर 500 मीटर लंबा (1,600 फीट) बैरियर बनाएगा। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, सेउटा के तटीय इलाके में ताराजल ब्रेकवॉटर के पास एक तैरता हुआ अवरोध लगाया गया था। गौरतलब है कि मोरक्को के साथ लगती स्पेन के सेउटा सीमा पर मरने वालों की संख्या बढ़कर 67 हो गई है। स्पेन सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी।

ब्रेकवॉटर बैरियर को पार कर गए : स्पेन सरकार ने कहाकि मृतकों में कुछ ऐसे लोग शामिल हैं जो डूब गए और कुछ 'ब्रेकवॉटर बैरियर' को पार करने की भगदड़ में मारे गए। स्पेन के प्रधानमंत्री

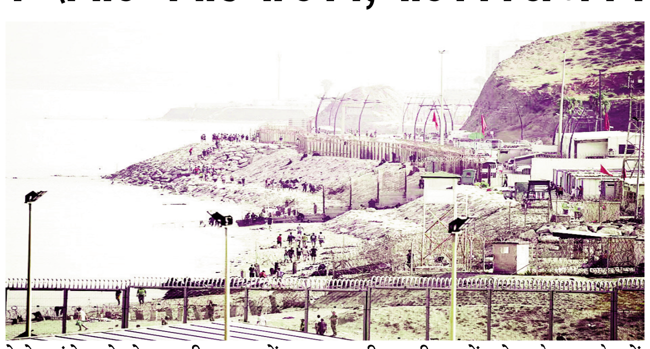

पेड्रो सांचेज ने सेउटा की घटनाओं पर यूरोपीय संघ के कुछ नेताओं की प्रतिक्रिया की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहाकि स्पेन को यूरोपीय संघ के सीमा-रहित शेंगेन क्षेत्र से निलंबित करने की मांग पूर्वाग्रह, फर्जी खबरों, अज्ञानता या राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है। शनिवार सुबह तैरकर सेउटा के ताराजल तट पर पहुंचे कुछ थके-हारे प्रवासियों को सैनिकों ने सीमा के पार वापस भेज दिया। स्पेन के गृह मंत्रालय का कहना है कि उत्तरी अफ्रीका में स्पेन के इलाके में दाखिल होने वालों में ज्यादातर लोग पहले ही मोरक्को लौट चुके हैं। स्पेन के गृह मंत्री फर्नांडो ग्रांडे-मार्लास्का ने शनिवार को सेउटा में पत्रकारों से कहाकि हम कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्ती से पेश आते हैं। जब यह सवाल पूछा गया कि दोनों तरफ कड़ी सुरक्षा के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में लोग सीमा कैसे पार कर पाए और क्या मोरक्को से सेउटा को कोई खतरा है, तो मार्लास्का ने रबात में मौजूद सरकार का बचाव किया। उन्होंने कहाकि इन घटनाओं का स्पेन और मोरक्को को मिलकर जायजा लेने की जरूरत है। लेकिन पड़ोसी देशों के साथ सहयोग की वजह से ही स्पेन 24 घंटे में हालात को सामान्य कर पाया। उधर, इटली ने स्पेन से आने वाले यात्रियों पर अस्थायी रूप से सीमा पर जांच शुरू कर दी है। फ्रांस ने भी अपनी सीमाओं पर नियंत्रण कड़ा कर दिया है। प्रधानमंत्री सांचेज ने यूरोपीय संघ के गृह मंत्रियों की आपातकालीन बैठक बुलाने का भी आह्वान किया है। करीब 84,000 की आबादी वाले सेउटा शहर पर इस अचानक आए दबाव के कारण स्पेन और पूरे यूरोप में राजनीतिक बहस छिड़ गई है। इटली ने हवाई और समुद्री मार्ग से स्पेन से आने वाले गैर-यूरोपीय संघ के नागरिकों की जांच शुरू कर दी है। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि यूरोपीय सीमाओं की सुरक्षा के लिए यह कदम आवश्यक था।

पेरू में टूरिस्ट प्लेन क्रैश, क्रू समेत 13 की मौत:सभी 11 पर्यटक यूरोप से थे

नाज्का, एजेंसी। पेरू के नाज्का शहर के पास शनिवार को एक टूरिस्ट प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में 11 यूरोपीय पर्यटकों समेत 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 7 इटली, 2 स्पेन और 2 जर्मनी के पर्यटक शामिल हैं। विमान के पायलट और को-पायलट की भी जान चली गई। यह विमान इका शहर से उड़ान भरकर पर्यटकों को 2000 साल पुरानी नाज्का लाइन्स दिखाने जा रहा था। नाज्का लाइन्स के पास पहुंचने के बाद प्लेन खेत में जाकर गिरा। इसमें आग लग गई। हादसे के बाद प्लेन के मलबे के पास जले हुए शव बिखरे पड़े थे। पेरू सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। राष्ट्रपति केइको फुजीमोरी ने घटना पर दुख जताया है और नाज्का एयरपोर्ट का संचालन अस्थायी रूप से रोकने पर भी विचार किया जा रहा है।

14 साल से सीनिक फ्लाइट्स ऑर्गनाइज कर रही थी कपंनी : जो प्लेन हादसे का शिकार हुआ, उसे पेरू की कंपनी 'एरोडियाना' ऑपरेट कर रही थी। एयरलाइन की वेबसाइट के मुताबिक, वह पिछले 14 साल से सेसना ग्रैंड कारवां प्लेन का इस्तेमाल करके नाज्का लाइन्स के ऊपर सीनिक फ्लाइट्स (नजारे दिखाने वाली उड़ानें) की सुविधा दे रहे हैं। हादसे की जांच की जा रही है। एरोडियाना ने कोई कमेंट नहीं दिया।

नाज्का लाइन्स क्या हैं : पेरू की राजधानी लीमा से करीब 400 किमी दक्षिण में नाज्का और पाल्पा के रेगिस्तान में 2,000 साल पुरानी विशाल आकृतियां बनी हैं। माना जाता है कि इन्हें 200 ईसा पूर्व से 600 ईस्वी के बीच नाज्का सभ्यता के लोगों ने बनाया था। गहरे रंग की पत्थरीली सतह हटाकर नीचे की हल्की मिट्टी को उभारने से ये आकृतियां बनाई गईं।

इनमें बंदर, हमिंगबर्ड, मकड़ी, कोंडोर, व्हेल, पेड़ और हाथ जैसी दर्जनों आकृतियां शामिल हैं। कई आकृतियां 100 से 300 मीटर या उससे भी बड़ी हैं, जबकि कुछ सीधी रेखाएं कई किलोमीटर तक फैली हैं।

इन्हें देखने लोग क्यों आते हैं : नाज्का लाइन्स का पूरा आकार जमीन से दिखाई नहीं देता। इन्हें साफ तौर पर केवल विमान, हेलिकॉप्टर, व्यूइंग टावर या आसपास की ऊंची पहाड़ियों से देखा जा सकता है।

यही वजह है कि हर साल हजारों पर्यटक सीनिक फ्लाइट लेकर इन्हें देखने पहुंचते हैं। वैज्ञानिक आज भी इनके उद्देश्य पर एकमत नहीं हैं। इन्हें धार्मिक अनुष्ठानों, जल स्रोतों, खगोलीय गणनाओं या सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़कर देखा जाता है। बेहद शुष्क जलवायु के कारण ये आकृतियां करीब 2,000 साल से सुरक्षित हैं।

नाज्का में पहले भी हो चुके हैं हादसे : पिछले कुछ दशकों में इस मशहूर हैरिटेज साइट पर विमान दुर्घटना का यह पहला मामला नहीं है।

2022 में एक और छोटा पर्यटक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार सात लोगों की मौत हो गई। 2010 में भी एक पर्यटक विमान इसी जगह के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें विमान में सवार छह लोगों की मौत हो गई।

बारिश से बेहाल पाकिस्तान: शहरों में बाढ़ जैसे हालात, बांध टूटे, बिजली ठप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में लगातार हो रही मूसलाधार मानसूनी बारिश ने राजधानी इस्लामाबाद, रावलपिंडी, पेशावर और अटक समेत कई इलाकों में जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई शहरों में सड़कें पानी में डूब गई हैं, घरों और दुकानों में बारिश का पानी घुस गया है, बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है और कई जगहों पर सड़कें व छोटे बांध भी टूट गए हैं। मौसम विभाग ने पांच अगस्त तक भारी बारिश, शहरी बाढ़ और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की चेतावनी जारी की है।

इस्लामाबाद और रावलपिंडी में सड़कें बनीं नदी : शुक्रवार तड़के हुई तेज बारिश के बाद इस्लामाबाद और रावलपिंडी के कई इलाके जलमग्न हो गए। मूरी रोड, कचहरी चौक और पेशावर रोड जैसी प्रमुख सड़कें पानी में डूब गईं, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। भारा काहू इलाके में करीब दो फीट तक पानी भर गया। कई वाहन बीच सड़क में फंस गए और बारिश का पानी लोगों के घरों तक पहुंच गया। स्थानीय निवासी मोहम्मद अकरम अब्बासी ने बताया कि हालात इतने खराब थे कि लोगों को खुद लाउडस्पीकर से बच्चों को घरों के अंदर रहने की अपील करनी पड़ी, जबकि तत्काल कोई सरकारी मदद नहीं पहुंची।

लेह नाले का जलस्तर बढ़ा, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट : रावलपिंडी के लेह नाले का जलस्तर बढ़कर करीब 10 फीट तक पहुंच गया। इसके बाद जिला प्रशासन ने रेड अलर्ट जारी कर दिया। बारिश के दौरान कई निचले इलाकों में पानी भर गया और लोगों में दहशत फैल गई। स्थिति को और खराब बनाने में अधूरे विकास कार्य भी जिम्मेदार रहे। वॉटर एंड सैनिटेशन एजेंसी की ओर से सैदपुर रोड और असगर मॉल रोड पर की गई खुदाई के कारण सड़कें खतरनाक हो गईं। वहीं, बिजली वितरण कंपनी आईईएससीओ ने सुरक्षा कारणों से कई इलाकों की बिजली काट दी, जिससे लोगों की परेशानियां और बढ़ गईं।

अटक में बांध टूटा, कई परिवारों का सब कुछ बर्बाद : अटक जिले के पिंडिघेब कस्बे में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। यहां मल्लाहवाला गंडा कास नाम का

छोटा बांध तेज बारिश के कारण ओवरफ्लो हो गया और उसका तटबंध टूट गया। इसके बाद बाढ़ का पानी कमरियाल और गुंडकास जैसे निचले इलाकों में फैल गया।

स्थानीय लोगों ने क्या-क्या कहा : दर्जनों मकान क्षतिग्रस्त हो गए और कई परिवारों को अपनी छतों पर शरण लेनी पड़ी। किराना दुकानदार मोहम्मद असलम ने बताया कि गंदे पानी के तेज बहाव में उनकी दुकान का अधिकांश सामान खराब हो गया। व्यापारी रशीद महमूद ने कहा कि दुकान में पानी घुसने से ब्रेड, केक, बिस्कुट, रस्क समेत पूरा बेकरी सामान खराब हो गया। फ्रिज, डिस्प्ले काउंटर और अन्य बिजली के उपकरण भी नुकसान की चपेट में आ गए। स्थानीय निवासी शाज़िया बीबी ने बताया कि उनके घर का फर्नीचर, बिस्तर, कपड़े, घरेलू उपकरण और जरूरी दस्तावेज पानी में खराब हो गए। वहीं, अब्दुल कदीर ने कहा कि घर की दीवारों में नमी आ गई है और उनके गिरने का खतरा बना हुआ है।

पेशावर में 120 लोगों को सुरक्षित निकाला गया : पेशावर में शुक्रवार सुबह हुई भारी बारिश के बाद बुधनी नाला उफान पर आ गया। इसके चलते सरदार कॉलोनी पूरी तरह पानी में डूब गई और वहां रहने वाले लोग घरों में फंस गए। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता बिलाल अहमद फैजी ने बताया कि 40 बचावकर्मियों और चार वाहनों की मदद से 120 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके अलावा वारसाक रोड के खुशहाल बाग इलाके से पांच अन्य लोगों को भी बचाया गया। साफिया होम्स और नासिर बाग रोड पर भी राहत दल भेजे गए, हालांकि वहां लोगों को निकालने की जरूरत नहीं पड़ी।

बीआरटी सेवा बंद, 84 बिजली फीडर ठप : बुधनी ब्रिज पर पानी बढ़ने के बाद पेशावर बस रैपिड ट्रांजिट (बीआरटी) सेवा पूरी तरह बंद कर दी गई। इससे हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश और तेज हवाओं के कारण पेशावर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी के 84 बिजली फीडर भी बंद हो गए। इनमें पेशावर के 41, खैबर के 22, मर्दान के 12, स्वाबी के 5 और स्वात के 4 फीडर शामिल हैं। बिजली आपूर्ति ठप होने से कई जिलों में लोगों को घंटों अंधेरे में रहना पड़ा।

उच्च रक्तचाप में नियमित इन चीजों से करें बचाव

उच्च रक्तचाप एक को अगर नजरअंदाज किया जाये तो यह और भी गंभीर समस्या हो सकता है। उच्च रक्तचाप में धमनियों में रक्त का दबाव ब जाता है। दबाव के कारण धमनियों में रक्त प्रवाह सुचारू बनाए रखने के लिए दिल को अधिक काम करना पता है। वैसे तो हाई ब्लड प्रेशर के कई कारण होते हैं लेकिन इसके लिए जिम्मेदार प्रमुख कारणों में तनाव और अनहेल्दी आदतें शामिल है। इसलिए उच्च रक्तचाप की समस्या होने पर इसके प्रबंधन और नियंत्रण के लिए क्या करें और क्या करने से बचें, इस बात को जानना बहुत जरूरी है।

नमक का अधिक सेवन

ब्लड प्रेशर के बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है, अधिक मात्रा में नमक का सेवन। सोडियम की अधिक मात्रा शरीर में पानी भर देती है जिससे हाइ ब्लड प्रेशर होने की समस्या और पैदा हो जाती है। जो लोग पहले से ही हाइ ब्लड प्रेशर के शिकार हैं, उन्हें नमक का प्रयोग डाइट में कम करना चाहिए। अचार, नमकीन, सलाद में नमक, पकौड़ा आदि खाने से बचें।

प्रसंस्कृत आहार का सेवन

लाल मीट, चीनी युक्त मीठे पेय पदार्थ, प्रसंस्कृत आहार से भी ब्लड प्रेशर हाई होने लगता है। इसलिए इस समस्या से बचने के लिए हमें एक स्वस्थ डाइट लेनी चाहिए।

जब एक स्वस्थ और सही डाइट लेने की बात आती है तो वह डाइट फल, सब्जियों, साबुत अनाज और लो डेयरी प्रोडक्ड से भरपूर होनी चाहिए। साथ ही अपने आहार में मीट, मछली, नट्स और सेम को शामिल करें। हालांकि ऐसी डाइट लेना हर किसी के लिए संभव नहीं है लेकिन हाई ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए इसे लिए जरूरी होता है।

तनाव में रहना

तनाव में रहने से भी आपका बीपी बढ़ने लगता है। तनाव आपकी सेहत का सबसे बड़ा दुश्मन है। अक्सर लोग पहचान नहीं पाते कि उनकी शारीरिक समस्याओं का कारण तनाव ही है। इसलिए बेकार का तनाव लेना बंद करें। रोज सुबह वर्कआउट, मेडिटेशन और कुछ ऐसे काम करने में मन लगाएं जिससे आपको खुशी मिलती हो।

व्यायाम की कमी

अक्सर लोग आलस के कारण अपनी दिनचर्या में व्यायाम को शामिल नहीं करते। लेकिन जो लोग एक्सरसाइज नहीं करते हैं उन्हें हाई ब्लड प्रेशर की बीमारी जल्दी होती है। मोटे लोगों के दिल पर ज्यादा प्रेशर पड़ता है और हार्ट ब्लॉकेज ज्यादा प्रतिशत में होता है। केवल दवाइयां खा कर कुर्सी पर बैठे रहने से हाई ब्लड प्रेशर नहीं ठीक हो सकता।

धूम्रपान की आदत

धूम्रपान करने से ब्लड प्रेशर बहुत तेजी के साथ बढ़ता है। जिससे धमनियां कठोर बन जाती हैं और वह रक्त वाहिकाओं को चोट पहुंचाती हैं। अगर आप धूम्रपान करते हैं तो इससे दूरी जरूर बना लें, अन्यथा आपको ये समस्या बहुत जल्दी होने का जोखिम रहेगा।

इन सब चीजों के कारण ब्लड प्रेशर का स्तर बढ़ने लगता है। इसलिए अगर आपको स्वस्थ और ब्लड प्रेशर को नियंत्रण में रखना है तो अपनी दिनचर्या से इन चीजों को दूर करने की कोशिश करें।

मच्छरों से हैं परेशान तो अपनाएं ये तीन घरेलू उपाए

देश का लगभग हर शहर मॉनसून के बाद से ही जल-जमाव की समस्या से जूझता दिखता है। ऐसे में सड़कों को छोड़ भी दिया जाए तो घरों की छतों पर रखें पुराने टायरों, डिब्बों और दूसरे सामानों में भरा पानी मच्छरों का ब्रीडिंग ग्राउंड बनता है। इसलिए बारिश के मौसम का मतलब मच्छर और ढेर सारी खतरनाक बीमारियां है। ये बीमारियां जानलेवा भी साबित हो सकती हैं इसलिए इनसे बचना बेहद जरूरी है। लेकिन अगर आपके घर में कॉइल, मैट या मॉस्कीटो लिक्विड नहीं है तब आप क्या करेंगे? इसलिए हम आपको बता रहे हैं मच्छरों को दूर करने के 3 कारगर घरेलू उपाए, जो तुरंत आपकी समस्या हल करेंगे।

पहला उपाए

सिर्फ दो मिनट में मच्छरों को भगा देगा ये उपाए। इसके लिए आपको जरूरत पड़ेगी नीम के तेल, कपूर और तेजपत्ते की। सबसे पहले नीम के तेल में कपूर को मिलाकर एक स्प्रे बॉटल में भर लें। अब इस मिश्रण को तेजपत्तों पर स्प्रे करें और तेजपत्ते को जला लें। इस धुंए से आपके घर से सभी मच्छर तुरंत भाग जाएंगे। आपको बता दें कि तेजपत्ते का धुंआ सेहत के लिए बिल्कुल हानिकारक नहीं होता है।

दूसरा उपाए

सोते समय कुछ दूरी पर कपूर में मिले नीम के तेल का दीपक जलाएं, इससे भी मच्छर आपके पास बिल्कुल नहीं भटकेंगे।

तीसरा उपाए

नारियल तेल, नीम तेल, लौंग का तेल, पिपरमिंट तेल और नीलगिरी के तेल को आपस में समान मात्रा में मिलाएं और एक बॉटल में भरकर रख लें। रात में सोते समय त्वचा पर लगाएं और निश्चिंत होकर सो जाएं। यह तरीका बाजार की क्रीम से भी ज्यादा प्रभावशाली है।

रेसिपी

पालक पनीर

सामग्री

- पालक- 1 गुच्छा
- पनीर- 150 ग्राम
- बारीक कटा प्याज- 2
- बारीक कटी मिर्च- 2
- जीरा- 1/2 चम्मच
- नीबू का रस- 2 चम्मच
- बारीक कटा लहसुन- 4 कलियां
- धनिया पाउडर- 11/2 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1 चम्मच
- बटर+तेल- आवश्यकतानुसार
- घी- 1 चम्मच
- नमक- स्वादानुसार

विधि

पालक की पत्तियों को अच्छी तरह से धो लें। एक बर्तन में उबालने के लिए पानी रखें और उसमें चुटकी भर नमक और बेकिंग सोडा डालें। जब पानी उबलने लगे तो उसमें पालक की पत्तियों को 20 सेकेंड के लिए डालें और तुरंत निकालकर ठंडे पानी में डाल दें। पालक की पत्तियों की प्यूरी बना लें। पैन में बटर और तेल के मिश्रण को गर्म करें, अब पैन में लहसुन डालें। लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। पनीर के टुकड़ों को पैन में डालें और हल्के हाथों से मिलाएं। नीबू का रस डालकर मिलाएं। एक दूसरे पैन में घी गर्म करें और उसमें जीरा डालें। जब जीरा पकने लगे तो पैन में हरी मिर्च डालें और उसे तुरंत तैयार पालक पनीर में डाल दें। नान, परांठा या जीरा राइस के साथ सर्व करें।

कोकोनट कुकीज

सामग्री

- 1 कप मैदा
- 1/2 टीस्पून बेकिंग पाउडर
- 1/2 कप चीनी का पाउडर/पिसी हुई चीनी
- 1/2 कप मक्खन कमरे के तापमान पर रखा हुआ
- 2-3 बूंद वेनिला एसेंस
- 3/4 कप दरदरा पिसा सूखा नारियल पाउडर
- 1 टेबलस्पून दूध

विधि

कुकीज बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़ा कटोरे में मैदा और बेकिंग पाउडर लें। इन्हें अच्छी प्रकार छान लें। इसके बाद दूसरे कटोरे में मक्खन और चीनी पाउडर डाल लें। इश मिश्रण को तब तक फेंटे जब तक मक्खन और चीनी मुलायम न हो जाए। अब इसमें वेनिला एसेंस की 2-3 बूंदे और सूखा नारियल डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसके बाद इसमें छना हुआ मैदा और बेकिंग पाउडर डालें और मिला लें। अगर मिश्रण ज्यादा सूखा लगे तो इसमें 1 टेबलस्पून दूध डाल लें। मिश्रण को अच्छे से गूंद लेंऔर आटे के गोल आकार में छोटे-छोटे गोले बना लें। इसके बाद बेकिंग ट्रे में एल्यूमिनियम का फायल लगा दें और इस पर पेड़ों को थोड़ी-थोड़ी दूरी पर रख दें। इसके बाद ट्रे को ओवन में रख दें और बनने के बाद प्लेट में निकाल लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 1796

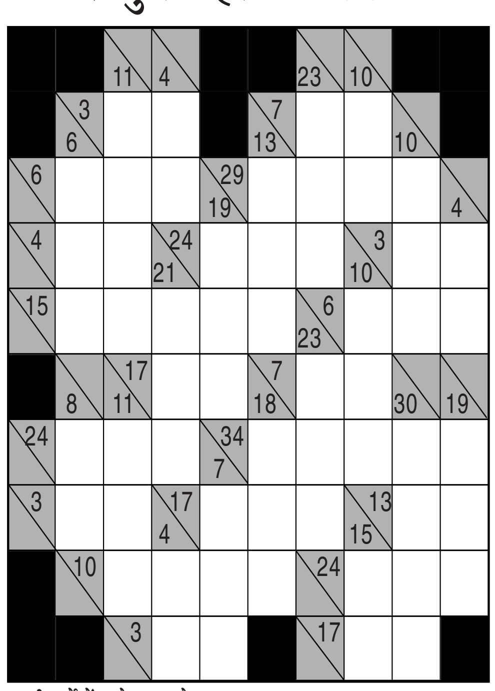

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1795 का हल

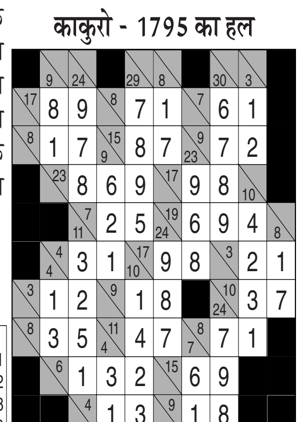

लॉफिंग ज़ोन

मॉडर्न पत्नी की शराब की लत से परेशान एक पति उसे समझाने के इरादे से बोला- मान लो एक ड्रम में शराब और दूसरे में पानी भरकर रख दिया जाए और फिर किसी गधे को बुलाकर उससे पीने को कहा जाए तो वह दोनों में से क्या पिएगा?

पत्नी ने कहा- वह पानी ही पिएगा।

पति ने उलझाने की कोशिश करते हुए कहा- मगर वह पानी ही क्यों पीना चाहेगा?

▯ ▯ ▯

पत्नी- तुम तो कह रहे थे कि इस ब्यूटी क्लिनिक में तुम्हें नौकरी मिल गई है। फिर तुम बाहर खड़े क्या कर रहे हो?

पति- यहाँ बाहर खड़ा रहना, भीतर जाने वाली नारियों की उपेक्षा करना, जब श्रृंगार कराकर बाहर निकले तो सीटी बजाना, यही तो मेरी नौकरी है।

▯ ▯ ▯

रमन- हर छात्र के लिए आज की तारीख में इंटरनेट कई मायनों में उपयोगी और महत्वपूर्ण है!

नमन- जैसे?

रमन- ...जैसे हमें कई जानकारियाँ इंटरनेट के माध्यम से मिल जाती है।

नमन- और आजकल तो लीक होने के बाद पेपर भी ई-मेल पर आ जाते हैं।

▯ ▯ ▯

फिल्म वर्ग पहेली- 1796

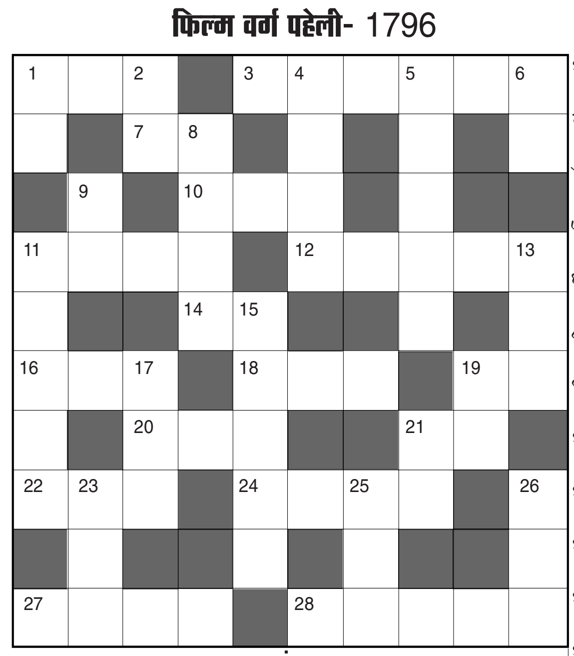

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1795

सूडोकु -1796

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1795 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 1796

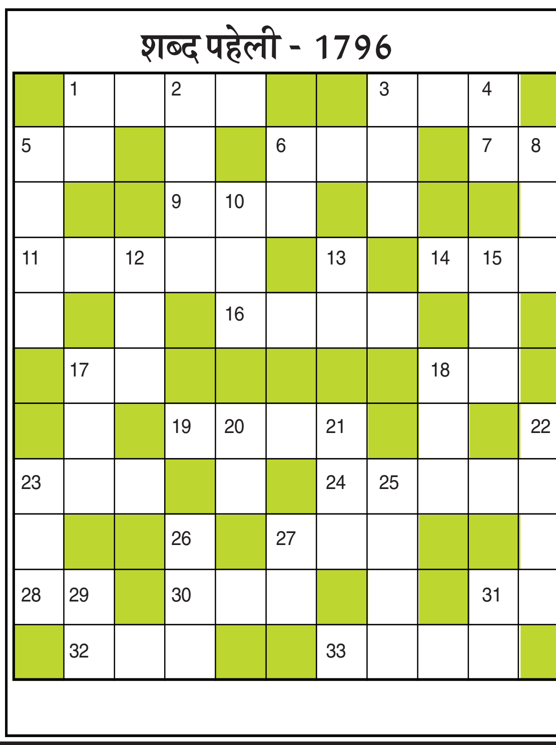

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3.रुई की फसल-3
5.वंश,खानदान-2
6.आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7.जी,इच्छा,चित्त-2
9.पहनना-3
11.दास,नौकर,सेवक-5
14.अग्नि,आग-3
16.चयनित,स्वीकृत-4
17.जाति,संप्रदाय-2
18.उस समय-2
19.आदत,व्यवहार-4
23.माला का मोती-3
24.लालन-पालन-5
27.पूर्णिमा-3
28.वश,अधीन-2
30.खबर देने वाला-3
31.खदान,माइन-2
32.आश्रय,पनाह-3
33.संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1.घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2.धारा के बीच में,अधर में-2,2
3.आफत,आपदा-3
4.एक समान-2
5.गृहपति,चांसलर-4
6.दाना-2
8.प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10.रोकर धनराशि-3
12.प्रेम ,आसक्ति-3
13.नीर,जल-2
15.भाग्य,तकदीर-3
17.जंबुल,जांब-3
18.टेंशन,परेशानी-3
20.काया,बदन-2
21.उष्णता-3
22.नाश होने योग्य-4
23.साम्राज्ञी,रानी-3
25.रमण करने योग्य-4
26.अदा,चोंचला-3
27.पूड़ी,गोलगप्पा-2
29.पिता की बहन-2
31.उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली - 1795 का हल

19 साल बाद कोलकाता पहुंचीं तसलीमा नसरीन से बोले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी - बार-बार आइए, आपकी सुरक्षा मेरी जिम्मेदारी

एजेंसी

कोलकाता। करीब दो दशक बाद कोलकाता पहुंचीं बांग्लादेश की चर्चित लेखिका तसलीमा नसरीन का रवींद्र सदन में आयोजित एक कविता पाठ कार्यक्रम में स्वागत किया गया। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें राज्य में पूर्ण सुरक्षा का भरोसा देते हुए कहा कि वह जब चाहें पश्चिम बंगाल आ सकती हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अब पश्चिम बंगाल संविधान, लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करने वाला राज्य है। उन्होंने कहा कि यहां सभी को आने और अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि तसलीमा नसरीन का पश्चिम बंगाल आना इस बात का प्रमाण है कि राज्य में लोकतांत्रिक मूल्यों और मौलिक अधिकारों की रक्षा की जा रही है। गौरतलब है कि वर्ष 2007 में तसलीमा नसरीन की आत्मकथात्मक पुस्तक 'द्विखंडित' के प्रकाशन के बाद पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। उस समय वाम मोर्चा सरकार ने पुस्तक पर प्रतिबंध लगा दिया था और कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने के कारण तसलीमा को पश्चिम बंगाल छोड़ना पड़ा था। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भी उनकी वापसी नहीं हो सकी।

भारत की आध्यात्मिक परम्परा से अनेक राष्ट्र प्रभावित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक परम्परा और ज्ञान परम्परा एक ऐसी शक्ति है, जिससे विश्व में अनेक राष्ट्र प्रभावित हैं। यही वजह है कि उत्तराखंड के कैंची धाम में बाबा नीब करौरी महाराज के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए अनेक देशों के लोग आते रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात शाम भोपाल के रवीन्द्र भवन परिसर में बाबा नीब करौरी महाराज की हस्तकला से निर्मित कलात्मक चित्र के अनावरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भी विश्व के विद्वानों के समक्ष भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रमाण प्रस्तुत किए थे। उस दौर में जब भौतिक प्रगति के पैमाने नहीं थे भारत की आध्यात्मिक शक्ति का महत्व रहा है। सरकार मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आध्यात्मिक विभूति बाबा नीब करौरी के संपर्क में जो भी व्यक्ति आए, उनका जीवन परिवर्तित हो गया। वर्ष 1964 में नैनीताल के निकट स्थापित आश्रम में हुनमान जी की प्रतिमा स्थापित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान हनुमान के अनन्य उपासक पूज्य नीब करौरी महाराज का जीवन प्रेम, करूणा और निःस्वार्थ सेवा का अद्भुत उदाहरण है। वे मानते थे कि सच्ची श्रद्धा और निष्काम सेवा से जीवन के सभी संकट दूर हो सकते हैं।

देवास में अगले पांच वर्षों में होगी आधुनिक खेती, खाद की कालाबाजारी पर होगी सख्त कार्रवाई : शिवराज

देवास। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अगले पांच वर्षों में मध्य प्रदेश के देवास जिले में खेती के आधुनिकीकरण की दिशा में निर्णायक कार्य किया जाएगा। इसके तहत कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (आत्मा) और कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) का और अधिक विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खाद की कालाबाजारी में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय मंत्री चौहान देवास जिले के कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति 'दिशा' की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री चौहान ने देवास जिले के सर्वांगीण विकास, आधुनिक खेती, जल संरक्षण और महिला सशक्तीकरण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की गहन समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि कृषि तकनीकों को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से 100 और जिले भर से 500 से अधिक किसानों को चिन्हित कर विशेष प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। साथ ही, उन्नत मॉडल अपनाने के लिए किसानों को अन्य समृद्ध कृषि क्षेत्रों का शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कपिलवस्तु में किया विपश्यना पार्क एवं लाइट एंड साउंड शो का लोकार्पण

सिद्धार्थनगर। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जनपद में भारत-नेपाल सीमा पर स्थित ऐतिहासिक बुद्ध विपश्यना केंद्र, कपिलवस्तु (पिपरहवा) में 349.96 लाख रुपये की कुल लागत से नवविकसित 'विपश्यना पार्क एवं लाइट एंड साउंड शो' का औपचारिक लोकार्पण किया। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य कपिलवस्तु के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व को संजोने के साथ-साथ यहाँ वैश्विक पर्यटन को नई दिशा देना और आधुनिक तकनीक के माध्यम से श्रद्धालुओं व पर्यटकों को भगवान बुद्ध के शांति, करुणा और विपश्यना के अमर संदेशों से जोड़ना है। लोकार्पण समारोह के क्रम में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु के सभागार में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ डिजिटल चलचित्र और अत्याधुनिक लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से भगवान बुद्ध के जीवन दर्शन, त्याग और उनके विचारों पर आधारित भव्य प्रस्तुति का प्रदर्शन किया गया।

अंगदान और जन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का प्रसार हो-राज्यपाल

राज्यपाल ने कहा कि भारत में प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख लोग अंग प्रत्यारोपण नहीं होने से अपनी जांन गंवा रहे हैं।

एजेंसी

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि 'अंगदान' मानवता के लिए अपने आपको समर्पण करने से जुड़ा महादान है। उन्होंने कहा कि अंगदान की सबसे बड़ी बाधा मनुष्य के भीतर का डर है। इसे भगाने और इस सम्बन्ध में लोगों को प्रेरित किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने समाज में अंगदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का आह्वान किया है। राज्यपाल बागडे सोमवार को राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में 'अंगदान' जागरूकता कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे देश में किडनी का सफल प्रत्यारोपण एक दिसम्बर 1971 को तमिलनाडु में हुआ।

उन्होंने इतने वर्ष पहले अंग प्रत्यारोपण होने के बावजूद अंगदान के प्रति जागरूकता नहीं होने पर चिंता जताई और कहा कि अंगदान दिवस मनाने की बजाय इसे एक आंदोलन मानकर क्रियान्वित किया जाए। राज्यपाल ने अंगदान के साथ स्वास्थ्य जागरूकता के लिए भी अभियान चलाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम घर में एक दिन पहले बनी रोटी नहीं खाते परन्तु बाजार से पुरानी बनी ब्रेड खरीदकर

खा लेते हैं। उन्होंने खान पान की आदतों में सुधार किए जाने और व्यसन मुक्त समाज के निर्माण पर जोर दिया। राज्यपाल ने आरम्भ में उन सभी महान आत्माओं को भी श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने अपना अंग दान कर दूसरों को नया जीवन दिया है। उन्होंने सभी को अंगदान की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि हमारे देश में हर वर्ष लाखों लोग विभिन्न अंगों की आवश्यकता के कारण अपनी जान गंवा देते हैं। किडनी, लिवर, हृदय और फेफड़ों की मांग आज भी सर्वाधिक है। पर उपलब्धता बहुत कम है। इस दृष्टि से अंगदान का यह महत्व समझाया जाना जरूरी है कि इससे हम किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा ला सकते है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत में प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख लोग अंग प्रत्यारोपण नहीं होने से अपनी जांन गंवा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे यहां अंग प्रत्यारोपण करने की सुविधाएं अच्छी है लेकिन यहाँ पर अंगदान करने वालों की संख्या अभी भी बहुत ही कम है। उन्होंने अंगदान की प्रेरणा के साथ–साथ अंगदान से जुड़ी सेवाओं का भी प्रदेश में विस्तार करने और सभी अस्पतालों में अंग प्रत्यारोपण संबंधी उपकरणों की व्यवस्था प्रभावी रूप में किए जाने पर जोर दिया।

इससे पहले राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलगुरु प्रो. प्रमोद येवले और राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मोहनीश ग्रोवर ने अंगदान के महत्व और आयोजन से जुड़े सरोकारों के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने अंगदान जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण प्रयास करने वाले चिकित्सकों और 'अंगदान' जागरूकता प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

अनुराग ठाकुर और प्रवेश वर्मा के खिलाफ दाखिल पुनर्विचार याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर और दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा के खिलाफ पुनर्विचार याचिका को खारिज कर दिया। सीपीएम नेता वृंदा करात ने यह पुनर्विचार याचिका दाखिल की थी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सोमवार को वृंदा करात की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें पुराने फैसले पर फिर से विचार करने का कोई आधार नहीं मिला। इससे पहले, 29 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने दोनों नेताओं के खिलाफ कोई भी एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने से इनकार कर दिया था। 29 अप्रैल के फैसले में कोर्ट ने कहा था कि 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान दिए गए भाषणों को लेकर भाजपा नेता अनुराग ठाकुर और प्रवेश वर्मा के खिलाफ कोई संज्ञेय अपराध नहीं बनता है।यह मामला वृंदा करात की उस याचिका से जुड़ा है, जिसमें जनवरी 2020 में सीएए-विरोधी प्रदर्शनों के दौरान अनुराग ठाकुर और प्रवेश वर्मा की ओर से दिए गए भाषणों के लिए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। पुलिस की ओर से शिकायत पर कार्रवाई करने से इनकार करने के बाद वृंदा करात ने ट्रायल कोर्ट का रुख किया,

जिसने इस आधार पर एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया कि इसके लिए पूर्व मंजूरी की जरूरत थी। इस फैसले को वृंदा करात ने दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी। दिल्ली हाईकोर्ट ने उस नजरिए को सही ठहराया, जिसके बाद वृंदा करात ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने अपने अप्रैल के फैसले में पूर्व मंजूरी की जरूरत के संबंध में कानूनी स्थिति को स्पष्ट किया, लेकिन उसने एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने से इनकार कर दिया। इसके बाद सीपीएम नेता वृंदा करात ने 29 अप्रैल के फैसले की सही-गलत होने पर सवाल उठाते हुए पुनर्विचार याचिका दायर की, जिसे अब शीर्ष अदालत ने खारिज कर दिया है।

कांग्रेस सांसदों ने पप्पू यादव पर हमले को गलत बताया, कहा-सरकार लोगों को डरा रही

एजेंसी

नई दिल्ली । संसद के मानसून सत्र के दौरान कांग्रेस ने मंगलवार को केंद्र सरकार को कई मुद्दों पर घेरते हुए संसद में सार्थक चर्चा की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हुए कथित हमले की कड़ी निंदा की, प्रस्तावित विधेयकों पर विस्तृत बहस की आवश्यकता जताई और छात्रों पर कथित बल प्रयोग के मामले में गृह मंत्री से संसद में बयान देने की मांग दोहराई। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने पप्पू यादव पर हुए कथित हमले को लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के विचारों से असहमत होने का अर्थ यह नहीं है कि उसके साथ हिंसक या अनुचित व्यवहार किया जाए। लोकतंत्र में हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का अधिकार है और असहमति का जवाब संवाद और लोकतांत्रिक तरीके से दिया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से इस मामले को गंभीरता से लेने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। संसद में लाए जाने वाले प्रमुख

विधेयकों पर प्रतिक्रिया देते हुए सुखदेव भगत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के जजों की संख्या बढ़ाने और विदेशी योगदान (विनियमन) अधिनियम में संशोधन जैसे महत्वपूर्ण विधेयकों पर व्यापक और सार्थक चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपने बहुमत के बल पर कई बार विधेयकों को ध्वनि मत से पारित करा देती है, जिससे विपक्ष को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि पहले भी कुछ विधेयकों के दौरान विपक्ष के नेता को पूरा समय नहीं मिला और बहस आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रह गई। उनका कहना था कि संसद का उद्देश्य केवल विधेयक पारित करना नहीं बल्कि सभी पक्षों की राय सुनना और लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना भी है। संख्या बल के आधार पर चर्चा को सीमित करना लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है। वहीं, कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने भी पप्पू यादव पर हुए कथित हमले की निंदा करते हुए कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के विचारों से असहमति होना स्वाभाविक है, लेकिन उसका जवाब हिंसा, गाली-गलौज या किसी भी प्रकार की आक्रामक प्रतिक्रिया से नहीं दिया जा सकता।

मदुरै में आमने-सामने हुई कार की टक्कर में 3 साल की बच्ची समेत पांच लोगों की मौत

एजेंसी

मदुरै । तमिलनाडु के मदुरै जिले में मेलूर के पास सोमवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। कार का संतुलन बिगड़ने और डिवाइडर पार करके दूसरी गाड़ी से आमने-सामने टकराने से हुई कई गाड़ियों की टक्कर में 3 साल की बच्ची सहित पांच लोगों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा थुम्बाइपट्टी फोर-लेन रोड ओवरब्रिज पर हुआ, जब एक कार में सवार पांच लोगों का ग्रुप नेशनल हाईवे से चेन्नई से तिरुनेलवेली जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, फ्लाईओवर से गुजरते समय कार सबसे पहले अपने आगे चल रहे एक दोपहिया वाहन से टकराई। टक्कर के बाद ड्राइवर का गाड़ी पर से कंट्रोल हट गया और गाड़ी डिवाइडर पार करके दूसरी तरफ की लेन में चली गई। कुछ ही पल में बेकाबू कार सामने से आ रही एक दूसरी कार से आमने-सामने टकरा गई। टक्कर के समय दूसरी गाड़ी मदुरै से तिरुचि की ओर जा रही थी। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि चेन्नई जा रही गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इमरजेंसी

टीम के पहुंचने से पहले ही गाड़ी में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों में से चार की पहचान चेन्नई के मदिपक्कम के श्रीमान, राजकुमारी, रंजा और तीन साल की प्राणिका के तौर पर की है। बताया जा रहा है कि वे सभी एक ही परिवार के सदस्य थे। परिवार के साथ यात्रा कर रहे पांचवें व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो पाई है। हादसे की सूचना मिलने पर फायर एंड रेस्क्यू सर्विस डिपार्टमेंट, मेलूर पुलिस और 108 एम्बुलेंस सर्विस के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को क्षतिग्रस्त गाड़ियों से बाहर निकाला गया और इलाज के लिए मेलूर सरकारी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि घायलों में से एक चेन्नई से आ रही कार में सवार था, जबकि दूसरा व्यक्ति दूसरी कार में था जो तिरुचि की ओर जा रही थी। हादसे में मारे गए पांच लोगों के शवों को क्षतिग्रस्त गाड़ियों से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया।

इस हादसे के कारण व्यस्त चार-लेन वाली सड़क पर ट्रैफिक बुरी तरह बाधित हुआ, क्योंकि क्षतिग्रस्त गाड़ियों और बचाव कार्य के चलते कुछ समय के लिए आवाजाही रुक गई थी। पुलिसकर्मियों ने ट्रैफिक को नियंत्रित किया और बाद में सड़क से गाड़ियों को हटाकर आवाजाही सामान्य की। मेलूर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे की असल वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

हरविंदरकौर मल्टीपल सिल्वर अवार्ड से सम्मानित

एजेंसी

श्रीगंगानगर। लांयस क्लब इण्टरनैशनल के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट महिला स्वास्थ्य एवं हाईजीन के अंतर्गत सफलतापूर्वक मेगा प्रोजेक्ट आयोजित करने के लिए हरविंदरकौर मल्टीपल सिल्वर -अवार्ड से सम्मानित किया गया है। लांयस क्लब इण्टरनैशनल के अध्यक्ष एपी सिंह के द्वारा विश्व स्तर पर वूमन हैल्थ एवं हाइजीन के प्रति जागरूक करने के लिए प्रारम्भ करवाये गये इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत लायंस क्लब के डिस्ट्रिक्ट 3233-ई-1 के प्रांतपाल सुधीर वाजपेयी के नेतृत्व में श्रीगंगानगर एवं हनुमानगढ़ जिलों में महिलाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, ग्रामीण स्कूलों एवं ग़रीब परिवारों की बस्तियों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सम्बन्धी जानकारियां उपलब्ध करवाने व बहुत बड़े स्तर पर सैनिटरी नैपकिन वितरण कर प्रोजेक्ट का सफलतापूर्वक संचालन करने के लिए हरविंदरकौर को गत दिवस आयोजन में एक कार्यक्रम में प्रांतपाल सुधीर वाजपेयी, नितिन मांगलिक और पूर्व प्रांतपाल ज्योतिप्रकाश कांडा द्वारा मल्टीपल डिस्ट्रिक्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

लोकसभा अध्यक्ष,गृहमंत्री व अन्य ने श्रावण मास के प्रथम सोमवार की देशवासियों को दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने पवित्र श्रावण मास के प्रथम सोमवार की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। बिरला ने एक्स पर लिखा, पवित्र श्रावण मास के प्रथम सोमवार की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं! श्रावण का प्रथम सोमवार भगवान शिव की आराधना, आत्मशुद्धि, संयम और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश लेकर आता है। भगवान भोलेनाथ का सरल और कल्याणकारी स्वरूप हमें विनम्रता, धैर्य, प्रकृति के प्रति सम्मान और लोककल्याण की भावना के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देता है। आज के दिन हम शिव भक्ति के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, सेवा और मानवता के मूल्यों को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लें। देवाधिदेव महादेव की असीम कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य, समृद्धि,

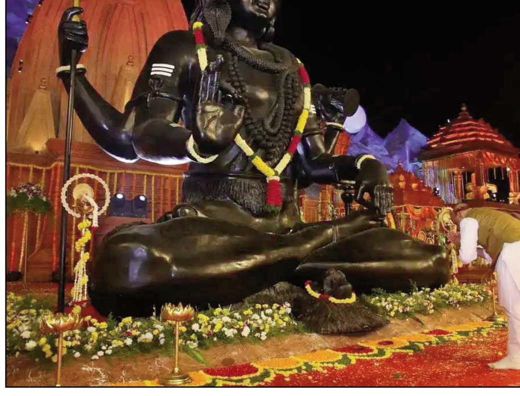

सफलता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो। नमः शिवाय।

शाह ने कहा कि देवाधिदेव महादेव सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा महादेव का आशीर्वाद प्रत्येक परिवार में सुख-समृद्धि और पूरे राष्ट्र में शांति, सद्भाव तथा नई ऊर्जा का संचार करे। यही मंगलकामना है। हर हर महादेव! केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याणमंत्री शिवराज सिहं ने कहा कि भगवान शिव की कृपा सदैव आप सभी पर बनी रहे, हर घर-आंगन में ऋद्धि - सिद्धि, खुशहाली हो, सबकी मनोकामनाएं पूरी हों, यही प्रार्थना है।

केन्द्रीय कपड़ामंत्री गिरिराज सिंह ने एक श्लोक साझा किया, 'नमस्ते भगवान रुद्र भास्करामित तेजसे। नमो भवाय देवाय रसायाम्बुमयात्मने॥ केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारितामंत्री डॉ वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि आदिदेव भगवान भोलेनाथ की असीम कृपा से आपका जीवन सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य युक्त, समृद्धि एवं मंगलमय ऊर्जा से परिपूर्ण हो। यह पवित्र श्रावण मास सभी के लिए श्रद्धा, भक्ति और नवचेतना का संदेश लेकर आए। भगवान शिव के पावन जलाभिषेक हेतु श्रद्धा, अनुशासन और भक्ति के साथ यात्रा कर रहे सभी शिवभक्त श्रद्धालु कांवड़ियों की मंगलमय एवं सुरक्षित यात्रा की कामना है।

मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश, मुख्य सचिव स्तर पर हर 2 माह में आयोजित हो टीएसी की बैठक

एजेंसी

उदयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ज्ञान मॉडल (गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी) के आधार पर राज्य सरकार प्रदेश में अनुसूचित जनजाति के आर्थिक सशक्तीकरण, सामाजिक सुरक्षा और समग्र उत्थान के लिए काम कर रही है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जनजाति बाहुल्य क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, आजीविका, कृषि एवं उद्यानिकी, पशुपालन, स्वरोजगार एवं कौशल विकास तथा पर्यटन से संबंधित बजट घोषणाओं एवं योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। मुख्यमंत्री उदयपुर के कृषि महाविद्यालय में राजस्थान अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने पीएम जन-मन योजना का फीडबैक लिया तथा अधिकारियों को प्रगतिरत कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान में आयोजित हो रही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आदिवासी परिवारों तक योजनाओं का पूर्ण लाभ पहुंचाने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जनजाति समुदायों के

कल्याण के लिए राज्य सरकार पर्याप्त बजट उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने प्रमुख बजट घोषणाओं के संबंध में निर्देश दिए कि पूर्ण गुणवत्ता के साथ विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी पहलों को धरातल पर तेजी से उतारा जाए। उन्होंने आश्रम छात्रावास एवं आवासीय विद्यालयों तथा खेल व सह-शैक्षणिक गतिविधियों के कुशल संचालन करने तथा उदयपुर में बनने वाली देश की प्रथम लैक्रोज अकादमी की बजट घोषणा को भी मूर्त रूप देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां-बाड़ी केन्द्रों के माध्यम से बच्चों को अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य एवं खेल कूद की गतिविधियों से लाभान्वित किया जाए तथा अधिकारी इसकी निरन्तर मॉनिटरिंग भी करें। उन्होंने जनजाति क्षेत्र के विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने एवं ड्रॉप-आउट को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार, अनुसूचित जनजाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति, उच्च शिक्षा विभाग की छात्रवृत्ति योजना एवं कालीबाई भील मेधावी स्कूटी योजना से विद्यार्थियों को अधिक से अधिक संख्या में लाभान्वित करने के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के जरिए जरूरतमंद युवाओं को भर्ती परीक्षाओं की तैयारी के समुचित अवसर उपलब्ध करवाए जाएं। उन्होंने कालीबाई भील महिला संबल शिक्षा सेतु योजना के जरिए वंचित महिलाओं एवं बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने तथा लाडो प्रोत्साहन योजना के माध्यम से अधिक से अधिक परिवारों को जोड़कर लाभान्वित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जनजाति क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों में मोबाइल मेडिकल यूनिट्स एवं टेली-मेडिसिन सेवाओं के बेहतर संचालन के निर्देश दिए।

हिमाचल प्रदेशः कुल्लू के निरमंड में भारी बारिश का कहर, राजकीय प्राथमिक विद्यालय का एक भवन जमींदोज

एजेंसी

कुल्लू । जिला कुल्लू के निरमंड खंड में बीती रात हुई मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। लगातार हुई बारिश के चलते राजकीय प्राथमिक विद्यालय पांकवा का एक भवन पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर जमींदोज हो गया। स्कूल परिसर के आसपास भारी मात्रा में मलबा और पानी जमा हो गया है, जबकि ऊपरी क्षेत्र से अब भी लगातार मलबा नीचे आ रहा है, जिससे स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। विद्यालय भवन को हुए भारी नुकसान के कारण बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। फिलहाल क्षेत्र में खतरा बना हुआ है और आसपास का माहौल भयावह नजर आ रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित क्षेत्र का तत्काल निरीक्षण कर आवश्यक राहत एवं सुरक्षा उपाय किए जाएं। साथ ही विद्यालय परिसर को सुरक्षित घोषित किए जाने तक बच्चों की पढ़ाई के लिए

वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए लोगों से भी सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से जोखिम वाले क्षेत्रों में न जाने की अपील की गई है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में मानसून के दौरान लगातार हो रही भारी बारिश और प्राकृतिक आपदाओं से करीब 1000 करोड़ के नुकसान का प्रारंभिक अनुमान है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के विशेष सचिव पुष्पेंद्र राणा ने बताया था कि इस मानसून सीजन में लगभग 15 लोगों की मौत हुई हैं। कांगड़ा और पांगी घाटी में जनहानि हुई है। पुष्पेंद्र राणा ने कहा था कि राज्य में अभी तक का नुकसान लगभग एक हजार करोड़ है। हम कोशिश कर रहे हैं कि पूरा रिकॉर्ड रखें। पुष्पेंद्र राणा ने कहा था कि हिमाचल में प्राकृतिक आपदाएं जैसी घटनाएं हो रही हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इन घटनाओं पर लगातार नजर रख रहा है और तुरंत कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम का भारत दौरा

भारतीय मूल के नील पटेल को 16 सदस्यीय टीम में मिली जगह

नईदिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अगले महीने होने वाले भारत दौरे के लिए 16 सदस्यीय अंडर-19 पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में भारतीय मूल के न्यू साउथ वेल्स के खिलाड़ी नील पटेल को भी शामिल किया गया है। यह टीम भारत के खिलाफ राजकोट और अहमदाबाद में पांच मैचों की मल्टी-फॉर्मेट सीरीज खेलेगी। न्यू साउथ वेल्स के रहने वाले नील पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट क्लब से खेलते हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के उभरते युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है।

- **राजकोट और अहमदाबाद में खेले जाएंगे मैच** – यह दौरा चार सप्ताह तक चलेगा। इसमें ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत के खिलाफ तीन 50–ओवर के मैच और दो चार–दिवसीय मैच खेलेगी।ये मुकाबले 13 सितंबर से 9 अक्टूबर 2026 के बीच राजकोट और अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे। इस टीम का चयन यूथ नेशनल सिलेक्शन पैनल ने किया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के सबसे होनहार युवा खिलाड़ियों को जगह दी गई है।
- **टिम नील्सन होंगे हेड कोच** – ऑस्ट्रेलियाई टीम के हेड कोच पूर्व क्रिकेटर टिम नील्सन होंगे। नील्सन फिलहाल डार्विन में बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन प्रोग्राम की देखरेख कर रहे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की नेशनल डेवलपमेंट हेड सोन्या थॉम्पसन ने कहा कि यह दौरा युवा खिलाड़ियों के विकास के लिए एक बेहतरीन मौका है। उन्होंने कहा कि भारत की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में खेलने से खिलाड़ियों की तकनीकी और मानसिक क्षमता का परीक्षण होगा।टीम नील्सन फिलहाल डार्विन में बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन प्रोग्राम की देखरेख कर रहे हैं।
- **ऑस्ट्रेलियाई टीम में ये खिलाड़ी शामिल** – टीम में केसी बार्टन (तस्मानिया), हेडन बारबुलोविक (साउथ ऑस्ट्रेलिया), एली ब्रेन (क्वींसलैंड), विल बायरोम (न्यू साउथ वेल्स), ब्लेक कैटल (न्यू साउथ वेल्स), जैक जोस्नेक (विक्टोरिया), स्पेंसर ग्रीन (क्वींसलैंड), कॉनर ग्रेगरी (साउथ ऑस्ट्रेलिया), चार्ली हेंडरसन (क्वींसलैंड), जेड होलिक (वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया), मैथ्यू लॉफ (वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया), नील पटेल (न्यू साउथ वेल्स), जैकब पिट्ज (विक्टोरिया), पैट्रिक सुलिवन (विक्टोरिया), थियो त्सिंगोस (क्वींसलैंड) और थॉमस वासेओ (क्वींसलैंड) शामिल हैं।

टीम इंडिया की बढ़ती चोटों पर बीसीसीआई सख्त

सपोर्ट स्टाफ और हेड फिजियो की होगी समीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट टीम में लगातार बढ़ रही खिलाड़ियों की चोटों ने अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रीलंका टेस्ट सीरीज के बाद बोर्ड टीम इंडिया के मेडिकल और सपोर्ट स्टाफ की समीक्षा करेगा। खासतौर पर हेड फिजियो कमलेश जैन की भूमिका जांच के दायरे में है। कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर भी खिलाड़ियों की लगातार चोटों से संतुष्ट नहीं बताए जा रहे हैं।

लगातार चोटों ने बढ़ाई बीसीसीआई की चिंता– हाल के महीनों में टीम इंडिया के कई अहम खिलाड़ी चोटिल हुए हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण श्रीलंका दौरे से बाहर हो गए हैं। इससे पहले हर्षित राणा और नितीश कुमार रेड्डी भी चोट के चलते दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं।वहीं स्टार ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट से बाहर हैं और दूसरे टेस्ट में भी उनके खेलने पर संशय बना हुआ है। लगातार बढ़ती इन चोटों ने चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

बाय-बाय ग्लास्गो 2026

भारत को मिली कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी, सौंपी मिशाल

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की रंगारंग समाप्ति

2030 कॉमनवेल्थ गेम्स अहमदाबाद में होंगे, जिससे ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत दूसरा ऐसा देश बन जाएगा जिसने एक से ज्यादा बार इस मल्टी–स्पोर्ट इवेंट की मेजबानी की है। भारत ने इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में ये गेम्स होस्ट किए थे. क्लोजिंग सेरेमनी स्कॉटलैंड की रिच कल्चरल हेरिटेज के सेलिब्रेशन के साथ शुरू हुई, जिसके बाद भारत की कल्चरल डायवर्सिटी और सदियों पुरानी परंपराओं का एक रंगीन शोकेस हुआ।

सेरेमनी की एक खास बात एक अनोखा इंडो–स्कॉटिश कल्चरल कोलैबोरेशन था, जिसमें दोनों देशों के म्यूजिशियन और डांसर एक जबरदस्त 'जुगलबंदी' के लिए एक साथ आए, जो ग्लासगो से अहमदाबाद बैटन के ट्रांसफर का प्रतीक था. सेरेमोनियल हैंडओवर पूरा होने के साथ, अब फोकस अहमदाबाद पर है, जो 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स के सौवें एडिशन को होस्ट करेगा।

नीरज, पीटी ऊषा को ध्वज मिला, क्लोजिंग सेरेमनी में शंकर महादेवन, मानुषी छिल्लर की शानदार प्रस्तुति ग्लास्गो (स्कॉटलैंड): 11 दिनों तक चले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की रविवार को रंगारंग समाप्ति हो गई। इस इवेंट में भारत ने 39 मेडल के साथ ओवरऑल मेडल स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल किया. बता दें, नई बॉक्सिंग चैंपियन बनी जैस्मिन लैम्बोरिया को क्लोजिंग सेरेमनी के लिए देश का फ्लैग-बेयरर बनाया गया।

जानकारी के मुताबिक अगले कॉमनवेल्थ गेम्स (2030) का शताब्दी संस्करण बनाया जाएगा, जिसकी मेजबानी भारत को सौंपी गई है. कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे. क्लोजिंग सेरेमनी के दौरान कॉमनवेल्थ गेम्स के आधिकारिक ध्वज और बैटन भारत को सौंपे गए हैं. इस दौरान भारत की तरफ से ओलंपिक गोल्ड मेडल विजेता नीरज चोपड़ा, भारतीय ओलंपिक संग की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष सिंघवी मौजूद रहे।

भारत ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 122 खिलाड़ियों के ग्रुप से 13 गोल्ड, 17 ??सिल्वर और नौ ब्रॉन्ज मेडल जीते. यह चार साल पहले बर्मिंघम में मिली चौथी जगह की बराबरी है, जबकि इस बार उसने एक बहुत छोटे प्रोग्राम में हिस्सा लिया था, जिसमें कई ऐसे खेल शामिल नहीं थे जिनमें देश पारंपरिक रूप से मेडल जीतता है. भारत के मेडल की संख्या 2022 में बर्मिंघम में जीते गए 61 मेडल से कम थी, लेकिन हालात कुछ और ही कहानी बताते हैं. उनमें से तीस मेडल ऐसे खेलों में आए थे, जिन्हें ग्लासगो प्रोग्राम से हटा दिया गया था।

चार साल पहले 210 की तुलना में सिर्फ 122 एथलीट के साथ, भारत फिर भी अपना चौथा स्थान बनाए रखने में कामयाब रहा, जबकि मेडल कन्वर्जन रेट और भी बेहतर रहा, जिसमें 38 एथलीट मेडल के साथ घर लौटे. लंबी दूरी के रनर गुलवीर सिंह दो मेडल जीतने वाले अकेले भारतीय थे. ऑस्ट्रेलिया ने 70 गोल्ड मेडल समेत कुल 171 मेडल जीतकर गेम्स में अपना दबदबा बनाया, जबकि इंग्लैंड 110 मेडल के साथ दूसरे और कनाडा 62 मेडल के साथ तीसरे नंबर पर रहा. भारत 39 मेडल के साथ मेजबान स्कॉटलैंड के बराबर रहा, लेकिन ज्यादा गोल्ड मेडल जीतने की वजह से चौथे नंबर पर रहा।

आकिब नबी पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में

बुमराह की जगह श्रीलंका दौरे पर जाएंगे, टीम इंडिया में आने वाले जम्मू-कश्मीर के तीसरे प्लेयर

नईदिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव हुआ है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह आकिब नबी को टीम में शामिल किया गया है। नबी टीम इंडिया में चुने जाने वाले जम्मू-कश्मीर के सिर्फ तीसरे क्रिकेटर हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी।

जसप्रीत बुमराह रविवार को टीम इंडिया से बाहर हो गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे घुटने की चोट से नहीं उबर पाए हैं। टीम मैनेजमेंट और बीसीसीआई ने उनके लंबे करियर को देखते हुए कोई जोखिम नहीं लेने का फैसला किया है।

नबी टेस्ट टीम में चुने जाने वाले जम्मू-कश्मीर के पहले क्रिकेटर – 23 साल के आकिब नबी ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 में शानदार प्रदर्शन किया था। अब उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में मौका मिला है। वे टेस्ट टीम में चुने जाने वाले जम्मू कश्मीर के पहले क्रिकेटर हैं। वैसे, यहां के परवेज रसूल और उमरान मलिक भी भारतीय टीम में चुने जा चुके हैं लेकिन उन्हें सिर्फ वनडे और टी20 टीम में मौका मिला है।

दो रणजी सीजन में कुल 104 विकेट चटकाए – 29 साल आकिब ने 2025-26 रणजी ट्राफी में मात्र 10 मैचों में 60 विकेट लिए, जिनमें सात बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। पिछले दो रणजी सीजन में आकिब नबी ने कुल 104 विकेट लिए हैं। इनमें 2025-26 में 60 और पिछले सीजन में 44 विकेट शामिल हैं। इन आंकड़ों ने आकिब नबी का लाल गेंद क्रिकेट में देश के सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में शुमार कर दिया है।आकिब का नाकआउट मुकाबलों में प्रदर्शन विशेष रूप से शानदार रहा। आकिब ने क्वार्टरफाइनल में मध्य प्रदेश, सेमीफाइनल में बंगाल और फाइनल में कर्नाटक के विरुद्ध निर्णायक गेंदबाजी की। इन प्रदर्शनों ने न केवल जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्राफी का खिताब दिलाया बल्कि दबाव में उनके धैर्य को भी प्रदर्शित किया। बीसीसीआई ने टीम में बदलाव की पुष्टि की है। हालांकि, बोर्ड ने बुमराह को टीम से बाहर करने या आकिब नबी को शामिल करने का कारण नहीं बताया है।

हाल ही में इंडिया ए के साथ श्रीलंका दौरे पर थे नबी – आकिब नबी हाल ही में इंडिया ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर भी गए थे। वहां उन्होंने दो प्रथम श्रेणी मैचों में छह विकेट लिए थे।

वेस्टइंडीज ने पहले दिन बनाए 239/5

ग्रीव्स-चेज की नाबाद साझेदारी, पाकिस्तान के स्पिनर्स को मिली सफलता, पेसर्स रहे बेअसर

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच पोर्ट ऑफ स्पेन के क्वीन्स पार्क ओवल में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 5 विकेट पर 239 रन बनाए। जस्टिन ग्रीव्स अर्धशतक लगाकर नाबाद लौटे। उनके साथ कप्तान रोस्टन चेज भी क्रीज पर मौजूद हैं। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी हो चुकी है। पाकिस्तान की ओर से स्पिनरों ने शुरुआती सफलता दिलाई, लेकिन निचले क्रम ने टीम की वापसी नहीं होने दी।

अब्बास को बाहर रखने पर उठे सवाल, ओपनर्स ने दिलाई तेज शुरुआत – मैच से पहले पाकिस्तान ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास को प्लेइंग-11 में शामिल नहीं किया। इस फैसले पर पूर्व खिलाड़ियों और विशेषज्ञों ने सवाल उठाए।

वेस्टइंडीज के ओपनर्स ने इसका फायदा उठाते हुए 9.5 ओवर में 49 रन जोड़ दिए। हालांकि, बारिश से पहले आखिरी गेंद पर मोहम्मद अली ने तागेनरायन चंद्रपॉल को फाइन लेग पर कैच कराकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई।

बारिश के बाद स्पिनर्स ने बदला मैच का रुख – बारिश के बाद पिच से स्पिनरों को मदद मिलने लगी। कप्तान बाबर आजम ने अली उस्मान और साजिद खान को आक्रमण पर लगाया।अली उस्मान ने ब्रैंडन किंग को एलबीडब्ल्यू आउट कर टेस्ट करियर का पहला विकेट हासिल किया। इसके बाद साजिद खान ने कावेम हॉज को विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराया। दोनों फैसलों में पाकिस्तान ने सफल डीआरएस लिया। किंग ने 46 रन बनाए।

उबेद शाह को मिला पहला टेस्ट विकेट – शाई होप और अमिर जांगू ने चौथे विकेट के लिए तेजी से रन जोड़े और पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखा। होप ने कवर के ऊपर शानदार छक्का भी लगाया।इसके बाद डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज उबेद शाह ने अमिर जांगू को विकेटकीपर रिजवान के हाथों कैच कराकर टेस्ट क्रिकेट का पहला विकेट लिया। हालांकि, वह पूरे दिन महंगे साबित हुए।

ग्रीव्स और चेज ने पाकिस्तान की उम्मीदों पर फेरा पानी – चायकाल के बाद मोहम्मद अली ने शाई होप को बोल्ड कर पाकिस्तान को पांचवीं सफलता दिलाई। इसके बाद लगा कि पाकिस्तान जल्द पारी समेट सकता है, लेकिन जस्टिन ग्रीव्स और कप्तान रोस्टन चेज ने संभलकर बल्लेबाजी की।

ग्रीव्स ने शानदार अर्धशतक लगाया और चेज के साथ छठे विकेट के लिए 66 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम का स्कोर 239/5 तक पहुंचाया। पहले दो सत्र में असरदार दिखे पाकिस्तान के स्पिनर्स दिन के अंत तक पिच से कम मदद मिलने के कारण ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके।

धवन के ऑलराउंड प्रदर्शन से भारत ने पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हराया

लुसाका, ज़ाम्बिया (एजेंसी)। एशियन लीजेंड्स लीग में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए हाई-वोल्टेज मुकाबले में इंडियन रॉयल्स ने शानदार वापसी करते हुए पाकिस्तान पैंथर्स को दो विकेट से हरा दिया। 168 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 17.3 ओवर में 8 विकेट खोकर 169 रन बनाए और रोमांचक जीत दर्ज की। इस जीत के सबसे बड़े हीरो ऋषि धवन रहे, जिन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने बनाए 167 रन – टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान पैंथर्स ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 167 रन बनाए। भारतीय गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में रन गति पर लगाम लगाई, जिससे पाकिस्तान बड़ा स्कोर नहीं बना सका। भारतीय टीम के सामने जीत के लिए 168 रन का लक्ष्य था।

44 रन पर 4 विकेट गिरने के बाद संकट में फंसी भारतीय टीम – लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडियन रॉयल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। मोहम्मद इरफान ने नमन ओझा (4) को जल्दी पवेलियन भेज दिया। अभिषेक जलोटा ने 19 गेंदों में 30 रन की तेज पारी खेली, लेकिन उनके आउट होते ही भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ा गई।

30 अगस्त से शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग शुरू

मोहाली में खेलते दिखेंगे शुभमन गिल और अर्शदीप सिंह, 6 टीमों के बीच होंगे 27 मुकाबले

मोहाली (एजेंसी)। क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह समेत कई स्टार क्रिकेटर अब इसी महीने मोहाली के पीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेलते नजर आएंगे। शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग का रविवार को भव्य आगाज हुआ। टूर्नामेंट 30 अगस्त से 13 सितंबर तक चलेगा।

पीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर और अध्यक्ष अमरजीत सिंह महिता ने लीग का औपचारिक शुभारंभ किया। इस मौके पर भारतीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे।

9 अगस्त को होगी खिलाड़ियों की नीलामी– टूर्नामेंट में छह फ्रेंचाइजी टीमें कुल 27 मुकाबले खेलेंगी। क्रिकेट प्रेमियों को शुभमन गिल, अर्शदीप सिंह, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह, गुरनूर बराड़ और रमनदीप सिंह जैसे स्टार खिलाड़ियों को एक्शन में देखने का मौका मिलेगा। खिलाड़ियों की नीलामी 9 अगस्त को होगी।

छह फेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी – लीग में अमृतसर, फाजिल्का, जालंधर, लुधियाना, मोहाली और बठिंडा की छह फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी। प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास 45 लाख रुपए का पर्स होगा और वह अधिकतम 20 खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल कर सकेगी। मार्की खिलाड़ी की कीमत 10 लाख रुपए तय की गई है, जबकि आइकन खिलाड़ी की बेस प्राइस 1.50 लाख रुपए रखी गई है।

प्रथम श्रेणी, अंडर-23, अंडर-19 और जिला स्तर के खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग बेस प्राइस निर्धारित की गई है। पीसीए सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि यह लीग मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी सोच का परिणाम है।

इसका उद्देश्य पंजाब के घरेलू खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और पेशेवर माहौल में सीखने का अवसर देना है। कार्यक्रम के दौरान टूर्नामेंट का आधिकारिक लोगो लॉन्च किया गया। इस अवसर पर पीसीए के पदाधिकारियों ने फ्रेंचाइजी मालिकों और प्रमुख क्रिकेटरों को सम्मानित भी किया।

तीसरा गोल्ड जीतने वाली मीराबाई चानू ने केंद्रीय मंत्री से की मुलाकात, भेंट की साइन की हुई जर्सी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने के बाद भारतीय स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात की। इस दौरान मीराबाई और भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के मुख्य कोच विजय शर्मा ने रिजिजू को पूरी भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली जर्सी भेंट की। किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, कॉमनवेल्थ गेम्स, ग्लासगो में शानदार जीत के बाद स्वागत है मीराबाई चानू। आपने एक बार फिर वेटलिफ्टिंग में गोल्ड मेडल जीतकर भारत का नाम रोशन किया। सभी वेटलिफ्टरों के हस्ताक्षर वाली टी-शर्ट भेंट करने के लिए धन्यवाद।

मीराबाई ने रचा इतिहास – टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने स्नैच में 85 किलोग्राम वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड बनाया, जबकि क्लीन एंड जर्क में 105 किलोग्राम वजन उठाकर एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने लगातार तीसरी बार कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड मेडल जीतने का कारनामा किया।

चौथा सीडब्लयूजी पदक, लगातार तीसरा गोल्ड – मीराबाई के करियर का यह चौथा कॉमनवेल्थ गेम्स पदक है। उन्होंने 2014 ग्लासगो खेलों में रजत पदक जीता था, जबकि 2018 गोल्ड कोस्ट, 2022 बर्मिंघम और अब 2026 ग्लासगो में लगातार तीन स्वर्ण पदक अपने नाम किए। वह कॉमनवेल्थ गेम्स में लगातार तीन गोल्ड जीतने वाली दुनिया की पहली महिला वेटलिफ्टर भी बन गई हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत – ग्लासगो से लौटने के बाद रविवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मीराबाई चानू का जोरदार स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में प्रशंसक, परिवार के सदस्य और समर्थक उनका स्वागत करने पहुंचे।

प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार...

कुछ किरदार सिर्फ पर्दे पर नहीं रहते, कलाकार के भीतर भी बस जाते हैं। अभिनेत्री महिमा मकवाना के लिए 'मुसाफिर कैफे' की 'प्रीति' ऐसा ही किरदार रही। महिमा कहती हैं कि इस रोल ने उन्हें खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया। बातचीत में उन्होंने अपने करियर, इंटीमेट सीन्स, टीवी से फिल्मों तक के सफर और मसूरी में अपने डॉग के नाम पर 'परिंदा कैफे' खोलने के सपने पर खुलकर बात की।

स्क्रिप्ट पढ़ते ही प्रीति के किरदार से हो गया था प्यार

महिमा कहती हैं कि 'मुसाफिर कैफे' की स्क्रिप्ट पढ़ते ही उन्हें लगा कि वह प्रीति का किरदार निभाना चाहती हैं। 'जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी मुझे लगा कि मुझे प्रीति ही बनना है। वह बहुत एस्पिरेशनल है। सोलो ट्रैवल करती है, अपने आसपास के लोगों को अपनापन महसूस कराती है, बहुत अच्छी लिस्नर है और बेहद इमोशनली इंटेलिजेंट है। अगर मुझे कभी असल जिंदगी में प्रीति मिले, तो मैं उससे दोस्ती जरूर करना चाहूंगी। वह ऐसी इंसान है, जो आपको रास्ता भी दिखाएगी और यह भी महसूस कराएगी कि आप अकेले नहीं हैं।'

इस किरदार ने मुझे खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया

महिमा के लिए 'प्रीति' सिर्फ एक रोल नहीं रही। वह मानती हैं कि इस किरदार ने उनकी निजी जिंदगी पर भी असर डाला ..'मुझे पहले खुद को स्वीकार करना बहुत मुश्किल लगता था। आसपास का शोर और लोगों की बातें कहीं न कहीं असर करती थीं। लेकिन प्रीति ने मुझे खुद को एक्सेप्ट करना सिखाया। उसने मुझे खुद से प्यार करना सिखाया। मुझे एहसास हुआ कि जब तक आप खुद को आजादी नहीं देंगे... तब तक आप अपने आसपास के लोगों को भी आजादी महसूस नहीं करा पाएंगे। मेरे लिए इससे बड़ा गिफ्ट कोई नहीं हो सकता। मैं यह सिर्फ फिल्म प्रमोट करने के लिए नहीं कह रही हूं। मुझे सच में लगता है कि प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार रहेगी।'

25 की उम्र तक लगा था, जिंदगी के सारे जवाब मिल जाएंगे

जिंदगी और करियर के इस सफर ने महिमा का नजरिया भी बदला है। वह कहती हैं कि उम्र के साथ हर सवाल का जवाब नहीं मिलता, लेकिन सोच जरूर बदल जाती है 'मुझे लगता था कि 25-26 साल की उम्र तक सब कुछ समझ आ जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं होता। जिम्मेदारियां बढ़ती रहती हैं। जिंदगी में शोर हमेशा रहेगा। फर्क सिर्फ इतना है कि अब मैंने उसके बीच खुद को संभालना सीख लिया है। डर और इंसिक्योरिटी कई बार हमारे दिमाग में ऐसी कहानियां बना देते हैं, जो असल में होती ही नहीं हैं। इसलिए उन विचारों को ज्यादा ताकत नहीं देनी चाहिए। यह सुनने में थोड़ा फिलॉसॉफिकल लगता है, लेकिन यही मेरी रोज की प्रैक्टिस है।' 'मेडिटेशन ने मुझे जिंदगी के शोर से बाहर निकलना सिखाया'।

इंटीमेट सीन से नहीं, डायरेक्टर के नजरिए से फर्क पड़ता है

ओटीटी पर इंटीमेट सीन्स को लेकर चल रही बहस पर भी महिमा अपनी बात बेबाकी से रखती हैं 'मेरे पास ऐसे ऑफर्स आए हैं, जिनमें मैं सहज नहीं थी। लेकिन मैंने हमेशा खुद से पूछा कि क्या यह सीन कहानी के लिए जरूरी है? क्या इससे कहानी आगे बढ़ती है? अगर जवाब हां है, तभी मैं उसका हिस्सा बनना चाहूंगी। मेरे लिए स्क्रिप्ट से ज्यादा जरूरी डायरेक्टर का नजरिया है। हर फैसला आसान नहीं होता, लेकिन वही करना चाहिए, जिसमें आप सहज हों।'

एक जैसे किरदार नहीं करना चाहती, अच्छे काम को देती हूं प्राथमिकता

करियर के फैसलों को लेकर भी महिमा जल्दबाजी में यकीन नहीं रखतीं 'बहुत सारी चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं होतीं। लेकिन मेरे फैसले हमेशा सोच-समझकर होते हैं। आखिर में मैं अपने इंस्टिंक्ट की सुनती हूं। मेरी क्लैरिटी बस इतनी है कि मुझे अच्छे लोगों के साथ अच्छा काम करना है। प्लेटफॉर्म मेरे लिए मायने नहीं रखता। अगर दर्शक आपसे जुड़ जाते हैं, तो वही सबसे बड़ी बात है। सीरीज 'शो टाइम' के बाद मेरे पास कई एक जैसे ऑफर आए, लेकिन मैं खुद को दोहराना नहीं चाहती थी। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूं, जिनमें कुछ नया हो और कुछ मीनिंग हो। जब तक मैं खुद किसी किरदार पर भरोसा नहीं करूंगी, उसे ईमानदारी से निभा भी नहीं पाऊंगी।'

अफेयर की अटकलों के बीच शहनाज ने राघव जुयाल पर कही बड़ी बात

इन दिनों राघव जुयाल फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' की वजह से चर्चा में हैं। वहीं शहनाज गिल भी पंजाबी और बॉलीवुड फिल्मों में सक्रिय हैं। इन दोनों कलाकारों के बीच इश्क पनप रहा है, ऐसी अटकलें लग रही हैं। हाल ही में अपने रिश्ते को लेकर शहनाज गिल खुलकर बोली हैं। जानिए, उन्होंने राघव को लेकर क्या कहा?

शहनाज गिल ने राघव को बताया अपना सहारा

शहनाज गिल ने अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई बातें साझा की हैं। इस दौरान जब उनसे राघव जुयाल को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'वो मेरा सबसे अच्छा दोस्त है। मुंबई में मेरा एक ही सहारा है, वो है राघव। वह मुंबई में मेरे लिए मम्मी-पापा की तरह है। अगर मुझे कुछ हो जाता है तो वो ही मुझे हॉस्पिटल लेकर जाएगा।' शहनाज आगे कहती हैं, 'राघव ने ही मुझे एक्टिंग लाइन में आगे जाने के लिए मोटिवेट किया। वैसे आप देख लेना राघव जुयाल एक दिन शाहरुख खान बनेगा।'

राघव ने भी रखा था अपना पक्ष

राघव जुयाल ने भी शहनाज के बारे में बहुत कुछ कहा था। वह कहते हैं, 'देखिए पर्सनल लाइफ की चर्चा तो होगी। हम शोबिज में हैं। हम लोग फेमस हैं। आगे भी ऐसी बातें होंगी। लेकिन हम सब दोस्त हैं। शहनाज भी मेरी दोस्त है। मैं उसका बहुत अच्छा दोस्त हूं। वह मेरे लिए परिवार जैसी है। मैं अपने दोस्तों और परिवार की हमेशा हिफाजत करता हूं और हमेशा उनके साथ खड़ा रहूंगा। यह तो तय है।'

कब उड़ी थी डेटिंग की अफवाहें

राघव जुयाल और शहनाज गिल ने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में साथ काम किया था। फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान खान ने दोनों की केमिस्ट्री को लेकर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की थी। इसके बाद दोनों के डेटिंग की खबरों ने जोर पकड़ लिया था। हालांकि, बाद में राघव जुयाल ने इन चर्चाओं पर सफाई देते हुए कहा था कि सलमान खान ने सिर्फ मजाक किया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनके और शहनाज के बीच ऐसा कोई रिश्ता नहीं था। हाल ही में दोनों राघव की बर्थ डे पार्टी में साथ दिखे। यहां पर जिस तरह से राघव ने शहनाज का ख्याल रखा, उसे देखकर फैंस को लगा कि इनके बीच जरूर कोई खिचड़ी पक रही है। लेकिन राघव और शहनाज एक-दूसरे को बस अच्छा दोस्त बताते हैं।

अच्छे लोगों के साथ काम करो, हार्डी संधू की इस सलाह ने बदला रेवती महुरकर का नजरिया

पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री और बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर हार्डी संधू न सिर्फ अपनी आवाज और एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपने प्रोफेशनल व्यवहार के लिए भी फेमस हैं। उनके साथ काम करने वाले हर कलाकार अक्सर उनकी तारीफ करते नजर आते हैं। अब एक्ट्रेस रेवती महुरकर ने भी हार्डी के साथ अपने अनुभव को शेयर किया। रेवती ने बताया कि 'तेवर' म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान हार्डी ने उन्हें एक ऐसी सलाह दी, जिसे वो आज भी अपनी जिंदगी का हिस्सा मानती हैं। रेवती महुरकर ने बताया कि हार्डी संधू ने उन्हें इंडस्ट्री में टिके रहने का सबसे जरूरी मंत्र दिया। उन्होंने कहा, ''शूट के बीच में हार्डी ने कहा, 'अपने काम को लेकर बहुत सोच-समझ कर फैसला लिया करो। 'हमेशा अच्छे कलाकारों और अच्छी टीम के साथ ही काम करना', इस एक सलाह ने मेरे काम चुनने का पूरा तरीका बदल दिया।''

उन्होंने कहा, ''हार्डी के साथ काम करने के बाद मुझे असल में समझ आया कि आप किन लोगों के साथ काम करते हैं, ये कितना मायने रखता है। अक्सर हम सिर्फ प्रोजेक्ट देखते हैं, लेकिन टीम और माहौल को इग्नोर कर देते हैं। हार्डी के साथ शूट पर मुझे महसूस हुआ कि एक अच्छा प्रोडक्शन कैसा होता है। उनके सेट पर हर चीज प्रोफेशनल थी। उनका प्रोडक्शन बहुत बड़े लेवल का था।'' रेवती ने टीम के व्यवहार की भी बात की। उन्होंने कहा, ''सबसे खास बात ये थी कि उनकी पूरी टीम ने मेरे साथ बहुत सम्मान से बात की। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं नई हूं। मुझे हर फैसले में बराबर की अहमियत मिली। शूट के दौरान हम अच्छे दोस्त बन गए और इसकी सबसे बड़ी वजह हार्डी हैं। वो दिल के बहुत अच्छे इंसान हैं। उनका दिमाग बहुत क्रिएटिव है और वो हर चीज को नए तरीके से सोचते हैं। उनके साथ बैठकर बात करना भी बहुत कुछ सिखाता है।''

रेवती ने हार्डी के व्यक्तित्व के बारे में आगे कहा, ''वह इंडस्ट्री की राजनीति से दूर रहते हैं। वह सिर्फ अपने काम से मतलब रखते हैं। इसी वजह से 'तेवर' का फाइनल रिजल्ट आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। ये अब तक का मेरा सबसे पसंदीदा काम है। जब भी मैं वो वीडियो देखती हूं तो मुझे गर्व महसूस होता है।'' रेवती ने शूटिंग के आखिरी दिन की एक बहुत प्यारी याद भी साझा की। उन्होंने बताया कि शूट 48 घंटे तक लगातार चला था। इतनी लंबी शूट के बाद भी टीम में एक अलग ही एनर्जी थी।

रेवती ने याद करते हुए कहा, ''48 घंटे नॉन-स्टॉप शूट करने के बाद हम सब बहुत थक गए थे, लेकिन जब पैकअप हुआ तो हार्डी ने कहा रुको, अभी नहीं। फिर हार्डी, हमारे कोरियोग्राफर, मेरे मैनेजर और मैं हम चारों ने फैसला किया कि हम थोड़ी देर और साथ बैठेंगे। हमें सुबह मुंबई की फ्लाइट पकड़नी थी, लेकिन उससे पहले तक हम सब साथ रहे। हमने खूब बातें कीं, खाना खाया, म्यूजिक सुना और हंसे। उस रात जो बॉन्ड बना वो आज तक है। ये दिखाता है कि अगर टीम अच्छी हो तो काम बोझ नहीं लगता।' अब बात करते हैं हार्डी संधू के आने वाले प्रोजेक्ट की। हार्डी जल्द ही पंजाबी फिल्म 'रांझेया' में लीड रोल में नजर आएंगे। ये फिल्म एक लव स्टोरी है। इस फिल्म में उनके साथ सिमरत कौर रंधावा और अंगद बेदी जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।

आदित्य चोपड़ा और शाहरुख खान के विश्वास ने मुझे डायरेक्टर बनाया

मशहूर निर्देशक-निर्माता करण जौहर ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सोशल मीडिया के जरिए अभिनेता शाहरुख खान और निर्देशक आदित्य चोपड़ा का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि वे आज जो कुछ भी हैं, इन दोनों की बदौलत हैं। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर शाहरुख और आदित्य चोपड़ा के साथ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्होंने लिखा, 'दो बातों ने मेरी पूरी जिंदगी को बदलकर रख दिया।' करण ने पहली बात को समझाते हुए लिखा, 'रात के लगभग 1 बजे आदित्य चोपड़ा ने मुझे फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में साथ काम करने के लिए कहा। साथ ही, सुझाव दिया कि मुझे निर्देशन में जाना चाहिए और अगर मैंने इस रास्ते को नहीं चुना, तो मैं बहुत बड़ी गलती करूंगा। उस समय मेरी जिंदगी हमेशा एक भागदौड़ जैसी चल रही थी और मैं आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाला था।'

करण ने बताया कि आदित्य की बात ने उन्हें पूरी रात सोने नहीं दिया और अगली सुबह वे अपने पिता के पास एक साल की मोहलत मांगने के लिए गए। उन्होंने लिखा, 'आदित्य की बात ने मुझे इस कदर प्रभावित किया कि मैं अगली सुबह अपने पिता जी के पास गया और उनसे अपनी जिंदगी का एक साल मांगा। मैंने कहा कि मैं एक साल फिल्म के सेट पर काम करना चाहता हूं। मेरे पिता ने मेरी आंखों में देखा और पूछा, 'बेटा, क्या तुम्हें पता है कि फिल्म के सेट पर क्या करना होता है?'' मैंने साफ कहा, 'नहीं।' फिर उन्होंने पूछा, 'क्या तुम वादा करोगे कि तुम बहुत मेहनत करोगे और हर निर्देश को ध्यान से मानोगे?' इसके बाद उन्होंने कहा, 'यह तुम्हें एक अच्छा प्रोड्यूसर बना सकता है लेकिन डायरेक्टर बनने के लिए सिर्फ और सिर्फ जुनून की जरूरत होती है।'

करण जौहर ने बताया कि उस समय उनके अंदर काम करने का जुनून था, लेकिन भरोसा नहीं था। वो भरोसा आदित्य चोपड़ा को था। उन्होंने अपना दूसरा वाक्य साझा करते हुए लिखा, 'मैं स्विट्जरलैंड की पहाडों को देख रहा था और ऐसा लग रहा था कि जैसे मुझे अपने घर की याद आ रही है और मुझे थोड़ी सहानुभूति चाहिए। तभी शाहरुख खान मेरे पास आए और उन्होंने कहा, 'तू डायरेक्टर बनेगा और तेरी पहली फिल्म मैं करूंगा। मैंने मन ही मन सोचा कि शायद इतनी ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन की वजह से वह ऐसा कह रहे हैं और शायद उन्हें पूरी तरह एहसास नहीं है कि वह क्या बोल रहे हैं।'

करण ने बताया कि शाहरुख इस बात को लेकर इतने गंभीर थे कि भारत लौटने के बाद उन्होंने करण के पिता से बात की थी। करण ने लिखा, 'मेरे पिता को भी शाहरुख की बात पर यकीन नहीं था लेकिन शाहरुख खान अपनी बात को लेकर पूरी तरह गंभीर थे। मैं आदित्य और शाहरुख खान से बहुत प्यार करता हूं। आज मैं अपनी खूबियों और कमियों, अपनी खुशियों और मुश्किलों, अपनी जीत और हार के साथ जो भी हूं, वह सिर्फ आप दोनों की वजह से हूं। उन्होंने आगे लिखा, 'आज मैं कहानियां सुना पा रहा हूं, तो इसके पीछे सिर्फ आप दोनों का विश्वास और साथ है। गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं और उन सभी गुरुओं को भी सलाम, जिन्होंने बिना किसी स्वार्थ के दूसरों को आगे बढ़ाया और उनके करियर बनाने में मदद की।'

आमिर-शाहरुख के विज्ञापन से 'महारानी' तक, हुमा कुरैशी ऐसे बनीं बॉलीवुड की दमदार एक्ट्रेस

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। यहां तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं था। कभी वह दिल्ली में थिएटर करती थीं। उन्होंने शुरुआत विज्ञापनों से की और एक समय ऐसा भी आया, जब वह आमिर खान और शाहरुख खान जैसे बड़े सितारों के साथ स्क्रीन शेयर करने लगीं। यही सफर आगे चलकर उन्हें 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' तक ले आया और फिर 'महारानी' से नई ऊंचाई तक पहुंचा दिया। हुमा का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के गार्गी कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। कॉलेज के दिनों में ही उनका झुकाव एक्टिंग की तरफ बढ़ा और उन्होंने थिएटर ग्रुप 'एक्ट 1' के साथ काम करना शुरू किया। उन्होंने थिएटर के दौरान अभिनय की बारीकियां सीखीं और यहीं से उनके अंदर एक्ट्रेस बनने का सपना मजबूत हुआ। साल 2008 में हुमा सपनों को पूरा करने के लिए मुंबई पहुंचीं। शुरुआत में उन्हें फिल्मों में काम नहीं मिला, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने विज्ञापनों में काम करना शुरू किया। इसी दौरान वह कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापनों में नजर आईं। उन्होंने आमिर खान के साथ मोबाइल और शाहरुख खान के साथ एक पेंट ब्रांड के विज्ञापन में काम किया। इन विज्ञापनों ने पहचान दिलाई और उनकी एक्टिंग को लोगों ने नोटिस किया। हुमा की किस्मत तब बदली जब एक विज्ञापन की शूटिंग के दौरान निर्देशक अनुराग कश्यप की नजर उन पर पड़ी। अनुराग कश्यप ने उनकी एक्टिंग देखकर अपनी फिल्म में मौका देने का फैसला किया। इसके बाद साल 2012 में हुमा ने फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म में उन्होंने मोहसीना हमीद का किरदार निभाया था। छोटे शहर की लड़की के किरदार में हुमा ने ऐसी जान डाली कि दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने उनकी तारीफ की।

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के बाद हुमा के करियर ने तेजी पकड़ ली। उन्हें इस फिल्म के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड में बेस्ट फीमेल डेब्यू और बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस कैटेगरी में नामांकन मिला। इसके बाद उन्होंने 'लव शव ते चिकन खुराना', 'एक थी डायन', 'डेढ़ इश्किया', 'बदलापुर' और 'जॉली एलएलबी 2' जैसी फिल्मों में काम किया। हर फिल्म में उन्होंने अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी अभिनय क्षमता साबित की। हुमा ने सिर्फ हिंदी फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने मराठी फिल्म 'हाइवे', तमिल फिल्म 'काला' और 'वलिमाई' जैसे प्रोजेक्ट्स में भी काम किया। साल 2021 में उन्होंने हॉलीवुड फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' से इंटरनेशनल सिनेमा में भी कदम रखा। अलग-अलग भाषाओं और इंडस्ट्री में काम करके उन्होंने खुद को एक बहुमुखी कलाकार के रूप में साबित किया।

कुछ रोमांचक करने की चाहत है तो बनें पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर

आजकल लोगों के मन में पैराग्लाइडिंग के प्रति अलग ही क्रेज देखा जा रहा है, जिसके कारण पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर होना बेहद जरूरी है। एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का मुख्य काम आम लोगों से लेकर टूरिस्ट को सही तरह से टेनिंग व गाइडेंस प्रदान करते हैं।

जब भी लोगों की छुट्टियां होती हैं तो वह कुछ अलग और रोमांचक करना चाहते हैं। ऐसे में उनके मन में सबसे पहले पैराग्लाइडिंग करने का ख्याल आता है। जमीन से कई फुट ऊपर उड़ने की चाहत भले ही लोगों के मन में हो, लेकिन इसे बिना इंस्ट्रक्टर की मदद के नहीं किया जा सकता। यह ऐसे प्रोफेशनल्स होते हैं, जो आम लोगों को भी कुछ ही देर में आसमान में उड़ने के लिए टेंड करते हैं। जिस तरह लोगों के मन में कुछ रोमांचक करने की चाहत बढ़ती जा रही हैं, उसके कारण पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर की जरूरत भी काफी अधिक महसूस की जाने लगी है।

क्या होता है काम

आजकल लोगों के मन में पैराग्लाइडिंग के प्रति अलग ही क्रेज देखा जा रहा है, जिसके कारण पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर होना बेहद जरूरी है। एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का मुख्य काम आम लोगों से लेकर टूरिस्ट को सही तरह से टेनिंग व गाइडेंस प्रदान करते हैं। वह उन्हें छोटी से छोटी बारीक बातों की भी जानकारी देते हैं ताकि आम पैराग्लाइडर के साथ कोई अनहोनी घटना न हो। वह ग्राउंड लेवल से लेकर 100 फुट से 1000 फुट तक उंचाई में उड़ने का अभ्यास कराते हैं। कुछ नए पैराग्लाइडर काफी डरते हैं, ऐसे में उनके मन से डर निकालने का काम भी एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का ही होता है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में कुछ विशेष स्किल्स होने चाहिए। सबसे पहले तो आपका निडर, हमेशा कुछ एडवेंचर्स करने की चाहत होनी चाहिए। यह नौ से पांच की जॉब नहीं है और कई बार छुट्टियों में आपको कई दिन घर से भी दूर रहना पड़ता है। इतना ही नहीं, इस क्षेत्र में केवल वही व्यक्ति टिक सकता है, जो साहसी, निडर, धैर्यवान व समझदार हो और वह शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत हो। कई बार खराब मौसम आपको चोटिल कर सकता है, इसलिए पैराग्लाइडिंग की टेक्निक जानने के साथ-साथ आपको मौसम व पर्यावरण की समझ भी होनी चाहिए। अपने काम के दौरान आपको कई तरह के लोगों को डील करना होता है, इसलिए आपके कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छे होने चाहिए और लोगों को गाइड करने की भी क्षमता होनी बेहद जरूरी है।

योग्यता

एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर बनने के लिए आप दसवीं या बारहवीं के बाद इससे संबंधित कोर्स व उचित टेनिंग लें। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें सिर्फ कोर्स करना काफी नहीं है, बल्कि आपको नियमित अभ्यास की जरूरत होती है। जब आप एक कुशल पैराग्लाइडर बन जाते हैं, तभी आप अपना करियर शुरू करें।

संभावनाएं

पैराग्लाइडिंग में कुशलता हासिल करने के बाद आप किसी टूरिस्ट कंपनी, हॉलिडे रिसॉर्ट, आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो किसी फेमस टूरिस्ट स्पॉट पर खुद का टेनिंग सेंटर भी खोल सकते हैं। जहां पर आप नए पैराग्लाइडर को दो-तीन दिन की टेनिंग देकर उड़ने के लिए सक्षम बना सकते हैं।

आमदनी

एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर के रूप में आप शुरूआती तौर पर 15 से 20 हजार रूपए प्रतिमाह कमा सकते हैं। अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपकी आमदनी बढ़ती जाती है। वहीं अगर आप खुद को टेनिंग स्कूल खोलते हैं तो आपकी आमदनी आपके काम पर निर्भर करेगी।

प्रमुख संस्थान

- अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीटयूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड पैराग्लाइडिंग
- इंस्टीटयूट ऑफ पैराग्लाइडिंग एंड पैरामोटरिंग, पुणे
- पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया, गोवा
- निर्वाण एंडवेचर्स एयरप्ले पैराग्लाइडिंग स्कूल,
- इंडस पैराग्लाइडिंग स्कूल, कमशेट, मुंबई

मरीन बायोलॉजिस्ट समुद्री जीव-जंतुओं व पेड़-पौधों के संरक्षण में एक अहम भूमिका निभाते हैं। आज के समय में युवा नौ से पांच की नौकरी करना पसंद नहीं करते, बल्कि वह कुछ रोमांचक और अलग करना चाहते हैं।

समुद्री जीवन में रखते हैं रूचि तो बनाएं मरीन बायोलॉजी में कॅरियर

एक मरीन बायोलॉजिस्ट को समुद्री जीव विज्ञान का अध्ययन करना होता है। वह सिर्फ समुद्र के भीतर रहने वाले जीवों के जीवन और आवास पर ही अध्ययन नहीं करते, बल्कि समुद्र के भीतर पेड़-पौधों का भी अध्ययन करते हैं। मरीन बायोलॉजिस्ट समुद्री जीव-जंतुओं व पेड़-पौधों के संरक्षण में एक अहम भूमिका निभाते हैं। आज के समय में युवा नौ से पांच की नौकरी करना पसंद नहीं करते, बल्कि वह कुछ रोमांचक और अलग करना चाहते हैं। अगर आप भी कुछ थ्रिलिंग करने में विश्वास रखते हैं और समुद्री जीवन का रहस्य आपको अपनी ओर आकर्षित करता है तो आप मरीन बायोलॉजी में अपना करियर देख सकते हैं। यह एक ऐसा कॅरियर विकल्प है, जो काफी अलग है, इसलिए अगर आप इस क्षेत्र में जाने की सोच रहे हैं तो आपको इसके बारे में अच्छी तरह पता होना चाहिए

क्या होता है काम

एक मरीन बायोलॉजिस्ट को समुद्री जीव विज्ञान का अध्ययन करना होता है। वह सिर्फ समुद्र के भीतर रहने वाले जीवों के जीवन और आवास पर ही अध्ययन नहीं करते, बल्कि समुद्र के भीतर पेड़-पौधों का भी अध्ययन करते हैं। मरीन बायोलॉजिस्ट समुद्री जीव-जंतुओं व पेड़-पौधों के संरक्षण में एक अहम भूमिका निभाते हैं।

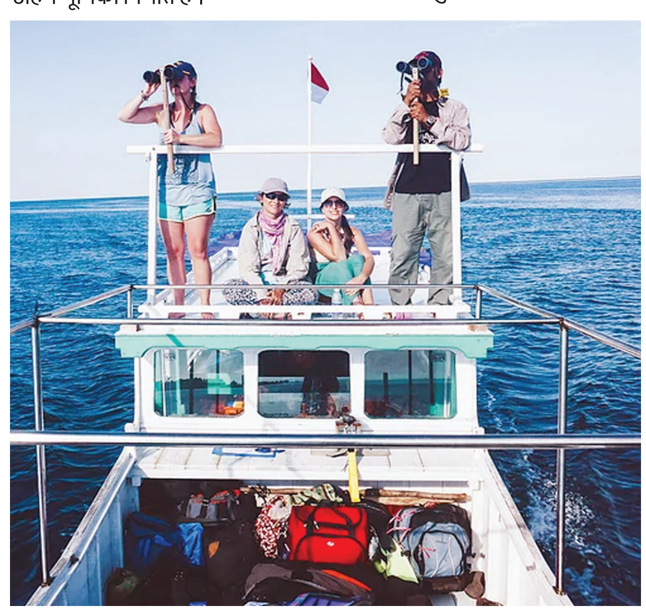

स्किल्स

अगर आप भी इस क्षेत्र में खुद को स्थापिक करने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले आपमें समुद्री जीवन व उसके बारे में विस्तार से जानने की गहरी रूचि होनी चाहिए। इसके अलावा आपका शारीरिक व मानसिक तौर पर काफी मजबूत होना जरूरी है। इस क्षेत्र में काम का कोई निश्चित समय नहीं होता और इसलिए आपको इसके लिए भी खुद को मानसिक रूप से तैयार करना चाहिए। इसके अलावा इस क्षेत्र में आपके भीतर ऑब्जर्वेशन स्किल भी बेहतरीन होनी चाहिए ताकि आपके द्वारा की गई रिसर्च काम आ सके।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपके पास बैचलर डिग्री या मास्टर डिग्री होनी चाहिए। वहीं अगर आप कहीं पर बतौर फैकल्टी पढ़ाना चाहते हैं तो आपके पास इस क्षेत्र में डॉक्टरल डिग्री होनी चाहिए। बहुत से संस्थान मरीन बायोलॉजी में विभिन्न कोर्स करवाते हैं। वैसे अगर आप चाहें तो बायोलॉजी, जूलॉजी, फिशरीज, ईकोलॉजी और एनिमल साइंस में बैचलर डिग्री प्राप्त करने के बाद कदम बढ़ा सकते हैं।

संभावनाएं

कोर्स करने के बाद छात्र सरकारी नौकरी कर सकते हैं या फिर आप एन्वार्यनमेंटल लैबोरेट्रीज, वॉटर इंडस्ट्रीज, कोस्टल अथॉरिटीज के साथ जुड़कर में भी काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, कुछ समय के अनुभव के बाद आप विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी यूनिवर्सिटी और शोध संस्थानों में बतौर लेक्चरार भी पढ़ा सकते हैं। वैसे कोर्स के बाद आप विदेशों में भी आसानी से करियर की राहें तलाश सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आपकी शुरूआती आमदनी 15000 से 25000 के बीच होती है। इसके बाद आपका अनुभव बढ़ने के साथ आमदनी में भी इजाफा होता है।

प्रमुख संस्थान

- द नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशनोग्राफ
- आईआईटी मद्रास
- कर्नाटक यूनिवर्सिटी, धारवाड़
- कोचिन यूनिवर्सिटी ऑफ साइं एंड टेक्नोलॉजी
- अन्नामलई यूनिवर्सिटी, अन्नामलई नगर
- गोवा यूनिवर्सिटी, पणजी

किताबों से करते हैं प्यार, तो बनाएं लाइब्रेरी साइंस में कॅरियर

एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना ही नहीं होता, बल्कि वह पूरी लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है।

आज के समय में लोग भले ही सूचनाओं को कंप्यूटर या फोन पर हासिल करने लग गए हों, लेकिन फिर भी किताबों का महत्व उसी तरह बरकरार है। आज भी पढ़ने के शौकीन लोग कई तरह की किताबें, मैगजीन व अखबार आदि पढ़ना पसंद करते हैं और इसके लिए वह लाइब्रेरी का रूख करते हैं। वहां पर पत्र-पत्रिकाओं का एक बड़ा कलेक्शन मौजूद होता है और हर कोई अपनी पसंद की किताब वहां आसानी से पढ़ सकता है। अगर आपको हरदम किताबों से घिरे रहना पसंद है तो लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करके बतौर लाइब्रेरियन अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

क्या होता है काम

एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना ही नहीं होता, बल्कि वह पूरी लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है। आसान शब्दों में, एक लाइब्रेरी को बेहतर बनाने के लिए जिन भी प्रयासों की आवश्यकता होती है, वह सभी उसके कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कदम रखने वाले छात्रों को सबसे पहले तो किताबों से बेइंतहा प्यार होना बेहद जरूरी है। अगर आपका किताबों के प्रति रूझान नहीं है तो यह क्षेत्र आपके लिए नहीं है। इसके अलावा आपके भीतर मैनेजमेंट स्किल्स भी होने चाहिए। अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल्स भी उतने ही बेहतर होने चाहिए।

योग्यता

इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर डिप्लोमा, ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स उपलब्ध हैं। अगर आप लाइब्रेरी साइंस में एक वर्षीय बैचलर डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं तो आपके पास कम से कम स्नातक स्तर की योग्यता होनी बेहद आवश्यक है। ठीक इसी तरह, मास्टर्स डिग्री करने के लिए लाइब्रेरी साइंस में बैचलर डिग्री होनी चाहिए।

संभावनाएं

अगर आप समझते हैं कि लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद आप सिर्फ लाइब्रेरियन ही बन सकते हैं, तो आप गलत है। इस कोर्स को करने के बाद आप इनफॉर्मेशन रिसोर्स स्पेशलिस्ट, रिसर्चर, मेटा-डेटा स्पेशलिस्ट और डॉक्यूमेंट स्पेशलिस्ट के तौर पर भी काम कर सकते हैं। लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद छात्रों को लाइब्रेरी के अलावा, गैलरीज, इंफार्मेशन एंड डाक्यूमेंटेशन सेंटर्स, पब्लिशंगि हाउस आदि में आसानी से काम मिल जाएगा। वैसे आप चाहें तो बतौर रिसर्च कंसल्टेंट भी काम कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
- डीबीएस कॉलेज, गोविन्द नगर
- राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर
- बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस
- डीजी कॉलेज, सिविल लाइंस
- अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, अन्नामलाई नगर
- बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी
- माखनलाल चतुर्वेदी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ जर्नलिज्म, भोपाल

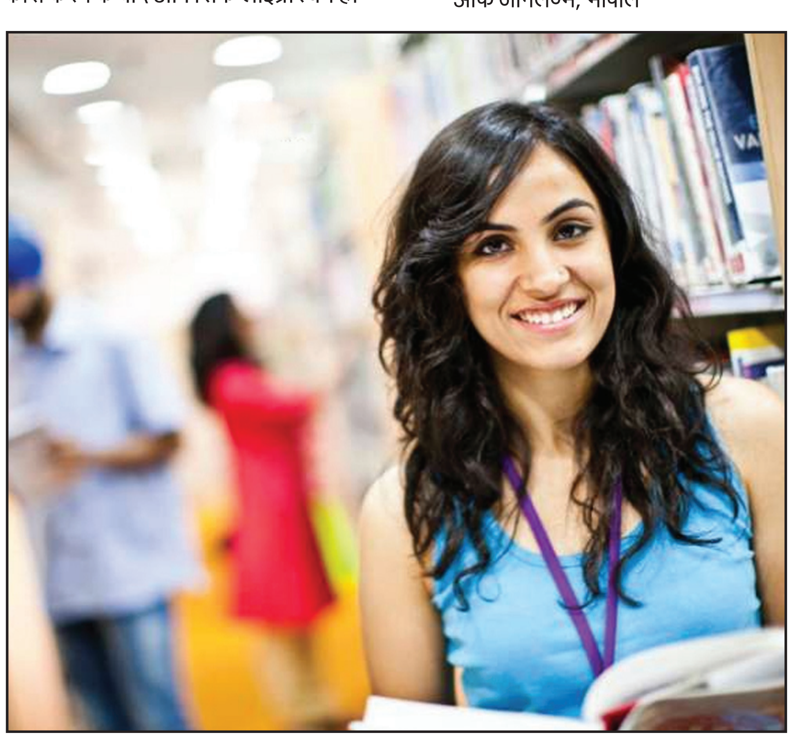

हिन्दी भाषा में डिग्री प्राप्त करने के बाद यहां बनाएं कॅरियर

आज के समय में हिन्दी न्यूजपेपर से लेकर मैगजीन व न्यूज चैनल्स को काफी महत्व दिया जाता है। आप भी हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं और बतौर एंकर, न्यूज एडिटर, न्यूज राइटर, रिपोर्टर आदि बन सकते हैं।

यह सच है कि हमारे देश में अंग्रेजी भाषा को काफी महत्व दिया जाता है, लेकिन इससे हिन्दी भाषा की महत्ता कम नहीं हो जाती। पिछले कुछ समय में हिन्दी के महत्व को दोबारा समझा जाने लगा है। हिन्दी एक ऐसी भाषा है, जो सदियों से चली आ रही है और वर्तमान में यह दुनिया की चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। भारत में, हिंदी राष्ट्र की 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है। अगर आपको हिन्दी भाषा से प्रेम है और आपने हिन्दी में बीए या एमए किया है तो आप टीचिंग के अलावा भी कई क्षेत्रों में खुद को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

पत्रकारिता

आज के समय में हिन्दी न्यूजपेपर से लेकर मैगजीन व न्यूज चैनल्स को काफी महत्व दिया जाता है। आप भी हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं और बतौर एंकर, न्यूज एडिटर, न्यूज राइटर, रिपोर्टर आदि बन सकते हैं। अगर आप घर बैठकर ही कमाई करना चाहते हैं और हिन्दी भाषा में पकड़ के साथ-साथ आपका लेखन भी अच्छा है तो आप किसी ऑनलाइन हिन्दी वेबसाइट के लिए भी घर बैठकर लिख सकते हैं।

सरकारी नौकरी

सरकारी नौकरी प्राप्त करना अधिकतर लोगों का सपना होता है। आप बीए हिन्दी व एमए हिन्दी करने के बाद केन्द्रीय व राज्यों सेवाओं के अतिरिक्त एसएससी और पीएसयू में भी आवेदन कर सकते हैं।

स्क्रीन राइटिंग

बॉलीवुड फिल्म जगत और टेलीविजन शो में ऐसे राइटर्स की खासी डिमांड होती है, जिनका हिन्दी ज्ञान अच्छा हो। यहां तक कि ऑनलाइन जगत जैसे नेटफ्लिक्स और अमेजॅन पर भी हिन्दी टीवी शोज प्रसारित किए जा रहे हैं। अगर आप हिन्दी में अच्छे हैं तो आप प्रॉडक्शन हाउस, मीडिया हाउस में स्क्रप्टि राइटिंग, डायलॉग्स या लिरिक्स भी लिख सकते हैं। लेकिन अगर आप स्क्रीन राइटर बनना चाहते हैं तो आपको बीए हिन्दी करने के बाद स्क्रीन राइटिंग कोर्स में पोस्ट ग्रेजुएशन करनी होगी ताकि आपके भीतर लेखन की अच्छी समझ विकसित हो सके।

अनुवादक

यह भी एक मजेदार करियर ऑप्शन है, जिसमें आपके पास काम की कोई कमी नहीं होती और अगर आप चाहें तो घर बैठकर अपनी सुविधानुसार काम कर सकते हैं। एक बेहतरीन अनुवादक बनने के लिए आपकी हिन्दी के साथ-साथ किसी अन्य दूसरी भाषा पर भी पकड़ अच्छी होनी चाहिए। चूंकि आजकल हर कंपनी खुद को बेचना चाहती है, लेकिन भारत में बहुत से लोग अंग्रेजी या अन्य भाषा नहीं समझते, इसलिए अधिकतर कंपनियां अपना कंटेंट हिन्दी में मुहैया कराने के लिए टांसलेटर्स की मदद लेती है।